हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 74, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 11 सितम्बर, 2023 दिन सोमवार गाजीपुर/वाराणसी

पीएम मोदी ने ब्राजील को जी20 की अध्यक्षता सौंपी, संयुक्त राष्ट्र जैसे वैश्विक निकायों में सुधार की मांग की

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डी सिल्वा को जी20 समूह की अध्यक्षता सौंप दी। इस दौरान उन्होंने सिल्वा को पारंपरिक गैवल (एक प्रकार का हथौड़ा) सौंपा। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने नई वैश्विक संरचना में दुनिया की नई हकीकत को प्रतिबिंबित करने का आह्वान किया और संयुक्त राष्ट्र जैसे वैश्विक निकायों में सुधार की मांग की। उन्होंने कहा कि दुनिया बदल रही है। ऐसे में दुनिया के बड़े और जिम्मेदार संस्थानों को भी बदलने की जरूरत है। यूएनएससी में अभी भी उतने ही सदस्य हैं, जितने इसकी स्थापना के समय में थे। इसका विस्तार होना चाहिए, यानी स्थायी देशों की संख्या बढ़नी चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि जैसा कि आप सभी जानते हैं कि नवंबर 2023 तक जी20 की अध्यक्षता की जिम्मेदारी भारत के पास है। इन दो दिनों में आप सभी ने बहुत सारे सुझाव दिए, प्रस्ताव रखे। हमारा कर्तव्य है कि सुझावों की एक बार फिर से समीक्षा की जाए, ताकि यह देखा जा सके कि उनकी प्रगति को कैसे तेज किया जा सकता है। मेरा प्रस्ताव है कि नवंबर के अंत में हम जी 20

का एक वर्चुअल सत्र आयोजित करें। हम इस शिखर सम्मेलन में तय किए गए विषयों की समीक्षा उस वर्चुअल सत्र में कर सकते हैं। मुझे आशा है कि आप सभी वर्चुअल सत्र में जुड़ेंगे। इसके साथ मैं जी20 सत्र के समापन की घोषणा करता हूं। लूला डी सिल्वा ने उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं के हितों से जुड़े मुद्दों को आवाज देने के लिए भारत की सराहना की। ब्राजील आधिकारिक रूप से इस साल एक दिसंबर में जी20 समूह के अध्यक्ष का कार्यभार संभालेगा। ब्राजील के राष्ट्रपति ने कहा कि गरीब देशों की कर्ज की समस्या पर ध्यान देना होगा। दुनिया को भुखमरी खत्म करने की कोशिश बढ़ानी होगी। लूला डी सिल्वा ने सामाजिक समावेशन, भूख के खिलाफ लड़ाई, ऊर्जा परिवर्तन और सतत विकास को जी20 की प्राथमिकताओं के रूप में सूचीबद्ध किया। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को अपनी राजनीतिक ताकत बरकरार रखने के लिए स्थायी और गैर-स्थायी सदस्यों के रूप में नए विकासशील देशों की जरूरत है। हम विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में विकासशील देशों के लिए अधिक प्रतिनिधित्व चाहते हैं।

'इंडिया का नाम बदलकर भारत रखा जाएगा, विदेशियों की मूर्तियां हटाई जाएंगी', बंगाल भाजपा नेता का दावा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के वरिष्ठ भाजपा नेता दिलीप घोष ने रविवार को दावा किया कि इंडिया का नाम बदलकर भारत कर दिया जाएगा। इसके साथ ही कोलकाता में विदेशियों की मूर्तियां भी हटा दी जाएंगी। मेदिनीपुर से सांसद ने कहा कि जो लोग नाम बदलने के खिलाफ हैं, वे देश छोड़ सकते हैं। अपने निर्वाचन क्षेत्र के खड़गपुर शहर में 'चाय पर चर्चा' कार्यक्रम में बोलते हुए भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ने कहा कि जब हमारी पार्टी पश्चिम बंगाल में सत्ता में आएगी, तो हम कोलकाता में विदेशियों की सभी मूर्तियां हटा देंगे। इंडिया का नाम बदलकर भारत कर दिया जाएगा। जिन्हें यह पसंद नहीं है, वे देश छोड़ने के लिए स्वतंत्र हैं। राज्य के एक अन्य वरिष्ठ भाजपा नेता राहुल सिन्हा ने कहा कि एक देश के दो नाम नहीं हो सकते और यह नाम बदलने का सही समय है, क्योंकि विश्व नेता जी20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए नई दिल्ली में मौजूद हैं। तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता शांतनु सेन ने आरोप लगाया कि भाजपा वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है, क्योंकि वह विपक्षी गठबंधन गठबंधन से डरती है। इससे पहले अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव में भाजपा से मुकाबला करने के लिए कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी दलों ने INDIA गठबंधन बनाया है।

यूक्रेन में शांति की वकालत पर भड़का रूस, कहा- कीव ने खुद को अपने हाथों से नष्ट किया, भारत की तारीफ की

मॉस्को। इस वक्त सारी दुनिया की नजरें देश में चल रहे जी-20 शिखर सम्मेलन पर टिकी हुई हैं। इस शिखर सम्मेलन के दौरान नेताओं का संयुक्त घोषणा पत्र जारी हुआ, जिसमें यूक्रेन में शांति का आह्वान किया गया है। साथ ही सदस्य देशों से इलाकों पर कब्जा करने के लिए ताकत के इस्तेमाल या किसी भी देश की क्षेत्रीय अखंडता के खिलाफ कार्य करने से बचने का आग्रह किया गया। अब इसी घोषणा पत्र को लेकर रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव पश्चिम देशों पर भड़क गए। उन्होंने कहा कि जैसे ही हम यूक्रेन के बारे में बात करना शुरू करते हैं, पश्चिम एक बुद्धिमान चर्चा बनाए रखने में असमर्थ हो जाता है। हालांकि, इस दौरान लावरोव ने भारत की अध्यक्षता की तारीफ की। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने पश्चिम देशों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पश्चिम देश केवल यह मांग कर सकता है कि रूस अपनी आक्रामकता बंद कर दे और यूक्रेन की क्षेत्रीय अखंडता को बहाल करे, लेकिन संयुक्त राष्ट्र चार्टर में समानता के सिद्धांत का भी उल्लेख किया गया है।

उन्होंने कहा कि कीव शासन ने अपने देश की क्षेत्रीय अखंडता को अपने हाथों से नष्ट कर दिया है। उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि हमारे कुछ पश्चिमी सहयोगी भी इसे समझते हैं, लेकिन आप अच्छी तरह

जानते हैं कि वे रूस की रणनीतिक हार पर अपना दांव लगा रहे हैं। लावरोव ने यह भी आरोप लगाया कि पश्चिम ने जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए विकासशील देशों को सालाना 100 अरब डॉलर देने का वादा किया था, लेकिन इसे कभी पूरा नहीं किया। रूसी विदेश मंत्री लावरोव ने कहा कि अभी लंबा रास्ता तय करना है, लेकिन यह शिखर सम्मेलन एक मील का पत्थर रहा है। उन्होंने कहा कि मैं जी-20 की अध्यक्षता कर रहे भारत की सक्रिय भूमिका का भी उल्लेख करना चाहूंगा, जिसने इतिहास में पहली बार वैश्विक दक्षिण से जी-20 देशों को वास्तव में एकजुट किया है। हमारे ब्रिक्स साझेदार ब्राजील, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका विशेष रूप से सक्रिय रहे हैं। उन्होंने कहा कि नई दिल्ली में हुआ जी-20 शिखर सम्मेलन सफल रहा है। यह हमें कई प्रमुख क्षेत्रों में आगे बढ़ने का रास्ता प्रदान करता है। जी-20 के अध्यक्ष के रूप में भारत ने पहली बार ग्लोबल साउथ की स्थिति मजबूत की। रूसी मंत्री ने कहा कि मैं जी-20 के राजनीतिकरण के प्रयासों को रोकने के लिए भारत के प्रति अपना आभार व्यक्त करना चाहता हूं। जी-20 घोषणा पर रूसी विदेश मंत्री लावरोव ने कहा कि जैसा कि हम दुनिया में सत्ता के नए केंद्र देख रहे हैं, इससे साफ है कि पश्चिम का आधिपत्य नहीं रह पाएगा।

नई दिल्ली जी20 नेताओं के शिखर सम्मेलन की घोषणा पर आम सहमति पर रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा कि जब वे इस पर सहमत हुए, तो शायद यह उनकी मन की आवाज थी। स्पष्ट रूप से कहें तो, हमें इसकी उम्मीद नहीं थी। उन्होंने कहा कि मैं यह रेखांकित करना चाहता हूं कि हम उस पैराग्राफ (यूक्रेन और रूस पर) को घोषणा पत्र के बाकी काम से अलग नहीं कर सकते है।

उप मुख्यमंत्री केशव मौर्य बोले, हम अति आत्मविश्वास के कारण घोसी उपचुनाव हारे

बहराइच। घोसी का उपचुनाव हम हारे हैं इससे इनकार नहीं किया जा सकता है। हार-जीत की समीक्षा पार्टी करेगी। निश्चित तौर पर लोकसभा चुनाव में हम कमल खिलाएंगे। भारतीय जनता पार्टी का गठबंधन वहां जीतेगा। उपचुनाव में हम सभी को अति आत्मविश्वास था जिसके कारण हारे हैं लेकिन हार को जीत में बदलने में समय नहीं लगता है। अखिलेश यादव जब मुख्यमंत्री थे तब सपा साफ हो गई थी। 2022 में वह सरकार बना रहे थे लेकिन नहीं बना पाए। एक सीट जीत लेने से वह जो गुब्बारे की तरह फूल रहे हैं। जनता उनकी हवा निकाल देगी। उक्त बातें एक दिवसीय भ्रमण पर बहराइच पहुंचे उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भाजपा जिला कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कही। भाजपा कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत करते हुए उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि वह उप मुख्यमंत्री बाद में हैं, पहले पार्टी कार्यकर्ता हैं।

उन्होंने कहा कि वह हर बार कार्यकर्ताओं से यही कहने आते हैं कि जैसे सभी पार्टी कार्यकर्ता हैं, वैसे ही वह भी भाजपा के सिपाही पहले हैं। जी-20 सम्मेलन को लेकर केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि जी-20 की ऐतिहासिक सफलता के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बधाई। आज भारत का मान पूरी दुनिया में बढ़ गया है। देश का सम्मान जब बढ़ता है तो सिर्फ प्रधानमंत्री का सम्मान नहीं बढ़ता बल्कि पूरे देश के नागरिकों का भी मान बढ़ता है। कांग्रेस जो सालों में नहीं कर पाई प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मात्र नौ सालों में कर दिया। जिसके चलते आज पूरे देश में एक ही आवाज गूंज रही है अबकी बार फिर मोदी सरकार। सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव के बयान कि वह भाजपा को साफ कर देंगे के सवाल पर उन्होंने कहा कि जब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर लोकसभा सीट और उन्होंने फूलपुर लोकसभा सीट छोड़ी थी तो वहां भी भाजपा को हार का सामना करना पड़ा था जिसके बाद सपा गुब्बारे की तरह फूल गई थी।

मैनपुरी आए पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद, बोले- इंडिया नाम से घबराई भाजपा, कर रही दुष्प्रचार

मैनपुरी। मैनपुरी में पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद ने कहा कि इंडिया नाम से घबराई भाजपा दुष्प्रचार कर रही है। 2024 में भाजपा का सत्ता से जाना तय है। कांग्रेस विकास की राजनीति करती है जबकि भाजपा नफरत की राजनीति करती है। देश में भाजपा का ग्राफ तेजी से गिर रहा है। पूर्व विदेश मंत्री शनिवार की देर शाम आगरा रोड स्थित एक मैरिज होम में स्वागत समारोह में बोल रहे थे। मैरिज होम में शनिवार की देर शाम एक कार्यक्रम में अल्पसंख्यक समाज के लोगों ने कांग्रेस की सदस्यता पूर्व विदेश मंत्री के सामने ली। पूर्व विदेश मंत्री ने कहा कि प्रदेश में कई दशक से विकास रुका हुआ है। गैर कांग्रेसी सरकारें केवल अपना विकास करने में लगी रही हैं। प्रदेश के विकास की किसी को चिंता नहीं है। भाजपा केवल अफवाहों के बल पर चुनाव जीतती रही है। भाजपा का विकास से कोई लेनादेना नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा का लोकतंत्र में विश्वास नहीं है। भाजपा नाम बदलने की राजनीति करती है। अब देश का नाम बदलने का प्रयास किया जा

रहा है। जनता बहकावे में आने वाली नहीं है। 2024 में भाजपा को सरकार से हटाने का मन बना चुकी है। जनता नफरत नहीं विकास चाहती है। प्रदेश महासचिव प्रकाश प्रधान, रीता नैयर, गोपाल कुलश्रेष्ठ, पूरनचंद्र चतुर्वेदी, अजय दुबे, अरविंद तिवारी, औकाफ अली ने भी संबोधित किया।

200 घंटे की लंबी बातचीत के दावे पर शशि थरूर ने की भारतीय शेरपा की तारीफ, कहा- भारत के लिए गर्व का पल

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने जी-20 शिखर सम्मेलन में सर्वसम्मति से घोषणापत्र को स्वीकार किए जाने पर अमिताभ कांत की तारीफ की। कहा कि जी-20 शिखर सम्मेलन में रूस-यूक्रेन युद्ध पर प्रमुख मतभेदों को दूर करते हुए सर्वसम्मति से घोषणापत्र स्वीकार किए जाने के बाद भारत ने एक बड़ी जीत हासिल की है। यह देश के लिए गर्व की बात है। गौरतलब है, एक रात पहले की कठिन समझौता वार्ता ने भारत को वह सफलता दिला दी, जिसके लिए पीएम मोदी की टीम जी-20 अध्यक्षता मिलने के बाद से ही दिन रात परिश्रम कर रही थी। दरअसल, शुक्रवार शाम तक यूक्रेन मुद्दे को लेकर दिल्ली घोषणापत्र पर आम सहमति का मामला अटका हुआ था। यह खतरा भी मंडरा रहा था कि क्या शिखर सम्मेलन से एकजुट बयान जारी हो पाएगा, लेकिन इसके बाद भारतीय टीम ने चीन, रूस और पश्चिम के देशों के प्रतिनिधियों के

साथ फिर से वार्ता का दौर शुरू किया। इसमें भारत को ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका और इंडोनेशिया का पूरा सहयोग मिला। इन प्रयासों से भारत को यूक्रेन मसले पर तैयार अनुच्छेद को लेकर चीन को सहमत करने में कामयाबी मिल गई थी। बाद में यूरोपीय देशों ने भी इस पैरे में लिखी बातों से सहमति जता दी थी। जी-20 के भारतीय शेरपा अमिताभ कांत ने भी एक समाचार चैनल में इस बात की पुष्टि की थी कि आम सहमति बनाने में ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका और इंडोनेशिया ने पूरा सहयोग किया। उन्होंने कहा था कि नई दिल्ली घोषणापत्र पर सदस्य देशों से 200 घंटे तक चर्चा हुई। रूस और चीन के साथ अलग से लंबी बातचीत हुई, जिसके बाद शुक्रवार रात को अंतिम मसौदे पर सहमति बनी। इसी बातचीत को आधार बनाकर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर भारतीय शेरपा अमिताभ कांत को बधाई दी। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि जब आपने आईएएस का विकल्प चुना तो आईएफएस ने एक प्रतिष्ठित राजनयिक खो दिया। उन्होंने इसे भारत के लिए गर्व का पल बताया।

चोरी करके भागते वक्त 11 हजार वोल्ट की लाइन से टकराया चोर, रात में तड़प-तड़पकर तोड़ा दम

हापुड़। हापुड़ जिले के धौलाना इलाके से हौरान करने वाला मामला सामने आया है। गांव शेखपुर खिचरा की नियाज कालोनी में चोरी करने आए चोर की छत के ऊपर गुजर रही एचटी लाइन की चपेट में आने से मौत हो गई। मृतक के पास चोरी किया गया सामान बरामद हुआ है। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लिया। उसकी पहचान उसकी जेब में मिली आईडी से हुई है। उसकी पहचान इब्रहिम पुत्र अफसर मोहल्ला भद्रान गांव देहरा के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, थाना बहादुरगढ़ के गांव रझैटी के रहने वाले जावेद ने बताया कि वह पिछले सात साल से गांव शेखपुर खिचरा की नियाज कालोनी में अपना मकान बनाकर पत्नी और बच्चे के साथ रहता है। वह यूपीएससी स्थित एक फैक्टरी में एक ट्रांसपोर्टर के यहां ड्राइवर है। शनिवार रात में वह अपनी पत्नी और बच्चे के साथ मकान के एक हिस्से में बने कमरे में सोया था। मकान का मैन गेट बंद था। सुबह करीब छह बजे उसकी पत्नी शमां परवीन की आंख खुली तो उसने देखा कि कमरे के दरवाजे खुले हैं। सामान इधर-उधर बिखरा पड़ा है।

बड़ा खुलासाः 30 किमी नदी तैरकर पहुंचे पाकिस्तान, दो दिन वहां रुके, 50 किलो हेरोइन संग लौटे पंजाब के दो तस्कर

जालंधर (पंजाब)। पांच लाख रुपये के लालच में पंजाब के दो तस्कर 30 किलोमीटर तक रावी नदी में तैरकर पाकिस्तान पहुंचे। सरहद पार दो दिन रुकने के बाद वहां से 50 किलो हेरोइन लेकर रावी के रास्ते भारत फिर लौटे। सरहद पर कड़ी निगरानी के तमाम दावों के वाबजूद किसी को इसकी भनक तक नहीं लगी। हेरोइन की खेप के साथ गिरफ्तार तस्कर जोगा सिंह के इस खुलासे ने सीमा सुरक्षा पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। जालंधर में 17 अगस्त को 8 किलो हेरोइन के साथ गिरफ्तार लुधियाना के जोगा सिंह ने पूछताछ में बताया कि फिरोजपुर के टेंडीवाला निवासी उसका जीजा शिंदर नशा बेचता है। उसने जोगा सिंह की मुलाकात काला सिंह और रंगी से कराई थी। काला सिंह ने जोगा सिंह को लालच दिया कि वह रंगी के साथ पाकिस्तान से हेराइन लेकर आए तो उसे पांच लाख रुपये दिए जाएंगे। 30 जुलाई 2023 को जोगा सिंह व रंगी ने पाकिस्तान जाने की तैयारी की। दोनों सुलतान गांव के पास रात करीब 10 बजे रावी में उतर गए। दोनों ने अपने साथ पांच-पांच लीटर की खाली कैन बांध ली थी, ताकि वह

रावी में डूब न जाएं। सारी रात जोगा सिंह व रंगी नदी में तैरते रहे और अगली सुबह चार बजे तक करीब 30 किलोमीटर का सफर तय कर पाकिस्तान पहुंचे। पानी में रहने के कारण शरीर काफी सुन्न हो गया था। 31 जुलाई की सुबह चार बजे तीन लोगों ने टॉर्च की लाइट का इशारा कर नदी से निकाला। जोगा सिंह ने बताया कि तीनों उन्हें एक कच्चे घर में लगे गए। वहां कपड़े बदलवाए गए और रंगी की बात भारत में काला सिंह से करवाई गई। सात बजे नाश्ता दिया गया और बाद में कहा कि यहां पर कोई आ सकता है इसलिए मक्की के खेत में ले गए। शाम को रोटी-पानी देकर पाकिस्तानी तस्कर चले गए। एक अगस्त की सुबह आठ बजे नाश्ता देने तस्कर फिर आए थे। सूत्रों के अनुसार जोगा सिंह ने पूछताछ में बताया कि उन्हें एक अगस्त को रात 10 बजे खाना दिया गया और धान के खेतों में दो किलोमीटर पैदल लेकर नदी किनारे ले जाया गया। इस दौरान रास्ते में कोई पाक रेंजर्स नजर नहीं आया। नदी के पास एक तस्कर और मिला, जिसके पास दो बोरे थे। एक बोरे में 22 पैकेट हेराइन भरी थी। इसे तिरपाल में कसकर लपेटा और जोगा सिंह की बाजू से बांध दिया। इसी तरह 25 पैकेट वाली बोरी रंगी ने बांध ली। वहां से पानी का बहाव भारत की ओर काफी तेज था। रात को 12 बजे उन्हें यह कहकर नदी में उतार दिया गया कि पानी का बहाव आपको गांव टेंडीवाल ही लेकर जाएगा। महज चार घंटे में ही हम गांव टेंडीवाल पहुंच गए, जहां पर काला सिंह हमें रिसीव करने के लिए खड़ा था। हेरोइन ठिकाने लगाने के बाद आठ बजे के करीब जोगा सिंह व रंगी वापस अपने गांव टेंडीवाल पहुंच गए थे। जोगा सिंह लुधियाना के लाडोवाल का रहने वाला है। 2005 में सातवीं कक्षा तक पढ़ने के बाद खेतीबाड़ी करने लगा और साथ-साथ सतलुज किनारे शराब निकालने लगा। 2021 में पुलिस ने उसे लाहन के साथ पकड़ लिया था।

नवजात को झाड़ियों में फेंकाः प्लास्टिक की बोरी में लिपटी मिली बच्ची, बिलख-बिलख कर तोड़ा दम

बदायूं। बदायूं के मुजरिया क्षेत्र में दिल को झकझोर देने वाला मामला सामने आया है। गांव सगराय के समीप किसी ने जन्म के बाद नवजात बच्ची को झाड़ियों में फेंक दिया। नवजात के रोने की आवाज सुनकर ग्रामीणों को पता चला। दो घंटे बाद नवजात की मौत हो गई। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच की, लेकिन नवजात को फेंकने वाले का पता नहीं चल सका। ग्रामीणों ने कहा कि नवजात का क्या कसूर था, जो उसे मरने के लिए फेंक दिया गया। मुजरिया थाना क्षेत्र के गांव सगराय में शनिवार शाम कुछ राहगीर सड़क से गुजर रहे थे। इसी दौरान उन्होंने बच्चे की रोने की आवाज सुनी। आवाज सड़क किनारे झाड़ियों से आ रही थी। राहगीरों ने पास जाकर देखा तो झाड़ियों में प्लास्टिक की बोरी पड़ी हुई थी, जिसमें नवजात बच्ची कपड़े में लिपटी हुई थी। झाड़ियों में नवजात बच्ची मिलने की सूचना पर ग्रामीण एकत्र हो गए। ग्रामीण नवजात को उठाकर गांव ले आए। उसे एक विधवा महिला को दिया। महिला ने

नवजात को दूध पिलाया, लेकिन दो घंटे बाद नवजात ने दम तोड़ दिया। बाद में सूचना पर पहुंची पुलिस ने नवजात को लेकर जानकारी जुटाई। पुलिस का कहना है कि ग्रामीण बच्ची के बारे में कुछ नहीं बता सके। नवजात बच्ची किसकी थी और उसे किसने झाड़ियों में फेंका, इसका पता नहीं चल सका।

संपादकीय

ये वादियां ये फिजाएं बुला रही है...

मैं 1981 में आखिरी बार कश्मीर गई थी। उससे पहले हर साल अपने माता-पिता के साथ गर्मी की छुट्टियों में कश्मीर और वैष्णो माता देवी के दर्शन करने जाती थी परन्तु शादी के बाद अश्विनी जी और अपने सास-ससुर के साथ अगस्त 1981 में मैं अमरनाथ यात्रा और कश्मीर गई। बहुत यादगार यात्रा थी। शंकराचार्य मंदिर भी गए और मैं मन्नत भी मांग कर आई परन्तु उसके बाद पंजाब में आतंकवाद, लाला जी और रमेश जी का शहीद होना, फिर कश्मीर में आतंकवाद, पत्थरबाजी। मैं सोच ही नहीं सकती थी कि अब मैं कभी कश्मीर जाऊंगी और हमेशा दिल में रहता था कि आदित्य की मन्नत भी उतारनी है। मुझे बहुत बार बुलावा आया वहां के विजयधर और उनकी पत्नी जो मुझे अपनी बहन मानते हैं, जो वहां डीपीएस स्कूल चलाते हैं और अब उन्होंने थियेटर भी बनाया है। उन्होंने बहुत बार आमंत्रित किया, क्योंकि वो ऐसे शख्स हैं जो वहां से कभी भी नहीं हिले। चाहे कश्मीर में कितने भी हालात बिगड़े। यही नहीं वहां की स्टेट टैक्स कमिश्नर रश्मि सिंह भी मेरी मित्र हैं। उन्होंने भी कई बार निमंत्रण दिया कि कश्मीर में सब ठीक-ठाक है, आप जरूर आओ परन्तु कहते हैं न हर बात का समय लिखा होता है। मेरे राखी भाई कुलभूषण आहूजा और उनकी पत्नी ने वहां पांच दिन का प्रोग्राम बनाया जो मेरे लिए मुश्किल था परन्तु अपनी प्यारी सहेली ज्योत्सना सूरी के साथ 2 दिन के लिए उनके साथ शामिल हुई। वहां पहुंचते ही जो वहां का नजारा देखा सारा डर गायब हो गया। इतनी शांति और खूबसूरती देखने लायक थी। मैं ललित होटल में ज्योत्सना के साथ उसी की मेहमान थी। उनके पूजा हट में उनके साथ ठहरी उनकी मेहमान नवाजी की मैं हमेशा कायल हूं। ज्योत्सना सूरी अपने आप में महिला सशक्तिकरण की मिसाल हैं, जिन्होंने अपने पति के बाद उन्हीं के नाम पर 6 से 16 होटल बनाए। यही नहीं वह स्पेशल चिल्ड्रन के लिए बहुत काम करती हैं। उन्हें आत्मनिर्भर बना रही है, वो अपने आप में चलता-फिरता (संस्थान) इंस्टिट्यूशन है।क्या खूबसूरत होटल है। यह पहले राजा गुलाब सिंह का महल था। फिर ओबेराय होटल बना। फिर मुझे याद है 1998 में ललित सूरी जी ने इसे लिया परन्तु इस पर जो मेहनत ज्योत्सना सूरी जी ने की है वो देखने लायक है। उन्होंने हैरीटेज यानी पुरानी वस्तुओं की अवधारणा पर कई स्थानों पर लकड़ी के फर्श को सम्भाल कर संजोया है और उसको नए आधुनिक तरीके के साथ सैट किया है, देखने लायक है। वहां पर कई ऐसे स्थान हैं जहां बड़ी मशहूर फिल्मों की शूटिंग हुई है। वहां शम्मी कपूर का लगाया हुआ वृक्ष भी है, वो स्थान भी है जहां या हू चाहे कोई मुझे जंगली कहे (जंगली फिल्म) की शूटिंग हुई। इसी होटल में सिलसिला फिल्म की शूटिंग, कभी-कभी और बहुत सी पुरानी फिल्मों की शूटिंग हुई है। क्योंकि मेरी नजर में ऐसा कोई दूसरा होटल कश्मीर में नहीं जिसमें सब कुछ है। सेब, चीड़, चेरी के वृक्ष हैं। मंगोलिया ट्री हैं, कमरे प्रेजीडेंट क्वीन स्यूट के साथ-साथ कई विला बनी हुई हैं, जिसमें ठहरना एक अलग ही स्वर्ग जैसा अनुभव है। ज्योत्सना जी की नजर में होटल की एक-एक चीज है। सबसे बड़ी बात खाना बड़ा स्वादिष्ट है। उन्होंने हमें कश्मीरी खाना भी खिलाया। वहां का स्टाफ और मेहमान नवाजी लाजवाब है। यही नहीं कुलभूषण भाई साहब ने जो हमें दिखाया वो तो देश के सारे बिजनेसमैन के लिए एक उदाहरण है। यानी महिला सशक्तिकरण का उदाहरण है। उन्होंने वहां लगभग 5000 महिलाओं को काम दिया है, जो हाथ से शालों की कढ़ाई करती हैं और उन्हें रोजगार मिल रहा है। हम उस गांव में गए जहां उन्होंने व्यवस्था की है। महिलाओं को काम करते देखा, उनसे बातचीत की। वो इतनी खुश थीं कि उनको रोजगार मिला है और वो अपने परिवार को पाल रही हैं, बच्चों को पढ़ा रही हैं।हमारे साथ विमल पान मसाले वाले थे, जो वहां पर अमरनाथ मंदिर की तरह मंदिर बनवा रहे हैं। गर्ग साहब बात-बात पर कविता बना देते थे और उनकी प्यारी सी पत्नी मंजू गर्ग अमरनाथ की ट्रस्टी हैं।

आया अब बयान!

घूम लिए हैं ठाट से ।
आया अब बयान ।।
निकलीं बड़ी बातें ।
होगा देना ध्यान ।।
है मिला आनंद ।
कर रहे वो सैर ।।
दूर देश से आए ।
हैं नहीं पर गैर ।।
बिना लाग लपेट के ।
बोल रहे स्पष्ट ।।
हैं निजी विचार ।
नहीं है होना कष्ट ।।
है होना विश्लेषण ।
आज नहीं तो कल ।।
उनके साथ पूरा ।
है उनका दल बल ।।

–कृष्णेन्द्र राय

घोसी में शर्मनाक हार, क्या बीजेपी बदलेगी दलबदलुओं को लेकर रणनीति

अजय कुमार

उत्तर प्रदेश के मऊ जिले की घोसी विधान सभा सीट के लिए 05 सितंबर को हुए उप-चुनाव के नतीजे ने भारतीय जनता पार्टी को तगड़ा झटका दिया है। घोसी में बीजेपी ने पूरी ताकत लगा दी थी.यहां जीत के लिए बीजेपी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित चालीस स्टार प्रचारकों की फौज उतार दी थी, इसके अलावा भी बीजेपी के कई बड़े नेता और मंत्री चुनाव प्रचार के दौरान यहां डेरा डाले रहे थे. फिर भी वह चुनाव के नतीजे नहीं बदल पाये। इस हार की धमक दिल्ली तक सुनाई दे रही है।

बीजेपी को यहां हार ही नहीं मिली है, उसे शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा है। बीजेपी के लिए यह हार इस लिए भी मायने रखती है क्योंकि अब यूपी में कोई चुनाव नहीं होना है और इस जीत के सहारे विपक्ष बीजेपी को लगातार आईना दिखाती रहेगी। उधर, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव जो लगातार घोसी उप-चुनाव को आईएनडीआईए बनाम एनडीए के बीच का मुकाबला बनाने में लगे थे, जिसमें उन्हें बड़ी सफलता हाथ लगी है, सबसे बड़ी बात यह है कि समाजवादी पार्टी ने भी बीजेपी की तरह घोसी उप-चुनाव को नाक का सवाल बना लिया था, सपा के कई दिग्गज यहां चुनाव प्रचार के लिए पहुंचे थे, परंतु यहां सबसे अधिक मेहनत और सफल रणनीति शिवपाल यादव ने बनाई थी। शिवपाल यादव की अगुवाई में समाजवादी पार्टी ने यहां दूसरा महत्वपूर्ण चुनाव जीता है। गौरतलब हो, समाजवादी पार्टी में वापसी के बाद मैनपुरी लोकसभा उप चुनाव के दौरान शिवपाल यादव पार्टी के लिए पहली बार सक्रिय हुए थे। करीब एक दशक पुरानी अखिलेश से रंजिश को भुलाकर परिवार एक हुआ तो मैनपुरी में सपा को विशाल जीत मिली। मुलायम के निधन के बाद खाली हुई सीट पर डिंपल यादव जीतकर लोकसभा पहुंची। शिवपाल को इनाम के तौर पर सपा का राष्ट्रीय महासचिव बनाया गया। अखिलेश की कोर टीम में शामिल शिवपाल अपनी राजनीतिक जमीन और रसूख का प्रदर्शन करने के लिए जब घोसी के मैदान में उतरे, उस समय हवा बीजेपी के पक्ष में दिखाई दे रही थी, मगर इससे बेफिक्र शिवपाल ने घर-घर प्रचार किया और मैनपुरी लोकसभा सीट की तर घोसी विधान सभा की सीट भी सपा की झोली में डाल दी। निश्चित ही इस जीत से शिवपाल का पार्टी में रसूख और बढ़ेगा, अखिलेश को भी यह मानना पड़ेगा कि चुनावी रणनीति बनाने में शिवपाल यादव का आज भी पार्टी के भीतर कोई तोड़ नहीं है। वहीं घोसी में बीजेपी को मिली हार के बाद बीजेपी के साथ-साथ सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के नेता ओम प्रकाश राजभर की प्रतिष्ठा को भी जबर्दस्त धक्का लगा है। घोसी में बीजेपी को मिली हार के बाद ओम प्रकार राजभर के मंत्री बनने के सपने पर भी ग्रहण लग सकता है।

वैसे यहां यह जान लेना जरूरी है कि घोसी विधान सभा क्षेत्र को सपा का मजबूत गढ़ माना जाता है। पिछले वर्ष हुए विधान सभा चुनाव में घोसी से समाजवादी पार्टी के टिकट से दारा सिंह चौहान जीते थे, उन्हें उम्मीद थी कि समाजवादी पार्टी की प्रदेश में सरकार बनेगी, परंतु जब योगी के सिर जीत का सेहरा बंधा तो उनका दिल सपा में लगना बंद हो गया और बाद में दारा सिंह पाला बदल और विधान सभा की सदस्यता से इस्तीफा देकर बीजेपी में आ गए, बीजेपी ने उन्हें टिकट तो दे दिया, लेकिन वह दारा सिंह के लिए जीत का मार्ग नहीं प्रशस्त कर पाई। बीजेपी को समझ लेना चाहिए कि जनता इतनी बेवकूफ नहीं है जितना उसे समझा जाता है। वैसे भी 2017 के बाद अब तक घोसी विधान सभा के लिए छहः बार चुनाव-उपचुनाव होना, जनता को रास नहीं आ रहा था। इसी वजह से यहां वोटिंग परसेंट भी कम रहा था। समाजवादी पार्टी के लिए घोसी से यह भी अच्छी खबर आई है कि अभी भी मुसलमान वोटर उसके साथ मजबूती के साथ खड़ा हुआ है। घोसी में हुए उपचुनाव में दारा सिंह चौहान को भाजपा के सहयोगी दलों अपना दल (सोनेलाल), निर्बल इंडियन शोषित हमारा आम दल (निषाद) पार्टी और पूर्व सपा सहयोगी सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी का समर्थन मिला था तो दूसरी ओर समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार सुधाकर सिंह को विपक्षी गठबंधन इंडिया के घटक दलों कांग्रेस, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, राष्ट्रीय लोक दल, आम आदमी पार्टी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) (भाकपा-माले)-लिबरेशन और सुहेलदेव स्वाभिमान पार्टी से समर्थन मिला था। घोसी में मिली जीत से आईएनडीआईए गठबंधन में खुशी का माहौल है तो समाजवादी पार्टी भी गद्गद है। ऐसा होना स्वभाविक भी है, समाजवादी पार्टी घोसी की जीत का जश्न लोकसभा चुनाव तक मनाने और इसे भुनाने की कोशिश में लगी रहेगी। सपा को मिली इस जीत का मैसेज बीजेपी के है, लेकिन चौकाने वाली बात यह भी है घोसी में मिली हार के बाद भारतीय जनता पार्टी के कुछ पुराने नेता और जमीनी कार्यकर्ता भी दबी जुबान से बीजेपी को आईना दिखाने में लगे हैं। सवाल यह किया जा रहा है कि क्या बीजेपी के भीतर नेताओं की कमी थी जो एक दलबदलू दारा सिंह चौहान को उम्मीदवार बनाया गया। वोटरों ने भी संभवता दारा सिंह चौहान को इसी लिए ठुकरा दिया है, क्योंकि उन्होंने अपनी विचारधारा को तिलांजिल दे दी है। वोटरों ने चाहे-अनचाहे बीजेपी आलाकमान को भी आईना दिखाने की कोशिश की है कि जब प्रदेश में पूर्ण बहुमत वाली योगी सरकार सुगमतापूर्वक काम कर रही है तो बार-बार दलबदलू नेताओं को पार्टी में शामिल करना और उन्हें चुनाव मैदान में उतारने की क्या जरूरत है, इससे जनता का पैसा और समय दोनों बर्बाद होते हैं।

बहरहाल, घोसी की हार ने बीजेपी को यह भी बता-समझा दिया है कि यदि उसे चुनावी जंग जीतनी है तो उसे अपने रणबाकुरों को ही मैदान में उतारना होगा, उन्हीं पर भरोसा करना होगा। वर्ना दारा सिंह चौहान जैसे उसके बाहरी प्रत्याशी उसके लिए मुसीबत का ही सबब बनते रहेंगे। घोसी की हार के बाद बीजेपी की रणनीति में भी बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। हो सकता है अब आम चुनाव में बीजेपी ऐन मौके पर पार्टी में आकर टिकट हासिल करने वाले नेताओं से दूरी बनाकर चले।

भारत के बढ़ते अंतरराष्ट्रीय कद का प्रत्यक्ष प्रमाण है जी 20 शिखर सम्मेलन

पूरी दुनिया की भौगोलिक परिदृश्य में अगर अपने सामाजिक विचार को रूढ़ीबद्ध तरीके से किसी ने संचालित किया है तो वह एकमात्र देश भारत है। वसुधैव कुटुंबकम की विचारधारा पर सतत मनन करता हुआ आगे बढ़ रहा है हमारा भारत। समलैंगिक प्राथमिकता हो, पर्यावरण बचाने की रूपरेखा हो या अंतरराष्ट्रीय बढ़ रहे आतंकवाद के खतरे को विश्व पटल पर उजागर करना हो, इसमें पूरी तरीके से मुखर रहा है भारत।

अभी जल्द ही रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध उपरांत भी भारत गुटनिरपेक्ष की भूमिका निभाकर यह बताया कि युद्ध किसी भी विवाद का हल नहीं है अपितु इससे केवल सर्वनाश ही हुआ है। हमारी पांच हजार साल पुरानी सभ्यताओं ने यही सिखाया की युद्ध मयार्दाओं के खिलाफ है, सामाजिक बंधन एवं सामाजिक कुरीतियों को हटाना ही सबसे बड़ा युद्ध है क्यों ना इसी युद्ध को स्वीकार कर आगे बढ़ा जाए।भारत में पहले भी बड़े अंतरराष्ट्रीय आयोजन हुए हैं, लेकिन जी-20 शिखर सम्मेलन के रूप में यह पहली बार है, जब समस्त विश्व की निगाहें भारत की ओर होंगी। इस सम्मेलन में बड़ी आर्थिकी वाले देश भारत की अध्यक्षता में क्या फैसला लेते हैं, इसकी दिलचस्पी विश्व को इसलिए अधिक होगी, क्योंकि इस समय दुनिया तमाम आर्थिक समस्याओं से घिरी है। विभिन्न देशों की खेमेबाजी ने इन समस्याओं को और बढ़ा दिया है। हर राष्ट्र की अपनी एक अलग विचारधारा होती है परंतु सभी देशों को यह बात निर्गत रूप से पता है कि भारत ही एक ऐसा गुटनिरपेक्ष देश है जिसके समक्ष एकत्रित होकर विश्व के सारे देश ऋ20 को माध्यम बनाकर पर्यावरण, विकास एवं इस पृथ्वी के लिए कुछ दिशा और दशा को तय कर सकते हैं।भारत सहमति की कोई राह निकाल सकता है, इसकी आशा इसलिए भी है, क्योंकि वह अपनी स्वतंत्र विदेश नीति पर दृढ़ है और किसी गुट का हिस्सा बनने को तैयार नहीं। यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद भारत अपनी स्वतंत्र विदेश नीति पर जिस तरह अडिग रहा, उसके कायल वे देश भी हैं, जो यह चाहते थे कि भारतीय नेतृत्व उनके पाले में खड़ा हो और उनके सुर में सुर मिलाए।भारत ने जी-20 शिखर सम्मेलन को सफल बनाने के लिए अपने कूटनीतिक कौशल का जैसा परिचय दिया है, वैसा इसके पहले शायद ही इस समूह की अध्यक्षता करने वाले किसी देश ने दिया हो। भारत की अध्यक्षता में जी-20 समूह के प्रतिनिधियों की अभी तक जो तमाम बैठकें हुईं, उनमें कहीं अधिक विविधता देखने को मिली। इन बैठकों में हर उस विषय पर गहन चर्चा हुई, जो विश्व समुदाय को प्रभावित करते हैं।

भारत ने न केवल सतत एवं समावेशी विकास को प्राथमिकता दी, बल्कि लैंगिक समानता जैसे विषयों को भी महत्व दिया। इसके साथ ही उसने इस पर भी बल दिया कि डिजिटल क्रांति का लाभ विश्व के निर्धन-वंचित लोगों को भी मिलना चाहिए। मोदी सरकार ने देश के अनेक हिस्सों में जी-20 के विभिन्न समूहों की बैठकें आयोजित कर विश्व को देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और विविधता से भी परिचित कराया। स्पष्ट है कि इससे भारत के प्रति विश्व की धारणा बदलेगी। वास्तव में ऐसा होने भी लगा है, क्योंकि दुनिया के कई बड़े और कहीं अधिक उन्नत देश इससे चकित हैं कि भारत ने तकनीक का किस तरह बड़े पैमाने पर उपयोग कर अपने लोगों को मुख्यधारा से जोड़ने के साथ उनके जीवन को सुगम बनाया है। आज विश्व के बड़े राष्ट्र भारत को इसलिए भी महत्व दे रहे हैं, क्योंकि वह सबसे तेज गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था वाला देश है। जी-20 शिखर सम्मेलन का निष्कर्ष कुछ भी हो, यह तय है कि भारत का अंतरराष्ट्रीय कद एवं उसकी महत्ता और अधिक बढ़ने वाली है।

दुनिया में बढ़ते आतंकवाद का खतरा हो, आर्थिक नीतियों पर चर्चा हो, पर्यावरण के परिपेक्ष में पृथ्वी की सुरक्षा हो या मानव संसाधन से मानव विकास हो के विचार को भारत ने समय-समय पर विश्व पटल पर रखा है। मानव कल्याण की बात हो या जनकल्याण योजना की बातें हो भारत ने उसे युद्ध और विस्तारवाद की नीतियों से सदैव आगे रखा है। जी20 शिखर सम्मेलन भारत की बढ़ती संप्रभुता एकता और अखंडता का प्रत्यक्ष प्रमाण है।

आज जरूरत है विश्व को विस्तारवादी नीति से ऊपर उठकर जनकल्याण और भू कल्याण के बारे में सोचना, और जब-जब संकटों का दौड़ बढ़ा है इतिहास गवाह है कि भारत ने दुनिया को रास्ता दिखाया है। विज्ञान एवं तकनीकी में आज दुनिया भर में भारत का परचम लहरा रहा है दुनिया की निगाहें भारतीय तकनीक पर टिकी हुई है क्योंकि हमारी सबसे पुरानी सभ्यताओं ने सिद्ध किया है कि हमने कभी भी जनकल्याण के अलावा किसी भी वस्तु या विचार को सर्वोपरि नहीं माना है। दुनिया में फैलते आतंकवाद के खतरे से निपटने के लिए भी विज्ञान और तकनीकी का बढ़ना अति आवश्यक है, शायद यही राष्ट्र निर्माण की परिकल्पना को सिद्ध करता है। जी20 शिखर सम्मेलन भारत के बढ़ते हुए स्वरूप का एक फलता फूलता उदाहरण है।

जब जब दुनिया में कहीं आर्थिक बदहाली का दौर बढ़ा है तब तक दुनिया ने भारत को एक ऐसे राष्ट्र के रूप में पाया है जो सदैव उनके साथ खड़ा रहा है, आर्थिक बदहाली से लेकर भुखमरी एवं किसी प्राकृतिक आपदा में भी भारत मुखर होकर उन राष्ट्रों की मदद किया है शायद इसी का प्रमाण है कि आज भारत में जी-20 शिखर सम्मेलन का आयोजन हो रहा है।

आलोक प्रताप सिंह
विचारक एवं विश्लेषक।

मानवता का कल्याण और सुख, सदैव सुनिश्चित किये जाने को लेकर दो कदम और आगे बढ़े जी 20 के देश

कमलेश पांडे

नई दिल्ली जी20 लीडर्स घोषणा पत्र पर सभी देशों की सहमति बन गई है। कुल 37 पेज के नई दिल्ली घोषणा पत्र से 125 देशों ने सहमति जताई है, जिससे बहुत सारी बातें स्पष्ट हो चुकी हैं। इसका आशय स्पष्ट है कि मानवता का कल्याण और सुख, सदैव सुनिश्चित किये जाने सम्बन्धी पीएम मोदी के आान पर जी 20 के देश दो कदम और आगे बढ़ चुके हैं, जो पूरी दुनिया के लिए राहत और खुशी की बात है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद बताया कि "हमारे टीम के हार्ड वर्क से और आप सभी के सहयोग से नई दिल्ली जी20 लीडर्स घोषणा पत्र पर आम सहमति बन गई है।" इससे साफ है कि कूटनीति के मोर्चे पर भारत को बड़ी कामयाबी मिली है। सच कहा जाए तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्व गुरु के अलावा विश्व मित्र की भारत की नई छवि स्थापित करने में अभूतपूर्व सफलता प्राप्त की है। जी-20 शिखर सम्मेलन के पहले सत्र में बोलते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'वन अर्थ वन फैमिली' पर प्रमुखता से बात की और मानव केंद्रित विकास की बात करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति ने हमेशा से इसे बढ़ावा दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कार्यक्रम शुरू करने से पहले मोरक्को में आए विनाशकारी भूकंप में मारे गए लोगों के प्रति संवेदना प्रकट की और कहा, कार्यक्रम शुरू करने से पहले मैं कुछ देर पहले मोरक्को में आए भूकंप के प्रभावित लोगों के लिए संवेदना प्रकट करना चाहता हूं। मैं ये कहना चाहता हूं कि पूरा विश्व उनके साथ है और हम उन्हें हरसंभव मदद देने को तैयार हैं।

अपने उद्घाटन भाषण के दौरान मोदी ने कहा, जहां हम एकत्र हुए हैं, वहां से कुछ दूर ढाई हजार साल पुराना स्तंभ है जिस पर प्राकृत भाषा में लिखा है- मानवता का कल्याण और सुख, सदैव सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा, "दुनिया इस समय कई संकटों का सामना कर रही है। यूक्रेन युद्ध और जलवायु परिवर्तन विश्व के सामने खड़ी बड़ी चुनौतियां हैं। इसलिए वैश्विक स्तर पर भरोसा बहाल करने का समय आ गया है।" उन्होंने आगे कहा, भारत पूरी दुनिया से अपील कर रहा है कि हम मिलकर ग्लोबल ट्रस्ट डेफिसिट को विश्वास, भरोसे में बदलें। ये सभी के साथ मिलकर चलने का वक्त है। हम सभी के लिए सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास हमारे लिए पथप्रदर्शक बन सकता है।

मोदी ने अपनी बात पर बल देते हुए कहा कि, हमें आने वाली पीढ़ी के लिए वैश्विक अर्थव्यवस्था में उथल-पुथल, नॉर्थ और साउथ के बीच का फर्क, ईस्ट और वेस्ट के बीच का फर्क, अनाज संकट, खाद संकट जैसी चुनौतियों को नहीं दे सकते। यदि आज हमलोग नहीं सम्भले तो निकट भविष्य में इसका सामना करना ही पड़ेगा। वहीं, दिल्ली में हो रहे जी-20 शिखर सम्मेलन में अफ्रीकन यूनियन यानी अफ्रीकी संघ को स्थायी सदस्य के तौर पर जी-20 में शामिल कर लिया गया है, इस बात की जानकारी देते हुए मोदी ने कहा कि, सबका साथ की भावना से ही भारत ने अफ्रीकन यूनियन को जी-20 का स्थायी सदस्य बनाने की बात की थी। आप सबकी सहमति से मैं अफ्रीकन यूनियन के अध्यक्ष को जी-20 के स्थायी सदस्य के रूप में अपना स्थान ग्रहण करने के लिए आमंत्रित करता हूं।

वहीं, बैठक के बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि जी 20 बैठक में एक धरती, एक परिवार, एक भविष्य पर जोर दिया गया है। पहली बार अफ्रीकन यूनियन को स्थायी सदस्यता दी गई है। भारत की हरित विकास पहल को मंजूरी दी गई है। संतुलित, समावेशी, मजबूत और स्थायी विकास पर जोर दिया गया है। बहुपक्षीय व्यवस्था को पुनर्जीवित करने पर बल दिया गया है। सभी देश डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर पर फोकस करेंगे। साथ ही सतत विकास लक्ष्यों को हासिल करने पर जोर देंगे। इसके अलावा भी उन्होंने बहुत महत्वपूर्ण बातें कही है। वहीं, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने उनके बाद मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि जी 20 बैठक में भारत की अध्यक्षता में कई समाधान मिले हैं। वैश्विक समस्याओं के निराकरण पर जोर देते हुए उनके समुचित समाधान पर फोकस किया गया है। मजबूत टिकाऊ और समावेशी विकास पर मुहर लगी है। 21वीं सदी की वैश्विक चुनौतियों पर चर्चा हुई। विकासशील देशों पर ध्यान देने की प्रतिबद्धता जताई गई, ताकि कोई भी देश पीछे ना छूटे। ग्लोबल साउथ की प्राथमिकताओं पर बात हुई। बायो फ्यूल एलायंस बनाया जाएगा। क्रिप्टो पर पालिसी को लेकर भी चर्चा हुई। हमें चुनौती पूर्ण समय में अध्यक्षता मिली। निजी डेटा की सुरक्षा पर भी बात हुई। इसके अलावा भी उन्होंने बहुत महत्वपूर्ण बातें कही है।

वहीं, जी 20 के शेरपा अमिताभ कांत ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि बैठक में यह तय हुआ कि किसी देश की अखंडता के खिलाफ बल प्रयोग नहीं किया जाएगा। परमाणु हथियारों का इश्तेमाल या धमकी स्वीकार्य नहीं होगा। सभी देशों को यूएन चार्टर के मुताबिक काम करना चाहिए। किसी भी देश की अखंडता के खिलाफ धमकी, बल प्रयोग नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सबने माना कि आज का युग युद्ध का नहीं है। आतंकवाद के सभी रूपों की निंदा की गई है। किसी भी रूप में आतंकवाद स्वीकार्य नहीं है। आतंकी समूहों के खिलाफ सहयोग देने पर सहमति बनी। इसके अलावा भी उन्होंने बहुत महत्वपूर्ण बातें कही है। इस घोषणा पत्र में वैश्विक आतंकवाद का 9 बार और यूक्रेन का 4 बार जिक्र आया है, लेकिन यूक्रेन के सम्बंध में रूस का जिक्र नहीं किया गया है। यह बुलन्द भारत की दबंग तस्वीर को अभिव्यक्त करता है। आखिर जी 20 के देशों ने माना है कि परस्पर अब और अधिक अविश्वास नहीं किया जा सकता है, क्योंकि भारत के शांति और विकास के मंत्र से सबकी आस जगी है। बता दें कि 09 सितंबर शनिवार को जब जी20 शिखर सम्मेलन की शुरूआत हुई तो सुबह साढ़े दस से दोपहर डेढ़ बजे तक पहला सत्र 'वन अर्थ' पर आयोजित किया गया। वहीं, 'वन फैमिली' पर दूसरा सत्र दोपहर 3 बजे से 4.45 बजे तक चला। वहीं शाम 7 बजे डिनर पर सभी राष्ट्राध्यक्ष ने पारस्परिक मुलाकात किया और रात 8 बजे से 9.15 बजे तक बातचीत हुई। वहीं रविवार को जी20 सम्मेलन के आखिरी दिन 'वन फ़्यूचर' पर तीसरा सत्र सुबह 10 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक आयोजित किया जाएगा। इस सत्र के बाद जी20 शिखर सम्मेलन समाप्त हो जाएगा। जी20 ग्रुप में 19 देश शामिल हैं- अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ़्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, रिपब्लिक ऑफ कोरिया, मेक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्की, यूनाइटेड किंगडम और अमेरिका। ग्रुप का 20वां सदस्य यूरोपीय संघ है। अफ्रीकी यूनियन के इस संगठन में स्थायी सदस्य के रूप में शामिल होने के बाद अब 19 देश और दो संघ इसके सदस्य हो गए हैं।

शीतला चौकियां धाम तालाब में मरी हजारों मछलियां, मचा हड़कंप

प्रखर जौनपुर। शीतला चौकियां धाम मन्दिर के बगल में स्थित तालाब में बीते 15 दिन पूर्व सैकड़ों मछलियां मृत अवस्था में उतराई मिली थी इसी क्रम में शनिवार सुबह तालाब की सारी मछलियां तड़प तड़प कर पानी के सतह उपर व सीढ़ियों पर आ गई थी नगर पालिका परिषद द्वारा तालाब में चुने का छिड़काव व जलकल से पानी भी छोड़ने के बाद भी साम 3 बजे तक तालाब की बड़ी मछलियों ने दम तोड दिया देखते ही देखते पूरे तालाब में चारो तरफ कई हजारों की संख्या में मृत अवस्था में उतराई मिली। मृत मछलियों के कारण अगल बगल छेत्र में दुर्गंध होने लगी रविवार की सुबह मरी मछलियों को बाहर निकाल कर दूर सुरक्षित स्थान पर गड्ढा खोदकर दफन किया गया।वही नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी पवन कुमार ने बताया की धाम में स्थित तालाब में समय समय पर चुने ब्लीचिग का छिड़काव साफ सफाई किया जाता है पानी में आक्सीजन लेवल की जांच के लिए एक दो दिन बाद लैब टेस्ट में भेजा जाएगा।शाहिद जमाल जिला मत्स्य विभाग अधिकारी ने बताया की तालाब में निरीक्षण करने के दौरान बताया कि तालाब में कीचड़ के साथ पानी में काफी गंदगी है इससे आक्सीजन के साथ अमोनिया की मात्रा बढ़ गई तालाब में छमता से अधिक मछलियां थी।यदि पहले ही मछलियों को तालाब से बाहर निकालकर किसी जगह रख दिया जाए,तालाब का कर साफ पानी तालाब में भरा जाए,तब मछलियां बच सकती थीं। वही बक्शा के चुरावन गांव निवासी सेवानिवृत डिप्टी डायरेक्टर मत्स्य विभाग डा अरविंद कुमार मिश्र ने बताया कि मछलियों को बचाने के लिए सुबह चार बजे से फव्वारे के साथ ताजा पानी छोड़ने से हवा का आक्सीजन तालाब में पहुंचेगा जिससे आने वाले दिनो में मछलियों का मरना रुक सकता है।पानी के नीचे कीचड़ भरा है इससे तालाब में आर्गेनिक लोड बढ़ा है ऐसे में आक्सीजन टिकिया का प्रयोग किया जा सकता है। तालाब में मरी हुई मछलियों को स्थानीय व नगर पालिका कर्मचारियों द्वारा बाहर निकालकर दूर एक गड्ढा खोदकर सुरक्षित तरीके से बंद कर दिया गया। इस मौके पर उपस्थित जय बिंद माली ब्राम्हण समाज मन्दिर पुरोहित महंत विनय त्रिपाठी मौजूद रहे।

सौंदरीकरण के कार्यो का खेल एवं युवा कल्याण राज्य मंत्री ने किया निरीक्षण

प्रखर जौनपुर। रविवार को खेल एवं युवा कल्याण राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार माननीय गिरीश चंद्र यादव पर्यटन विभाग द्वारा विसर्जन घाट पर सद्भावना पुल से शाही पुल के बीच में बन रहे घाटों का एवं सौंदरीकरण के कार्यों का निरीक्षण किया। उक्त कार्य को कार्यदाई संस्था यूपीपीसीएल (उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट कारपोरेशन लिमिटेड) द्वारा कराया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार मा0 गिरीश चन्द्र यादव जी ने मौके पर मौजूद कार्यदाई संस्था यूपीपीसीएल के प्रोजेक्ट मैनेजर शैलेन्द्र सिंह को निर्देश देते हुए कहा कि निर्माण कार्य गुणवत्ता पूर्ण हो इस पर विशेष ध्यान होना चाहिए। घाट पर स्नान करने वालों के लिए एक चेंजिंग रूम का निर्माण हो साथ ही साथ घाट से लेकर नवदुर्गा मंदिर तक सौंदरीकरण करने का निर्देश दिया। राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार ने कहा कि सौंदरीकरण करने के लिए पैसे की कमी नहीं आएगी। यदि पैसा कम पड़ेगा तो और पैसे की व्यवस्था की जाएगी। इस घाट के निर्माण से जनपद को पर्यटन की दृष्टि से लाभ मिलेगा। इस घाट के निर्माण मे लगभग 8 करोड़ रूपया खर्च होगा। निरीक्षण के समय प्रमुख रूप से भाजपा के वरिष्ठ नेता श्याम मोहन अग्रवाल , यूपीपीसीएल के प्रतिनिधि अजय सिंह, राज्य मंत्री की मीडिया प्रभारी मनीष श्रीवास्तव, सभासद नंदलाल यादव, पीयूष सिंह, सचिन पांडे आदि लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

प्रोजेक्ट मिलन के तहत काउंसिलिंग के माध्यम से 06 बिछड़े दम्पतियों को मिलाया गया

प्रखर मिर्जापुर। पुलिस अधीक्षक अभिनन्दन के निर्देशन में जनपद में चलायें जा रहे प्रोजेक्ट मिलन में महिला परिवार परामर्श केन्द्र मीरजापुर को बड़ी सफलता मिली है। आज दिनांकः 10.09.2023 को जनपद मीरजापुर के विभिन्न थाना क्षेत्रों के 06 बिछड़े दम्पतियों को परिवार परामर्श केन्द्र में हुयी काउन्सिलिंग के माध्यम से एक साथ रहने हेतु राजी कर लिया गया । उक्त विवाहित दम्पत्ति विभिन्न कारणों से अलग-अलग रह रहे थे। परिवार परामर्श केन्द, मीरजापुर में प्रोजेक्ट मिलन काउंसिलिंग में होने वाली समस्त कार्यवाही के दौरान प्रभारी परिवार परामर्श केन्द्र महिला उप-निरीक्षक शशि तिवारी, महिला आरक्षी पिंकी जायसवाल तथा सदस्य डा.कृष्णा सिंह उपस्थित रहें।

परी फिल्म्स द्वारा फिल्म बे- लगाम की शूटिंग को लेकर किया गया ऑडिशन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। परी फिल्म्स के बैनर तले आगामी फिल्म बे- लगाम की शूटिंग के लिए पूर्वांचल के स्थानिय कलाकारों को प्लेटफार्म देने हेतु महमूरगंज क्षेत्र स्थित एस डांस स्टूडियो में मेगा ऑडिशन का आयोजन किया गया जिसमें वाराणसी ही नहीं बल्कि पूर्वांचल के विभिन्न जनपदों से आये लगभग डेढ़ सौ से भी ज्यादा कलाकारों ने प्रतिभाग किया। परी फिल्म्स के डायरेक्टर हृदय तनेजा, प्रोड्यूसर जितेंद्र माण्डलिया तथा असिस्टेंट डायरेक्टर बृजेश कुमार सिंह ने आए हुए प्रतिभागियों का ऑडिशन लिया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए आगामी फिल्म बे-लगाम जो बड़े पर्दे पर रिलीज होगी उसमें अभिनव का अवसर प्रदान करने का आश्वासन दिया।

साहू समाज का तीज पर साड़ी वितरण कार्यक्रम संपन्न हुआ

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी तीज के पावन पर्व के अवसर पर तैलीय साहू वैश्य सभा वाराणसी के बैनर तले भक्त कर्मा बाई विद्यालय प्रांगण नाटी इमली में सर्व समाज के गरीब, असहाय वृद्ध, निराश्रित, विधवा, महिला ओ को सम्मान एवं उल्लास पूर्ण तरीके से तीज मनाने का सम्मान किया गया कार्यक्रम की अध्यक्षता सुदर्शन गुप्ता संचालक महा मंत्री विनोद गुप्ता और धन्यवाद ज्ञापित पी सी यू राज सुरेश गुप्ता बाबूलाल गुप्ता, जगदीश गुप्ता, गिरधारीलाल गुप्ता कोषाध्यक्ष विनोद गुप्ता राजन गुप्ता वीरेंद्र गुप्ता अजय गुप्ता, ओम प्रकाश गुप्ता मंगला प्रसाद गुप्ता पूर्व पार्षद संकर साहू भारती साहू शशि कला अनन्या गुप्ता, दिव्या गुप्ता अनिल गुप्ता आदि लोग रहे।

महा रक्तदान शिविर में 72 लोगों ने ब्लड डोनेट किया

प्रखर जौनपुर। महा रक्तदान शिविर का आयोजन दुर्गा सिटी हॉस्पिटल एंड ट्रामा सेंटर नईगंज की ओर से आयोजित किया गया। जिसमें कुल 72 लोगों ने अपने ब्लड का दान किया। दुर्गा सिटी हॉस्पिटल ट्रामा सेंटर की ओर से महारक्तदान शिविर का आयोजन किया गया । शिविर का उद्घाटन आँर्थो विशेषज्ञ डॉक्टर आलोक कुमार यादव ने किया। जिसमें विकास परिषद जौनपुर व आईएमए ब्लड लेने की प्रक्रिया पूरी की। इसमें कुल 72 लोगों ने ब्लड डोनेट दान किया। जिसमें अस्पताल के आँर्थो विशेषज्ञ डॉक्टर आलोक कुमार यादव ने ब्लड डोनेट किया और कहा कि मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है यहा लोगों द्वारा दिए जाने वाला ब्लड डोनेट निश्चित ही किसी न किसी जरूरतमंद लोगों के लिए जीवन संरक्षण का काम करेगा। और लोगों को भी बढ़ चढ़ कर ब्लड डोनेट करना चाहिए। अस्पताल के कर्मचारियों ने रक्तदान किया और इस दौरान लोगों को ब्लड डोनेट के लिए जागरूक किया गया। विकास परिषद के अध्यक्ष शिवकुमार गुप्ता, महिला संयोजिका श्वेता अग्रहरि, सचिव पंकज सिंह, कोषाध्यक्ष शरद साहू, प्रकल्प प्रमुख सुजीत गुप्ता मौजूद रहे।

किसानों ने गठित की कमेटी, बैठक में रखेंगे अपना पक्ष

प्रखर चंदवक, जौनपुर। राष्ट्रीय राजमार्ग 233 के निर्माण से प्रभावित बीस गांवों के किसानों ने किसान नेता अजीत सिंह की अध्यक्षता में चंदवक के महिला महाविद्यालय में बैठक कर बीस गांवों के बीस किसानों की कमेटी गठित की जो सोमवार को जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जिला व तहसील प्रशासन, एनएचएआई व किसानों की बैठक में अपना पक्ष रखेगी। राष्ट्रीय राजमार्ग 233 के निर्माण में केराकत तहसील के बीस गांवों के किसानों की जमीन जा रही है मुआवजा किसानों को नहीं मिला मामला न्यायालय में लंबित है समस्या के निराकरण के लिए सोमवार को जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला व तहसील प्रशासन, एनएचआई व किसानों की बैठक आयोजित है जिसकी सूचना अपर जिलाधिकारी भू एवं राजस्व द्वारा किसानों को दी गई है किसानों का प्रतिनिधि मंडल बैठक में अपना पक्ष रखेंगा इस अवसर पर सुर्यनाथ सिंह, रामेश्वर सिंह, अरविंद पांडेय, सतीश सिंह, राजु सिंह, मोहन सिंह, बंसराज नायिक, अमरजीत यादव, राधेश्याम यादव,सुबास सिंह सहित अन्य किसान उपस्थित थे।

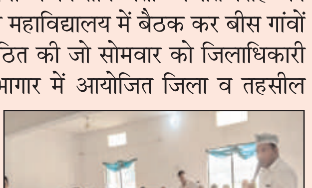

श्री हनुमान गैस सेवा की वर्षगांठ व 19 केजी एक्स्ट्रा तेज सिलेंडर की मनाई गई तीसरी वर्षगांठ

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। श्री हनुमान गैस सेवा श्री राम कटरा तेलिया बाग पर एजेंसी की वर्षगांठ के शुभ अवसर पर सुंदरकांड का पाठ संपन्न हुआ आए हुए सम्मानित ग्राहकों व अतिथियों को प्रसाद वितरण अधिष्ठाता मनीष चौबे ने किया' उक्त अवसर पर इंडियन ऑयल द्वारा 19 केजी एक्स्ट्रा तेज सिलेंडर की तीसरी वर्षगांठ मुख्य अतिथि एरिया मैनेजर विकास सहदेव व विशिष्ट अतिथि हर्षद दास द्वारा केक काट कर मनाया गया। एजेंसी की वर्षगांठ के शुभ अवसर पर कोई भी पुराना चूल्हा वापस करने पर सीधे 1000 बचत का ऑफर चलाया जा रहा है कोई भी पुराना पाइप ले आने पर 40 रुपये की विशेष छूट ऑफर चलाया जा रहा है। उक्त का अवसर पर सतीश चौबे , कुमार अग्रवाल, राहुल पाठक , मनीष चौबे, दिनेश तिवारी, महानगर उद्योग व्यापार समिति के अध्यक्ष प्रेम मिश्रा ,संरक्षक नारायण खेमका , महामंत्री अशोक जायसवाल ,महानगर कांग्रेस के अध्यक्ष राघवेंद्र चौबे, विवेक सिंह ,प्रमोद चौबे, रवि कुमार, दिलीप चौबे ,भृगुनाथ द्विवेदी ,नीरज चौबे, रेनू कुमारी, देवांश चौबे, सत्यनारायण, धर्मवीर सोनकर, विजय बहादुर सिंह, इति सिंह, सोमनाथ विश्वकर्मा सहित इत्यादि सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

मारपीट, गाली गलौज करते व लूट की घटना के अभियोग से सम्बन्धित 4 अभियुक्त गिरफ्तार

प्रखर अहरौरा मिर्जापुर। थाना स्थानीय पर आज दिनांकः 10.09.2023 को वादी राहुल सिंह पटेल पुत्र दिलीप सिंह पटेल निवासी जलालपुर माफी थाना चुनार द्वारा 09 नामजद कुछ अज्ञात अभियुक्तों के विरूद्ध वादी एवं उसके परिवार व रिश्तेदारों के साथ एक राय होकर लाठी-डण्डा, कुल्हाड़ी व पत्थर आदि से मारने पीटने, गाली-गलौज व जान से मारने की धमकी देने तथा कार की चाभी व 02 अदद मोबाइल के गावब कर देने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई । जिसके आधार पर थाना अहरौरा पर मु0अ0सं0-181/2023 धारा 147,148,149,323,324,504,506,336 भादवि पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई। पुलिस अधीक्षक अभिनन्दन द्वारा उक्त घटना को गंभीरता पूर्वक लेते हुए अभियुक्तों की यथाशीघ्र गिरफ्तारी करने हेतु प्रभारी थाना अहरौरा को निर्देश दिये गये । उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना अहरौरा पुलिस द्वारा अग्रिम विवेचनात्मक एवं त्वरित कार्यवाही करते हुए आज दिनांकः10.09.2023 को प्रभारी उप-निरीक्षक मोती सिंह यादव मय पुलिस टीम द्वारा मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित अभियुक्त 1.छोटेलाल पुत्र शिवधारी चौहान, 2.बृजेश चौहान पुत्र राजकुमार चौहान, 3.गंगादीन उर्फ गगनदीप यादव पुत्र रामनरेश यादव निवासीगण फुलवरिया हिनौता थाना अहरौरा को गिरफ्तार करते हुए अन्य एक नफर बाल अपचारी को भी पकड़ा गया। थाना अहरौरा पुलिस द्वारा घटना में प्राप्त साक्ष्यों के आधार पर धारा 392 भादवि का अपराध पाये जाने पर मुकदमा उपरोक्त में धारा 392 भादवि की बढोत्तरी कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार अभियुक्तों सहित एक नफर बाल अपचारी को किशोर न्याय बोर्ड भेजा गया।

लायंस आई बैंक सोसाइटी खत्री हितकारी सभा के संयुक्त तत्वाधान में नेत्रदान सम्मान समारोह का हुआ भव्य आयोजन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। प्रख्यात नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉक्टर अनुराग टण्डन के पियरी स्थित टंडन नर्सिंग होम में लायंस आई बैंक सोसाइटी एवं खत्री हितकारी सभा के संयुक्त तत्वावधान में 10 सितम्बर रविवार को नेत्रदान सम्मान समारोह का किया गया आयोजन` समारोह के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के आयुष मंत्री डॉ. दयाशंकर मिश्र दयालु ने अपने सभी नेत्रदाता परिवारों और नेत्रदान करने का संकल्प लेने वालों को सम्मानित किया` इस अवसर पर डाक्टर दयाशंकर मिश्र दयालु ने नेत्रदान का संकल्प पत्र भरा इस अवसर पर वाराणसी महिला व्यापार मण्डल अध्यक्ष सुनीता सोनी के नेतृत्व में 21 महिलाओं ने नेत्रदान महा अभियान में शामिल होने के लिये संकल्प पत्र को भरकर डाक्टर अनुराग टंडन को सौंपा समारोह के खत्री हितकारी सभा के संरक्षक एमएलसी अशोक धवन ने डॉ अनुराग टंडन और उनकी टीम को नेत्रदान महा अभियान को सफल बनाने के लिए हृदय से बधाई दिया` समारोह के विशिष्ट अतिथि मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर संदीप चौधरी, सहायक मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर संजय राय, श्री शिव प्रसाद गुप्त मंडलीय चिकित्सालय वाराणसी के सुपरिटेंडेंट इन्चार्ज डॉ एसपी सिंह ,सुपरिटेंडेंट रहे समारोह का कुशल संचालन एवं संयोजन डॉ अनुराग टंडन व डॉ. शालिनी टंडन ने किया` मंचासीन अतिथियों में डॉ अश्विनी टंडन अध्यक्ष नितिन टंडन, युवा शाखा के निदेशक अभिषेक चंद्रा ,शोभा कपूर अध्यक्ष महिला शाखा ,मुकुंद लाल टंडन अध्यक्ष आई बैंक रहे इस अवसर पर सरोजा पैलेस के सनी जोहार, क्लाउन टाइम्स के प्रधान संपादक और वाराणसी प्रेस क्लब के महामंत्री अशोक मिश्र क्लाउन ,शशिधर ईश्वर सहित इत्यादि लोगों को सम्मानित किया गया।

जौनपुर मरकजी सीरत कमेटी (2023) ने घोषित की अपनी टीम

प्रखर जौनपुर। सदर शौकत अली मुन्ना राजा ने अपनी टीम की घोषणा करते हुए बताया की कन्वीनर शाहिद मंसूरी है,जबकि नायब सदर के रूप में एकराम सौदागर, फिरोज अहमद पप्पू ,सरताज अहमद सिद्दीक़ी ,मोहम्मद शकील माज राइन रहेंगे, जनरल सेक्रेटरी शोएब पठान,हाजी सैयद फरोग,शोएब अहमद समीर, ताजुद्दीन शोबी बने खजांची उस्मान राइन और नायाब खजांची,डॉक्टर अशी खान है तो कानूनी सलाहकार के रूप में नेयाज ताहिर शेखू ,नासिर खान, अब्दुल शफीक खान रहेंगे, ऑडिटर शहाबुद्दीन तो मीडिया प्रभारी के पद पर, रियाजुल हक को रखा गया है। सोशल मीडिया प्रभारी दानिश इकबाल है, सेक्रेटरी के रूप में शीराज अहमद, फैसल उस्मान, नबी अहमद, एकराम मुन्ना प्लाई, रेयाजुद्दीन अल्वी, मेराज खान, मो. अली दिलदार अहमद, मो. आसिम, फैयाज सौदागर, सरताज, सलमान मलिक अदनान, नाजिश. अख्तर मो. लियाकत, फैजान अहमद सलीमुल्लाह खान,शाह आलम जॉइंट सेक्रेटरी बने है शहजादे अंसारी अजमल सिद्दीकी, सैफ सिद्दीकी मो. फिरोज कुरैशी, सैफ खान रिजवान,दिलशाद राइन, आरिफ कुरैशी, मो. अकरम अंसारी आकिब, शाहरुख बने है। श्री शौकत अली ने बताया की हम सब पूरे शहर वासी लोग मिल जुलकर आगामी त्यौहार जश्ने ईद मिलादुल नबी मनायेगे।

नाबालिग को शादी का झासा देकर बहला फुसलाकर भगाने वाला अभियुक्त गिरफ्तार, अपहृता बरामद

प्रखर मिर्जापुर। थाना विन्ध्याचल क्षेत्रांतर्गत निवासी एक व्यक्ति द्वारा नामजद अभियुक्त के विरूद्ध अपनी(वादी की) नाबालिग पुत्री को शादी का झासा देकर बहला फुसलाकर भगा ले जाने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई । जिसके आधार पर थाना विन्ध्याचल पर मु0अ0सं0-152/2023 धारा 363,366 भादवि पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई। पुलिस अधीक्षक अभिनन्दन द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए घटना से सम्बन्धित अभियुक्त की यथाशीघ्र गिरफ्तारी एवं अपहृता की बरामदगी करने हेतु प्रभारी निरीक्षक विन्ध्याचल को निर्देश दिए गए । उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना विन्ध्याचल पर पंजीकृत उपरोक्त अभियोग में त्वरित एवं विवेचनात्मक कार्यवाही करते हुए दिनांकः 09.09.2023 को उप-निरीक्षक विपिन बिहारी राय मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर सूचना के आधार पर थाना विन्ध्याचल क्षेत्र से अपहृता को बरामद करते हुए, नामजद अभियुक्त विजयकान्त पुत्र डाक्टर हरिजन निवासी सिकरा कला थाना विन्ध्याचल जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार किया गया। थाना विन्ध्याचल पुलिस द्वारा गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए जेल भेजा गया।

उत्तर प्रदेश चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी महासंघ वाराणसी का नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह हुआ संपन्न

प्रखर वाराणसी। उत्तर प्रदेशीय चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी महासंघ शाखा-वाराणसी के देख-रेख में उत्तर प्रदेश पंचायती राज्य सफाई कर्मचारी संघ शाखा वाराणसी का नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण लोक निर्माण विभाग के डाक बंगला पर शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न हुआ। जिसका अध्यक्षता उत्तर प्रदेशीय चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी महासंघ के जिलाध्यक्ष रामचन्द्र गुप्ता ने किया। संचालन ओम प्रकाश पटेल, पूर्व प्रान्तीय उपाध्यक्ष ने किया। शपथ ग्रहण में मुख्य अतिथि माननीय अशोक कुमार तिवारी महापौर वाराणसी, विशिष्ठ अतिथि आदरणीय श्री हंसराज विश्वकर्मा जी, जिलाध्यक्ष एम.एल.सी., श्री आदर्श जिला पंचायत राज्य अधिकारी, श्री राम उदय यादव, अपर जिला पंचायत राज्य अधिकारी आदि उपस्थित रहे। शपथ ग्रहण समारोह में नवनिर्वाचित पदाधिकारियों में संजय कुमार तिवारी जिलाध्यक्ष,विजय कुमार भारती जिलामंत्री, हीरा प्रसाद यादव कोषाध्यक्ष श्रीमती सरिता राजभर संगठन मंत्री, विद्या सागर पाल सम्प्रेक्षक, संरक्षक जितेन्द्र कुमार चिरईगांव, मीडिया प्रभारी प्रकाश सिंह एवं दिनेश कुमार भारद्वाज, पुन्नू प्रसाद उपाध्यक्ष, महेन्द्र सरोज प्रचार मंत्री के पद परजो संगठन के पद एवं कर्मचारियों के उत्तर दायित्वों के लिए ईश्वर को साक्षी मानकर शपथ लेते हुए कहा कि अपने संवर्ग के हितो पर सदन से लेकर सड़क तक लोकतांत्रिक अधिकार के तहत संघर्ष के रास्ते सरकार से पूरा कराने का वादा किया। इस मौके पर उमेश बहादुर सिंह मण्डल अध्यक्ष महासंघ, सत्येन्द्र कुमार सिंह मण्डल मंत्री, रामवदन यादव कार्यवाहक अध्यक्ष महासंघ, ओम प्रकाश पटेल पूर्व प्रान्तीय उपाध्यक्ष, विष्णु प्रसाद पूर्व जिलाध्यक्ष, जितेन्द्र कुमार वर्मा पूर्व महामंत्री, कल्लू पटेल ब्लाक अध्यक्ष चिरईगांव, जितेन्द्र कुमार महामंत्री, नखडू सोनकर कोषाध्यक्ष, श्रवण कुमार कन्नौजिया ब्लाक अध्यक्ष पिण्डरा, विनोद यादव महामंत्री, हलचल सोनकर कोषाध्यक्ष, गोविन्द यादव ब्लाक अध्यक्ष चोलापुर शिवजगत ब्लाक अध्यक्ष आराजी लाइन, अरूण पटेल महामंत्री, अजय कुमार पटेल कोषाध्यक्ष, आशीष कुमार महामंत्री हरहुआ, ओम प्रकाश वर्मा अध्यक्ष सेवापुरी, राज किशोर पाल मंत्री, राकेश कुमार भारती कोषाध्यक्ष, विजय कुमार पटेल मंत्री बड़ागांव, राज बहादुर सरोज कोषाध्यक्ष, फेरई राम, राजकुमार पूर्व रनर प्रत्याशी विद्यापीठ, दिलीप सिंह, अक्षय लाल शर्मा, अशोक कुमार सिंह, शीतला प्रसाद, धीरज कुमार सिंह, अमित कुमार, रवि शंकर, अमरेश, रतन कुमार पटेल, राजबली प्रजापति, अनिल, घनश्याम, बसन्त पटेल, शिवकुमार, महेन्द्र, आर. डी. यादव, मदन, राधेश्याम आदि सैकड़ों कर्मचारी उपस्थित थे।

स्वच्छता और योगाभ्यास की अग्रदूत है अनन्या, अब अभिनय में

प्रखर पिंडरा वाराणसी। शिक्षक एक शिक्षण कार्य करने के साथ पारखी भी होता है। जो छात्र के अंदर छिपे व्यक्तित्व को बाहर निकालता है। ऐसा ही कुछ कर दिखाया है एक शिक्षक ने। अनन्या सिंह वर्तमान में उच्च प्राथमिक विद्यालय रमईपट्टी, विकास क्षेत्र पिण्डरा में कक्षा 8 की छात्रा है। इनके शिक्षक व योगाभ्यास कोच शिक्षक कमलेश कुमार पाण्डेय के सक्रिय सहयोग से अनन्या अभिनय में हाथ आजमा रही हैं। जिसमें उनकी माँ भी उनकी मदद कर रही है। बकौल शिक्षक कमलेश कुमार पांडे अनन्या जब वर्ष 2021 में विद्यालय में प्रवेश के लिए आई थी तो अत्यंत संकोची और शमीली स्वभाव की लड़की थी। धीरे-धीरे योग और प्राणायाम की कक्षाओं द्वारा उसे अपनी झिझक दूर करने में मदद मिली। अब वह बाल संसद की पदाधिकारी भी है।योगाभ्यास में मंडल स्तरीय खिलाड़ी होने का गौरव प्राप्त कर चुकी है। योग दिवस 2023 के अवसर पर आयोजित जनपद स्तरीय कार्यक्रम में डायट सारनाथ के पोडियम पर अनन्या ने अपने योग कौशल का शानदार प्रदर्शन कर न सिर्फ डी एल एड प्रशिक्षुओं के मध्य योगाभ्यास के विभिन्न स्टेप का प्रस्तुतिकरण किया अपितु वहां उपस्थित सभी अधिकारियों से प्रशंसा एवं डायट प्राचार्य उमेश कुमार शुक्ल के हाथों पुरस्कार भी प्राप्त किया। यही नही जन्माष्टमी पर जिस साज सज्जा के साथ अभिनय किया वह लोगों के लिए अचंभित करने वाला रहा।

हम साथ-साथ हैं... जी20 बैठक में भाग लेने आए अतिथियों से वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने मुलाकात की। इसमें कई मुद्दों पर सहमति बनी। जी20 देशों ने बहुस्तरीय विकास बैंकों (एमडीबी) को अधिक सशक्त बनाने पर जोर दिया है, ताकि 21वीं सदी में विकासशील देशों, विशेष रूप से सबसे गरीब व कमजोर देशों को विकास की धारा में लाया जा सके।

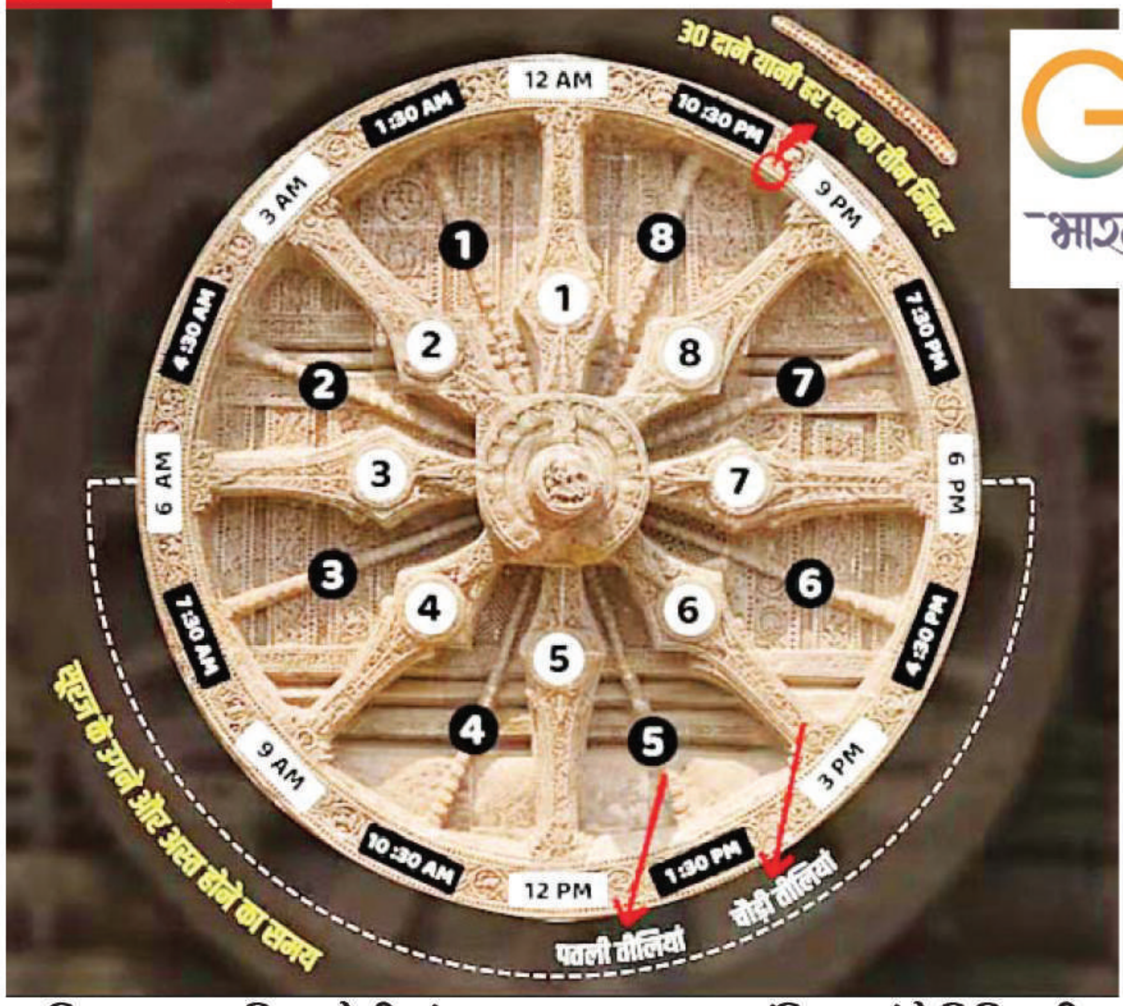

G20 भारत 2023 INDIA

संस्कृति ही नहीं, साइंस भी समाया है कोणार्क चक्र में

पीएम मोदी ने दुनिया भर के दिग्गज नेताओं को बताया महत्व

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जिस पहिए के सामने खड़े होकर जी20 समिट के मेहमानों का स्वागत कर रहे थे। उसका सिर्फ धार्मिक या आस्था से जुड़ा हुआ महत्व नहीं है। वह वैज्ञानिक भी है। वह यह बताता है कि सूरज कब उगता है। कब अस्त होता है। कब कौन सा समय चल रहा है वह असल में एक प्राचीन घड़ी है। कोणार्क का सूर्य मंदिर अपनी पथरीली कलाकृतियों के लिए जाना जाता है।

असल में यह मंदिर सूर्य के विशालकाय रथ की तरह बनाया गया है। जिसे सात घोड़े खींचते हैं। इस रथ में 12 जोड़े पहिए लगे हैं। यानी कुल मिलाकर 24 पहिए। हर पहिए पर शानदार नक्काशी है। लेकिन ये पहिए हमारी जीवनचर्या से संबंधित कई वैज्ञानिक बातें बताते हैं। ये पहिए बताते हैं कि कैसे पूरी दुनिया सूर्य की ऊर्जा से चलती है। यहां मौजूद हर पहिए का व्यास यानी डायमीटर 9.9 फीट है। हर पहिए में आठ मोटी और आठ पतली तीलियां हैं। ये पहिए कोणार्क के सूर्य मंदिर जाने वाले लोगों के लिए हमेशा आकर्षण का केंद्र रहे हैं। अब ये मंदिर खास क्यों है। ये पहिए जरूरी क्यों हैं। सात घोड़े यानी हफ्ते के सात दिन। 12 पहिये यानी साल के बारह महीने। जबकि इनका जोड़ा यानी 24 पहिए मतलब दिन का 24 घंटा। इसके अलावा 8 मोटी तीलियां 8 प्रहर यानी हर तीन घंटे के समय को दर्शाती हैं।

असल में इन पहियों को जीवन का पहिया कहा जाता है। इसमें यह भी पता चलता है कि सूर्य कब उगेगा, कब अस्त होगा। इस पहिए को 13वीं सदी में राजा नरसिम्हादेव-प्रथम ने बनवाया था। 8 मोटी तीलियां और 8 पतली तीलियां मतलब... हर पहिए में 8 मोटी तीलियां हैं। 8 पतली तीलियां हैं। हर तीली के बीच में 30 दाने बनाए गए हैं। हर दाना तीन मिनट का समय बताता है। जो तीन घंटे का समय बताते हैं। यानी 180 मिनट। हर मोटी तीलियों के बीच में मौजूद पतली तीली डेढ़ घंटे का समय बताती हैं। यानी 90 मिनट। बीचों-बीच ऊपर की तरफ जो मोटी तीली है, वो रात के 12 बजे का समय बताती है।

12 महीने ही नहीं, 12 राशियों को दिखाते हैं

सिर्फ इतना ही नहीं, 12 पहिए सिर्फ 12 महीने नहीं दिखाते। बल्कि वो 12 राशियों को भी दर्शाते हैं। इसे कानून का पहिया भी कहा जाता है। हर पहिए का आकार समान है। लेकिन हर पहिए में अलग कहानियों को कुरेदा गया है पहियों के बीच में बनी गोलाकार नक्काशियां अलग-अलग चीजें बताती हैं। पहिए का जो केंद्र यानी एक्सेल वह एक फीट बाहर निकला है। रिम पर फूल-पत्तियां बनी हैं। पक्षियों और जानवरों को उकेरा गया है. चौड़ी तीलियों के बीच में बनी गोलाकार आकृतियों में महिलाओं की अलग-अलग मुद्राएं बनी हैं। जो उनके जीवन के अलग-अलग कार्यों को दिखाती हैं।

ऋषि सुनक का दिखा देशी अंदाज, आज अक्षरधाम मंदिर जाएंगे ब्रिटिश पीएम

नई दिल्ली,(ब्यूरो)। जी 20 बैठक में शामिल होने भारत आए ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक पत्नी अक्षता के साथ रविवार को अक्षरधाम मंदिर जाएंगे। वहां वे पूजा-अर्चना करेंगे। उसके बाद से मंदिर में उनके स्वागत के लिए तैयारियां तेज कर दी गई। दोनों का स्वागत स्वामी नारायण मंदिर के मुख्य पुजारी करेंगे और फिर उन्हें मुख्य मंदिर में ले जाकर पूजा कराएंगे। उन्होंने अपनी भारता यात्रा से पूर्व कहा था कि वे भारत में किसी एक मंदिर में दर्शन करने पहुंचेंगे। इससे नई दिल्ली में उनका काफी कूल अंदाज देखने को मिला। बच्चों के साथ कुछ पल बिताकर उन्होंने पूरी देसी वाइब देने की कोशिश की। जी 20 बैठक के लिए भारत पहुंचे ब्रिटिश पीएम ऋषि सुनक नई दिल्ली स्थित ब्रिटिश काउंसिल हेडक्वार्टर में स्थानीय स्कूल के कुछ बच्चों से मुलाकात की।

सुनक की पत्नी अक्षता ने भी खूब किया एन्जॉय, खेला फुटबॉल

नई दिल्ली में बच्चों से मुलाकात के दौरान ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की पत्नी अक्षता मूर्ति भी काफी खुश नजर आई. उन्होंने बच्चों से खूब बातें की और उनकी बातों का जवाब दिया।

महिलाओं से भी की बातचीतः नई दिल्ली में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक और उनकी पत्नी ने कुछ अन्य लोगों के साथ भी मुलाकात की. साथ ही लोगों के साथ जमकर फोटो खिंचवाएं। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की पत्नी अक्षता मूर्ति ब्रिटिश काउंसिल पहुंचने के बाद लॉबी में एक फुटबॉल के साथ भी ट्रिक्स करती हुई नजर आई। उनके इस कूल अंदाज ने सबको हैरान कर दिया।

भारत मंडपम में सजी आदिवासी कला और कलाकृतियों की प्रदर्शनी

नई दिल्ली, (आरएनएन)। जी-20 के शिखर सम्मेलन में विश्व नेताओं के लिए भारत मंडपम में भारतीय आदिवासी कला, संस्कृति और शिल्प की एक प्रदर्शनी लगाई गई है जिसमें पिथोरा कला की सजीव प्रस्तुति दी जा रही है। राष्ट्रीय राजधानी में हो रहे जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान आदिवासी कला की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शित की गई है। प्रदर्शनी में गुजरात और मध्य प्रदेश की जनजातियों की प्रतिष्ठित पिथौरा कला का सजीव प्रदर्शन किया जा रहा है। जनजातीय मामलों के मंत्रालय का ट्राइबल कोऑपरेटिव मार्केटिंग डेवलपमेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ट्राइफेड)' ट्राइब्स इंडिया' मंडप में पारंपरिक जनजातीय कला, कलाकृतियों, पेंटिंग, मिट्टी के बर्तन, वस्त्र, जैविक प्राकृतिक उत्पादों और कई अन्य चीजों की एक विस्तृत श्रृंखला का प्रदर्शन कर रहा है। यह प्रदर्शनी शनिवार और रविवार को को भारत मंडपम, नयी दिल्ली में जी-20 नेताओं के शिखर सम्मेलन के हिस्से में आयोजित की जा रही है।

अमेरिका में बंदूक हिंसा के चलते एक माह बंदूकें ले जाने पर लगाया प्रतिबंध

ह्यूस्टन, (एजेंसी)। अमेरिकी राज्य न्यू मैक्सिको के गवर्नर मिशेल लुजान ग्रिशम ने शुक्रवार को एक कार्यकारी आदेश जारी करके राज्य के सबसे बड़े शहर अल्बुकर्क में आग्नेयास्त्रों को खुले तौर पर और छुपाकर ले जाने पर 30 दिनों के लिए प्रतिबंध लगा दिया। आदेश की अवधि के दौरान सार्वजनिक स्थानों पर बंदूकें ले जाने पर अस्थायी रूप से प्रतिबंध लगा दिया गया। डेमोक्रेटिक गवर्नर ने कहा कि जब न्यू मैक्सिकोवासी भीड़ में रहने, बच्चों को स्कूल ले जाने, बेसबॉल खेल छोड़ने से डरते हैं; जब उनकेअस्तित्व के अधिकार को हर मोड़ पर हिंसा की संभावना से खतरा होता है। बंदूक हिंसा एक गर्वनर और एक राज्य के रूप में मेरे लिए अविश्वसनीय चुनौतियां पैदा करने वाली है।

हिंसा की संभावना से हर मोड़ पर खतरा

पाकिस्तान में नया पोलियो संक्रमण

इस्लामाबाद, (एजेंसी)। पाकिस्तान में पूर्वी पंजाब प्रांत का राजधानी शहर लाहौर में एक और जंगली पोलियो वायरस संक्रमण की पहचान की गई है। देश के स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि इस साल लाहौर में चौथे पोलियो मामला की पुष्टि हुई है। बयान में कहा गया है कि लाहौर में पोलियो के चार में से तीन मामले आनुवंशिक रूप से अफगानिस्तान में संक्रमण के एक समूह से जुड़े हुए हैं।

इसरो ने चंद्रयान-2 के ऑर्बिटर से ली सीएच-3 लैंडर की तस्वीरें जारी की

चेन्नई। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शनिवार को चंद्रयान-2 ऑर्बिटर पर लगे दोहरे ड्यूल फ्रीक्वेंसी सिंथेटिक एपर्चर रडार (डीएफएसएआर) उपकरण के जरिए ली गयी चंद्रयान-3 लैंडर की तस्वीरें जारी कीं। ये तस्वीरें छह सितंबर को चंद्रयान -2 ऑर्बिटर द्वारा खिंची की गई थीं।

गौरतलब है कि एसएआर उपकरण आवृत्ति बैंड में माइक्रोवेव प्रसारित करता है और सतह से बिखरे हुए समान प्राप्त करता है। रडार होने के कारण यह सौर प्रकाश के बिना भी तस्वीरें खींच सकता है। यह लक्ष्य केंद्र की दूरी और भौतिक विशेषताएँ दोनों बता सकता है। इसलिए, एसएआर का उपयोग पृथ्वी और अन्य खगोलीय पिंडों की रिमोट सेंसिंग के लिए किया जाता है। वहीं, डीएफएसएआर चंद्रयान-2 ऑर्बिटर पर एक प्रमुख वैज्ञानिक उपकरण है। यह एल-और एस-बैंड में माइक्रोवेव का उपयोग करता है। यह अत्याधुनिक उपकरण वर्तमान में किसी भी ग्रहीय मिशन पर सर्वोत्तम रिज़ॉल्यूशन वाली पोलारिमेट्रिक छवियां प्रदान कर रहा है।

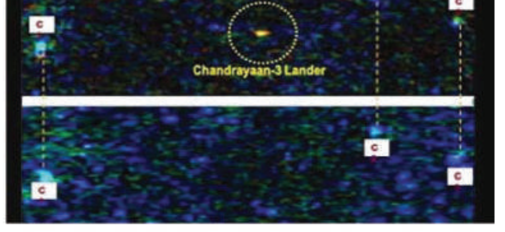

लंबी रडार वेवलेंथ डीएफएसएआर को कुछ मीटर तक चंद्र उपसतह केंद्र का पता लगाने में सक्षम बनाती है। डीएफएसएआर पिछले चार वर्षों से चंद्र सतह की इमेजिंग करके उच्च गुणवत्ता वाले डेटा प्रसारित कर रहा है, जिसका मुख्य ध्यान चंद्र ध्रुवीय विज्ञान पर है। इसरो ने कहा, कि चंद्रयान -2 डीएफएसएआर के उच्च रिज़ॉल्यूशन पोलारिमेट्रिक मोड ने 6 सितंबर, 2023 को विक्रम लैंडर की छवि ली। लैंडर उच्च तीव्रता के उछाल बिखरने के कारण महत्वपूर्ण है, जो लंबवत उन्मुख मानव निर्मित संरचनाओं की विशेषता है।

आज का इतिहास

- 1846: एलायस होवे ने सिलाई मशीन का पेटेंट कराया।
- 1847: हवाई द्वीप में पहला थियेटर खुला।
- 1887: स्वतन्त्रता सेनानी एवं उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री गोविन्द बल्लभ पंत का जन्म।
- 1926: जर्मनी मित्र राष्ट्रों के संघ में शामिल हुआ।
- 1935: सतीश संजन दासने दून स्कूल की स्थापना की।
- 1939: कनाडा ने द्वितीय विश्वयुद्ध में जर्मनी के खिलाफ जंग का ऐलान किया।
- 1966: संसद ने पंजाब एवं हरियाणा के गठन को मंजूरी दी।
- 1974: अफ्रीकी देश गिनी को पुर्तगाल से आजादी मिली।
- 1976: इंडियन एयरलाइंस के बोइंग 737 विमान का अपहरण।

Filmi तड़का

अक्षय ने 56वें जन्मदिन पर वेलकम-3 की घोषणा की

मुंबई। बॉलीवुड के सुपरस्टार अक्षय कुमार शनिवार को अपना 56वां जन्मदिन मनाया। 1991 में सौगंध से अपने बॉलीवुड करियर की शुरुआत करने वाले अभिनेता ने खुद को बॉलीवुड के सबसे शानदार अभिनेताओं में से एक के रूप में स्थापित किया है। उन्होंने कड़ी मेहनत करके बॉलीवुड में अपना नाम सुनहरे शब्दों नें दर्ज किया है। बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार ने अपने जन्म दिन पर 'वेलकम 3' फिल्म की घोषणा की, जिसका निर्देशन अहमद खान करेंगे। अभिनेता ने 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में कहा कि खुद को और आप सभी को शनिवार को जन्म दिन का उपहार दिया है। अगर आप इसे पसंद करते हैं और धन्यवाद देते हैं, तो मैं कहूंगा वेलकम(3) वेलकम टू द जंगल' अभिनेता ने पोस्ट के साथ एक क्लिप भी साझा किया है, जिसमें कलाकारों की टोली नजर आ रही है। वेलकम टू द जंगल' शीर्षक वाली इस फिल्म में अभिनेता संजय दत्त, सुनील शेट्टी, रवीना टंडन, जॉनी लीवर, परेश रावल, राजपाल यादव, अरशद वारसी, जैकलीन फर्नांडीज, तुषार कपूर, और अभिनेत्री लारा दत्ता तथा दिशा पटानी विभिन्न भूमिकाओं में नजर आएंगे। इसमें गायक दलेर मेहंदी और मीका सिंह भी होंगे। फिल्म के 20 दिसंबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने की संभावना है। इस श्रृंखला की पहली फिल्म 'वेलकम' 2007 में और दूसरी फिल्म 'वेलकम बैक' 2015 में रिलीज हुई थी।

फिल्म 'यारियां-2' का प्रमोशन जोर-शोर से शुरू

कोलकाता। सप्रू फिल्म्स प्रोडक्शन द्वारा निर्देशित फिल्म 'यारियां 2' का प्रमोशन जोर-शोर से जारी है। इस फिल्म में दिव्या खोसला कुमार, यश दासगुप्ता, मिजान जाफरी, अनास्वरा राजन, वरीना हुसैन, प्रिया वारियर और पर्ल वी पुरी जैसे महान कलाकार हैं। दिव्या, मीज़ान और पर्ल की बहन तिकड़ी ने कमाल किया है। दर्शक इस फिल्म में दिव्या और यश के बीच की मनमोहक केमिस्ट्री को भी देखने का अवसर पायेंगे। खासकर 'सिमरूं तेरा नाम' गाने की रिलीज के बाद लोगों का उत्साह काफी बढ़ गया है। प्रशंसक बेसब्री से' लाडली 'और' अभय की प्रेम कहानी की 'और' झलक 'गाने का इंतजार कर रहे हैं। हाल ही में, दिव्या और यश इस फिल्म के प्रमोशन के लिए कोलकाता में नज़र आये थे। गुलशन कुमार और टी-सीरीज टी-सीरीज और राव और सप्रू फिल्म्स प्रोडक्शन इस फिल्म के निर्माता हैं। यह फिल्म 20 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी ।

गहलोत इंदिरा रसोई योजना-ग्रामीण की आज टोंक के झिलाय से करेंगे शुरुआत

जयपुर, (ब्यूरो)। राजस्थान में 'कोई भूखा ना सोए' की संकल्पना को साकार करने के लिए राज्य सरकार ने एक कदम और बढ़ाते हुए अब शहरों की तरह इन्दिरा रसोई योजना-ग्रामीण की शुरूआत करेगी और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत रविवार को टोंक जिले झिलाय से इसका शुभारंभ करेंगे।

गहलोत रविवार को टोंक जिले के निवाई स्थित झिलाय से दोपहर बारह बजे योजना का शुभारम्भ करेंगे। इस अवसर पर श्री मुख्यमंत्री विभिन्न जिलों में संचालित इन्दिरा रसोइयों के लाभार्थियों से संवाद भी करेंगे। रविवार को झिलाय में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी की जनसभा भी होगी।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश के नगरीय निकायों में करीब 1000 इन्दिरा रसोइयां के सफल संचालन के बाद उपयोगिता को देखते हुए ग्रामीण क्षेत्र में भी 1000 रसोइयां प्रारम्भ करने की बजट 2023-24 में घोषणा की थी। इस योजना में वर्षभर में 1000 रसोइयों से ग्रामीण क्षेत्र में जरूरतमंदों को करीब सात करोड़ 30 लाख भोजन थालियां परोसने का लक्ष्य रखा गया है।

गहलोत ने जयपुर में गत 18 अगस्त को सखी सम्मेलन के दौरान ग्रामीण कस्बों में 1000 इन्दिरा रसोइयों का संचालन राजीविका के माध्यम से कराने की घोषणा की थी। अब पांच हजार से अधिक आबादी वाले ग्रामीण कस्बों में रविवार से योजना को प्रारम्भ किया जा रहा है।

ब्लूचिप-मिडकैप स्टॉक बनाते हैं पोर्टफोलियो को 'दमदार'

बाजार की रैली में मिडकैप हाई रिटर्न दे सकते हैं, जो आपके लिए काफी लाभदायक हो सकते हैं। निवेशकों को मिल सकता है बेहतर रिटर्न

इन फंडों में पांच साल या इससे अधिक समय के लिए निवेश करना बेहतर

निवेश मंत्रा | बिजनेस डेस्क

मिडकैप स्टॉक्स की खासियत यह है कि बाजार की रैली में ये हाई रिटर्न दे सकते हैं। वैसे तो आपको देनों कैटेगरी के स्टॉक चाहिए तो उनमें अलग-अलग निवेश करना होगा, लेकिन एक तरीका यह भी है कि आप लार्जकैप एंड मिडकैप म्यूचुअल फंड स्कीम में पैसा लगाएं, जिसके जरिए आपके पोर्टफोलियो में दोनों तरह के स्टॉक शामिल हो जाएंगे। इससे आपको डाइवर्सिफिकेशन का भी बेनेफिट मिलेगा और आप बिना किसी नुकसान के अच्छा रिटर्न प्राप्त कर सकेंगे।

यदि आप भी शेयर बाजार में निवेश करना चाहते हैं तो अपने पोर्टफालियों को ब्लूचिप और मिडकैप स्टॉक से मजबूत बना सकते हैं। इससे आप आराम से निवेश कर अच्छा रिटर्न पा सकते हैं। बाजार के जानकारों का कहना है कि ब्लूचिप यानी लार्जकैप शेयरों को लेकर ऐसा मानना है कि इनमें बाजार के उतार चढ़ाव से निपटने की मजबूत क्षमता होती है और लंबी अवधि में स्टेबल रिटर्न देते हैं। ये इक्विटी की अन्य कैटेगरी के मुकाबले सुरक्षित माने जाते हैं। वहीं, मिडकैप स्टॉक्स की खासियत यह है कि बाजार की रैली में ये हाई रिटर्न दे सकते हैं। वैसे तो आपको देनों कैटेगरी के स्टॉक चाहिए तो उनमें अलग-अलग निवेश करना होगा, लेकिन एक तरीका यह भी है कि आप लार्जकैप एंड मिडकैप म्यूचुअल फंड स्कीम में पैसा लगाएं, जिसके जरिए आपके पोर्टफोलियो में दोनों तरह के स्टॉक शामिल हो जाएंगे। इससे निवेशक को डाइवर्सिफिकेशन का भी बेनेफिट मिलेगा। लार्ज एंड मिडकैप फंड स्कीम में ब्लूचिप और मिडकैप कंपनियों के स्टॉक शामिल होते हैं। यह सिर्फ लार्ज कैप फंड या सिर्फ मिडकैप फंड में निवेश करने की तुलना में बेहतर विकल्प हैं। इस तरह से निवेश आप अच्छा रिटर्न प्राप्त कर सकते हैं और इसमें रिश्क भी कम रहेगा।

खास बातें

- पांच साल में 20 से 25% सालाना रिटर्न देन में सक्षम
- लार्ज एंड मिडकैप फंड का फोकस 250 कंपनियों के स्टॉक पर
- पोर्टफोलियो को स्थिरता देने के साथ बेहतर ग्रोथ भी देते हैं
- बाजार के उतार चढ़ाव से निपटने की मजबूत क्षमता
- डाइवर्सिफिकेशन का बेनिफिट भी देते हैं ये स्टॉक्स

एक स्कीम में 2 कैटेगरी के स्टॉक : बाजार में लार्ज एंड मिडकैप फंड द्वारा लार्ज कैप स्टॉक्स और मिडकैप स्टॉक्स में निवेश किया जाता है। यह किसी निवेशक के पोर्टफोलियो को स्थिरता देने के साथ बेहतर ग्रोथ दे सकता है। लार्जकैप स्टॉक्स जहां पोर्टफोलियो को स्टेबिलिटी देते हैं, वहीं बाजार की रैली में मिडकैप हाई रिटर्न दे सकते हैं। जो आपके लिए काफी लाभदायक हो सकते हैं। लार्ज एंड मिडकैप फंड का फोकस 250 कंपनियों के स्टॉक पर होता है। इनमें मार्केट कैपिटलाइजेशन के लिहाज से टॉप 100 कंपनियां लार्जकैप के तहत आती हैं, जबकि अगली 150 कंपनियां मिडकैप में आती हैं।

क्या कहती है सेबी

मार्केट रेगुलेटर सेबी के नियम के तहत लार्ज एंड मिडकैप फंड स्कीम के तहत लार्जकैप और मिडकैप दोनों तरह के शेयरों में 35-35 फीसदी निवेश जरूरी है। लार्ज एंड मिडकैप फंड उन निवेशकों के लिए बेहतर विकल्प हो सकता है जो अपने निवेश को 5 साल या इससे अधिक बनाए रखना चाहते हैं। हालांकि यह भी कहा जाता है कि बाजार में जो लंबे समय तक रुकेगा वहीं अच्छा पैसा भी कमा पाएगा। इसलिए निवेशक में धैर्य रखना जरूरी है।

क्यों बेहतर है स्कीम

लार्ज एंड मिड कैप म्यूचुअल फंड स्कीम के जरिए आपको डाइवर्सिफिकेशन का फायदा मिलता है। सिर्फ लार्जकैप म्यूचुअल फंड या सिर्फ मिडकैप म्यूचुअल फंड स्कीम में निवेश करने पर आपके फंड का ज्यादातर हिस्सा या तो लार्जकैप में या तो मिडकैप में लगता है। अन्य कैटेगरी में निवेश के लिए फंड मैनेजर के पास ज्यादा रकम नहीं बचती, जबकि लार्ज एंड मिडकैप फंड में ब्लूचिप और मिडकैप में एक बराबर अलोकेशन होता है।

एक और खास सुविधा

लार्ज एंड मिडकैप फंड में एक और सुविधा है। मसलन अगर शेयर बाजार में गिरावट है तो फंड मैनेजर के पास कुल फंड का 65 फीसदी लार्जकैप में और बचे 35 फीसदी को मिडकैप में निवेश करने की सुविधा होती है, ताकि पोर्टफोलियो को सुरक्षा मिले। इसी तरह से अगर बाजार में तेजी आती है तो फंड मैनेजर रिटर्न को बूस्ट देने के लिए मिडकैप में ज्यादा रकम लगा सकता है। लार्ज एंड मिडकैप फंड में इक्विटी की तरह टैक्स लगता है। इन पर लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स, शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स और डिविडेंड डिस्ट्रीब्यूशन टैक्स लगता है।

5 साल में बेस्ट एसआईपी रिटर्न वाले लार्ज एंड मिडकैप फंड

एचडीएफसी लार्ज एंड मिडकैप फंड
- **5 साल में एसआईपी रिटर्न:** 23.11% सालाना
- **कुल एसेट्स:** 10,680 करोड़ (31-जुलाई-2023)
- **एक्सपेंस रेश्यो:** 1.01% (31-जुलाई-2023)
- **कम से कम निवेश:** 100 रुपये
- **कम से कम एसआईपी :** 100 रुपये

क्वांट लार्ज एंड मिडकैप फंड
- **5 साल में एसआईपी रिटर्न:** 22.23% सालाना
- **कुल एसेट्स:** 995 करोड़ (31-जुलाई-2023)
- **एक्सपेंस रेश्यो:** 0.56% (31-जुलाई-2023)
- **कम से कम निवेश:** 5000 रुपये
- **कम से कम एसआईपी :** 1000 रुपये

आईसीआईसीआई प्रू लार्ज एंड मिडकैप

■ 5 साल में एसआईपी रिटर्न: 22.24% सालाना ■ कुल एसेट्स: 9123 करोड़ (31-जुलाई-2023) ■ एक्सपेंस रेश्यो: 1% (31-जुलाई-2023) ■ कम से कम निवेश: 5000 रुपये ■ कम से कम एसआईपी : 100 रुपये

एसबीआई लार्ज एंड मिडकैप फंड

■ 5 साल में एसआईपी रिटर्न: 21% सालाना ■ कुल एसेट्स: 13,871 करोड़ (31-जुलाई-2023) ■ एक्सपेंस रेश्यो: 0.91% (31-जुलाई-2023) ■ कम से कम निवेश: 5000 रुपये ■ कम से कम एसआईपी : 500 रुपये

बंधन कोर इक्विटी फंड

■ 5 साल में एसआईपी रिटर्न: 20.72% सालाना ■ कुल एसेट्स: 2802 करोड़ (31-जुलाई-2023) ■ एक्सपेंस रेश्यो: 0.84% (31-जुलाई-2023) ■ कम से कम निवेश: 1000 रुपये

अगर सही प्लानिंग की तो आराम से कटेगी जिंदगी

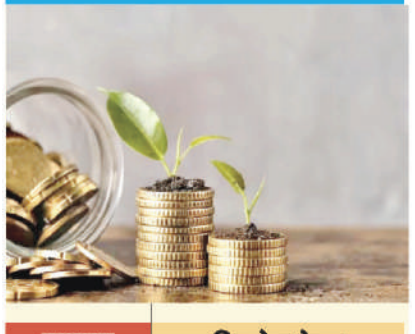

सुझाव | बिजनेस डेस्क

जिस उम्र में लोग इंक्रीमेंट और प्रमोशन के लिए अधिकारियों को खुश करने में लगे रहते हैं, अगर उस उम्र में आप खुशी-खुशी रिटायर होने की प्लानिंग करना चाहते हैं तो इसके लिए सिर्फ खर्च पर कंट्रोल कर अपने गोल निर्धारित करने होंगे। इस तरह आप बेहरीन प्लानिंग कर 35 साल की उम्र में भी आराम से रिटायर हो सकते हैं। इस काम में काई बड़ी मुश्किल भी नहीं है।

अगर आप समय पहले रिटायरमेंट लेकर सफल जीवन जीना चाहते हैं तो आपको एक सधी शुरूआत करनी होगी और 22 साल की उम्र से ही प्लानिंग शुरू करनी होगी। तभी आप 35 साल की उम्र में रिटायरमेंट लेकर बाकी जिंदगी चैन से काट सकेंगे। यह काम इतना मुश्किल लगता है कि 100 में 90 लोग तो ऐसा सोचते भी नहीं हैं, लेकिन, इस रिपोर्ट में हम आपको ऐसा तरीका बताने जा रहे हैं कि अगर आप 22 साल की उम्र में नौकरी शुरू करते हैं तो सिर्फ 13 साल में ही करोड़ों का फंड बना लेंगे और बाकी का जीवन आराम से बिता पाएंगे।

यह रखें ध्यान

आपको यहां ध्यान रखना होगा कि अगर आप 35 साल में ही रिटायर होना चाहते हैं और बाकी जिंदगी सिर्फ जुटाए गए पैसों पर ही ऐश करना है तो अभी न सिर्फ अग्रेसिव निवेश करना होगा, बल्कि निवेश की रकम भी ज्यादा होनी चाहिए। ऐसे में आपको निवेश की शुरुआत तत्काल करने के साथ उसे हर साल बढ़ाना भी बढ़ेगा, ताकि कम समय में आपको ज्यादा से ज्यादा रकम जुटाने में मदद मिल सके।

खर्चों पर रखें कंट्रोल

35 साल की उम्र में रिटायर होने के लिए आपको सबसे पहला काम अपने खर्चों पर कंट्रोल करना सीखना होगा। बाहर ज्यादा खाने से बचें, जिससे आपका पैसा और सेहत दोनों सेफ रहेंगे। जरूरत की चीजों पर ही अपना पैसा लगाएं और कोशिश करें कि ज्यादा से ज्यादा पैसा निवेश करें, ताकि आप 35 साल की उम्र तक अपने लिए अच्छा खासा कॉर्पस जुटाकर रिटायरमेंट का आनंद ले सकें।

पहले तय करें जरूरतें

रिटायरमेंट का लक्ष्य करने के लिए आपको सबसे पहले रिटायरमेंट के बाद की जरूरतें तय करनी होंगी। मान लीजिए अभी आपकी उम्र 22 साल है और आप 35 साल में ही रिटायर होना चाहते हैं। इसका मतलब है कि आपके पास महज 13 साल हैं, कॉपर्स तैयार करने के लिए. अगर 22 साल की उम्र में आपकी हर महीने कमाई 10 हजार डॉलर (करीब 81 हजार रुपये) है, जिसमें सालाना 5 फीसदी की औसत ग्रोथ भी देख रहे हैं।

ऐसे समझें

इसके अलावा आप अपनी लाइफ औसतन 85 साल जीने का अनुमान लगा रहे। इनवेस्टमेंट टेन्योर में आपको 12 फीसदी सालाना रिटर्न की उम्मीद है, जबकि 6 फीसदी की महंगाई दर रहने का भी अनुमान लगा रहे हैं। रिटायरमेंट के बाद आपको अपने मौजूदा सैलरी का 60 फीसदी खर्च के लिए चाहिए।

रिटायरमेंट पर कितना पैसा चाहिए

अगर आप ऊपर दी गई कंडीशंस का आभास लगाते हैं तो आपको रिटायरमेंट के बाद 2.07 लाख डॉलर (करीब 1.68 करोड़ रुपये) का कॉर्पस चाहिए होगा। इस कॉर्पस को तैयार करने के लिए आपको अपनी मौजूदा सैलरी का 58 फीसदी हिस्सा निवेश करना होगा। यह इनवेस्टमेंट इक्विटी वाले म्यूचुअल फंड में करना सही रहेगा, जो 10 साल से ज्यादा के निवेश पर आपको आराम से 12 फीसदी का रिटर्न दे देते हैं। इस तरह आपको सिर्फ 13 साल में काम करके रिटायर होने के लिए हर महीने 47,385 रुपये का निवेश करना होगा।

यह कर सकेंगे

आप यह कॉर्पस बनाने में तैयार हो जाते हैं तो हर महीने 1,066 डॉलर (करीब 86,346) रुपये की निकासी कर सकेंगे। आपने 85 साल तक जीने का अनुमान लगाया है और महंगाई के सापेक्ष अगर पर्चेजिंग पॉवर का अनुमान लगाया जाए तो यह रकम मौजूदा समय के 500 डॉलर के बराबर होगी। इस तरह आप देख सकते हैं कि अगर आप 22 साल की उम्र में ही रिटायरमेंट की पुख्ता प्लानिंग पर काम शुरू कर दें तो निश्चित तौर पर आपके पास मोटा पैसा इकट्ठा हो जाएगा।

होमलोन ले तो रखें ध्यान

ईएमआई की 15% रकम एसआईपी में लगाएं

जानकारी | बिजनेस डेस्क

“■ 20 साल बाद दिखेगा मैजिक, पूरा ब्याज हो जाएगा 'माफ' ■ लोन लेकर घर खरीदने के पहले ब्याज और मूलधन कैलकुलेट करें ■ कई बार असली की कीमत की तुलना में डबल चुकाना पड़ता है ■ बैंकों में होमलोन की दर पिछले दिनों बढ़ी है”

घर खरीदने की प्लानिंग कर रहे हैं तो यह जरूरी है कि अलग से निवेश की कुछ ऐसी भी प्लानिंग करें, जिससे घर खरीदने में खर्च होने वाला फंड रिकवर भी हो सके। ये मुश्किल नहीं है, बस इसके लिए कुछ स्मार्ट इन्वेस्टर बनकर काम करना जरूरी है। वैसे इसके लिए बेहतर फॉर्मूला है ईएमआई के साथ-साथ एसआईपी। अगर आप अनुशासित तरीके से यह नियम फॉलो करते हैं तो घर की ईएमआई खत्म होते होते आप एसआईपी से इतनी रकम पा सकते हैं कि कम से कम लोन पर दिया जाने वाला ब्याज रिकवर हो जाएगा। असल में रिजर्व बैंक ने पिछले साल मई से अब तक रेपो रेट में 2.50 फीसदी का इजाफा किया है। हालांकि 2 बार से दरों पर पॉज लगा है, लेकिन रेपो रेट बढ़ने से ज्यादातर प्रमुख बैंकों या नॉन बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी ने होमलोन रेट में भी 1.5 से 2 फीसदी इजाफा कर दिया है। साल 2022 की शुरूआत में होमलोन की जो दरें 7.50 फीसदी थीं, वह बढ़कर 9.50 फीसदी के करीब पहुंच गई हैं। यानी अब लोन लेकर घर खरीदना और महंगा हो गया है। आप जब होमलोन लेते हैं तो क्या आप यह कैलकुलेट कर पाते हैं कि आपको मूलधन पर बैंकों को कितना ब्याज देना पड़ता है। मान लिया कि आप 40 लाख रुपये का लोन ले रहे हैं, वह भी 20 साल के लिए। बैंकों की होमलोन पर औसत ब्याज दर आजकल 9.5 फीसदी के आस पास है। ऐसे में अगर आप ईएमआई देखें तो हर महीने 37285 रुपये की बनेगी। इस लिहाज से आपको 20 साल के दौरान बैंकों को दिया जाने वाला ब्याज 49,48,459 रुपये होगा। इसमें मूलधन भी जोड़ दें तो बैंकों को देने वाली कुल रकम 89,48,459 होगी।

ऐसे समझें

ऊपर दिए गए कैलकुलेशन में साफ है कि आपने ईएमआई शुरू होते ही किस्त के 15 फीसदी रकम के बराबर एसआईपी भी शुरू कर दी है। आपकी मंथली किस्त 37285 रुपये हुई, जिसका 15 फीसदी 5593 रुपये है। 20 साल में हर महीने आपने 5593 रुपये निवेश किया। यानी आपको कुल 13,42,320 रुपये लगाना पड़ा। बदले में आपकी 20 साल बाद एसआईपी की कुल वैल्यू 64,06,889 रुपये हो गई। अगर इसमें से अपना निवेश निकाल लें तो भी करीब 50,64,569 रुपये का ब्याज का फायदा हुआ, जबकि आप करीब इतनी ही रकम 49,48,459 रुपये बैंक को ब्याज के रूप में दे रहे हैं। एक तरह से आपका कुल ब्याज पर खर्च कवर हो गया।

ईएमआई की 25 फीसदी रकम एसआईपी में लगाएं
- मंथली एसआईपी : 9321 रुपये
- सालाना ब्याज: 13 फीसदी
- 20 साल बाद एसआईपी की वैल्यू: 1,06,77,384 रुपये
- आपका कुल निवेश: 22,37,040 रुपये
- ब्याज का फायदा: 84,40,344 रुपये

कुल होम लोन : 40 लाख

- इंटरेस्ट रेट: 9.50%
- लोन की अवधि: 20 साल
- ईएमआई: 37285 रुपये
- कुल ब्याज: 49,48,459 रुपये
- लोन के बदले बैंक को कुल पेमेंट: 89,48,459 (यह एसबीआई की ब्याज दर के हिसाब से है)

होमलोन पर इंटरेस्ट कैसे करें फ्री

यहां आपकी मंथली ईएमआई 37,285 रुपये के करीब है। आप ईएमआई शुरू होने के साथ ही इस रकम का 15 फीसदी एसआईपी कर दें, यानी हर महीने 5593 रुपये आपको किसी बेहतर म्यूचुअल फंड स्कीम में एसआईपी के जरिए निवेश करना होगा। यह निवेश भी 20 साल के लिए होगा। 20 साल लंबी अवधि है और रिटर्न हिस्ट्री देखें तो बहुत सी ऐसी स्कीम हैं, जिनमें 20 साल में एसआईपी का रिटर्न 15 फीसदी या इससे ज्यादा रहा है। हम यहां सालाना रिटर्न 13 फीसदी मानकर कैलकुलेशन करेंगे।

■ मंथली एसआईपी: 5593 रुपये ■ सालाना ब्याज: 13 फीसदी ■ 20 साल बाद एसआईपी की वैल्यू: 64,06,889 रुपये ■ आपका कुल निवेश: 13,42,320 रुपये ■ ब्याज का फायदा: 50,64,569 रुपये

आर्थिक आजादी पाने के लिए 12 तरीके

डॉ. पूनम टंडन

लोगों को अक्सर निवेश करने के लिए अच्छे फंड्स या स्कीम्स की तलाश रहती है, लेकिन, हम यहीं आकर धोखा खा जाते हैं और किसी भी स्कीम पैसा डालकर जोखिम बढ़ा लेते हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे आर्थिक आजादी के 12 तरीके जो आपको अच्छा मुनाफा करवाने में अहम भूमिका निभाएंगे।

1. अपनी आय का एक हिस्सा जरूर बचाकर रखें। यह स्वतंत्रता की यात्रा का महत्वपूर्ण शुरूआती बिंदु है।
2. उस बचत को यूलिप, म्यूचुअल फ्रंड और नई पेंशन योजना में निवेश कर सकते हैं, इसमें ज़्यादा निवेश इक्विटी फ्रंड में होना चाहिए। आदमी जितना ही युवा होता है, उसे उतना ही ज़्यादा इक्विटी में निवेश करना चाहिए, क्योंकि इस तरह के निवेश में कम अवधि के लिए भले ही उतार-चढ़ाव आएं, लेकिन लंबी अवधि में इसमें बड़ा रिटर्न संभव है।
3. इस बात पर भी विचार कर सकते हैं कि हाउसिंग लोन को कम उम्र में ही लिया जाए, जिससे उसका भुगतान बोनस या किसी तरह के अतिरिक्त पैसे से कर दिया जाए, ताकि किसी भी तरह के लोन से मुक्त हुआ जा सके खास तौर पर हाउसिंग लोन से। एक सलाह यह भी है कि 50 वर्ष की उम्र पूरी कर लेने के बाद लोन लेने से बचा जाए।
4. कोई व्यक्ति टर्म लोन भी ले सकता है, ताकि किसी अप्रत्याशित दुर्घटना के कारण आपका परिवार पूरी तरह से सुरक्षित रह सके और आपको उस पहलू पर ज़्यादा सोच-विचार न करना पड़े।
5. हमने पिछले तीन वर्षों में खास तौर से कोविड के दौर में देखा है कि सेहत को लेकर गंभीर होना कितना जरूरी है और अगर कुछ होता है, तो अस्पताल का खर्च पूरी बचत को साफ़ कर सकता है। इसलिए हर व्यक्ति के लिए स्वास्थ्य बीमा बहुत जरूरी है, खुद के लिए और परिवार के लिए भी। इससे वह व्यक्ति स्वास्थ्य के मुद्दों को लेकर निश्चिंत रहेगा।
6. आपातकाल के लिए एक फ्रंड, बैंक डिपॉजिट में जरूर होना चाहिए, ताकि कोई आपात यात्रा या बच्चों के कुछ अतिरिक्त खर्च के दौरान उसका उपयोग किया जा सके।
7. लक्ष्य आधारित निवेश के कारण आर्थिक चिंताएं कम करने में मदद मिलती है-जैसे कोई म्यूचुअल फ्रंड या यूलिप में निवेश करता है-तो हो सकता है कि कोई व्यक्ति यात्रा करना चाहता हो या बच्चों का जन्मदिन मनाना चाहता हो या मां-बाप के विवाह की वर्षगांठ मनाना चाहता हो, तो ये सारे काम व्यवस्थित ढंग-से निवेश करने पर संभव हो जाते हैं।
8. इंश्योरेंस कंपनियां लंबी अवधि की गारंटी वाली बचत योजनाएं चलाती हैं जिससे जीवन में ज्यादा निश्चितता आती है। इसके अलावा जब किसी को रिटायरमेंट का पैसा मिलता है, तो उसके साथ दूसरे फ़ायदे भी जुड़े होते हैं।
9. अगर कोई सोने (गोल्ड) में निवेश करना चाहता है, तो उसके लिए सॉवरीन गोल्ड बॉन्ड हैं जिसे आरबीआई जारी करता है और एक्सचेंज में भी इसका कारोबार होता है। पहले से ही, इस पर बहुत अच्छा रिटर्न मिलता रहा है क्योंकि इसका संबंध गोल्ड के मूल्य से जुड़ा होता है और आरबीआई 2.5% का कूपन भी देती है और अगर अवधि पूरी हो जाती है, तो कोई कैपिटल गेन टैक्स भी नहीं लगता।
10. किसी भी व्यक्ति को बेमतलब के व्यय करने से बचना चाहिए, खासकर सोशल मीडिया पर आकर्षित करने वाली अर्थहीन खरीददारी, इसके अलावा यह भी पक्का कर लें कि खर्चे के लिए आय का कुछ हिस्सा ही खर्च करना है, ताकि किसी तरह के पर्सनल लोन या क्रेडिट कार्ड का कोई बोझ न पड़ने पाए।
11. अपने क्रेडिट कार्ड का भुगतान सही समय पर करें जिससे किसी तरह का दंड या ब्याज न देना पड़े। इससे अपने पर अनुशासन रखने और नियंत्रण रखने में भी मदद मिलती है।
12. बच्चों को पैसों की कीमत बताएं, ताकि उन्हें और आपको अपने वित्तीय लक्ष्य प्राप्त करने में किसी प्रकार की कोई दिक्कत न हो।

विमल वाटिका में ब्रांडेड कपड़ों की खरीदी पर 50% की छूट का आज अंतिम मौका

रायपुर। शहर में मेन्स कपड़ों की खरीदी पर हर तीज-त्योहार पर ग्राहकों को सुनहरा मौका देने में मॉल ही नहीं शोरूम के संचालक भी कोई कसर नहीं छोड़ते हैं। ऐसे दौर में पंडरी स्थित विमल वाटिका में आने वाले ग्राहकों को अगस्त से 10 सितंबर तक खरीदी पर 50 प्रतिशत की छूट का विशेष ऑफर दिया जा रहा है। इस सीजन में दी जा रही छूट का आज अंतिम मौका ग्राहक ले सकते हैं। इसके बाद इस तरह के ऑफर के लिए सालभर इंतजार करना होगा।

इसे देखते हुए लोगों से अच्छा रिस्पॉस भी मिल रहा है। शोरूम के संचालक महेश चौधरी ने बताया कि ब्रांडेड कपड़ों का शौक रखने वालों को रक्षाबंधन स्पेशल ऑफर के रूप में मेन्स वेयर रेडीमेंट व शुटिंग-शर्टिंग की खरीदी पर 50 प्रतिशत की छूट का आज अंतिम मौका है। वैवाहिक आयोजन की तैयारी कर रहे लोग इस ऑफर का फायदा लेने के लिए पहुंच रहे हैं। शोरूम में रेमंड, रीड एन टेलर,ब्लैक बेरी, किलर जैसे ब्रांडेड कपड़ों की कई रेंज है। होलसेल कपड़ा मार्केट स्थित शोरूम में शहर ही नहीं दूसरे जिलों से आने वाले लोगों का भी अच्छा रिस्पॉस मिल रहा है। लोग रेडीमेंट कपड़ों की खरीदी में भी रुचि ले रहे हैं। शॉप में विभिन्न ब्रांडेड कंपनियों की शुटिंग-शर्टिंग की अच्छी डिमांड है। इनमें रेडीमेंट मेन्स शर्ट 15 सौ से तीन हजार, टाउजर 2 से 4 हजार में और जिंस 2500 से 4500 की रेंज में मौजूद है। लोग 400 सौ से 5 हजार की रेंज में शुटिंग-शर्टिंग खरीदने भी पहुंच रहे हैं।

बिजनेस साइट

तीज फेस्ट पर सुमीत बाजार में '77' वाला ऑफर

रायपुर ।तीज पर्व को लेकर सबसे बड़ी रिटेल चेन स्टोर सुमीत बाजार में रौनक बढ़ गई है। त्योहार में खरीदी को लेकर महिलाओं में खास उत्साह देखा जा रहा है। हर वर्ग के लोग अपनी पसंद और बजट के अनुसार खास तौर पर साड़ियों की जमकर खरीदी कर रहे हैं। तीज पर महिलाओं के कपड़े का नया ट्रेंड देखने को मिल रहा है। आरगैंजा, कॉटन, डोला सिल्क, बनारसरी सिल्क, ब्रासो, वर्क वाली साड़ी के अलावा लहरिया साड़ियां, डाई साड़ी, गोटेदार ओढ़नी, प्रिंट से लेकर बाटिक प्रिंट, फेमस चुनरिया साड़ियों का जबर्दस्त क्रेज है। वहीं, तीज के हिसाब से सुमीत बाजार में 77 वाला साथ-साथ ऑफर भी दिया जा रहा है, जिसे खरीदारों का अच्छा रिस्पांस मिल रहा है। इस ऑफर की बात करें तो 3000 रुपए मूल्यों की साड़ियों की खरीदी पर 899 रुपए की साड़ी सिर्फ 77 रुपए में मिल रही है। त्योहार के मद्देनजर खुशियों को दोगुना करने वाले इस ऑफर को ग्राहकों से भी अच्छा रिस्पॉस मिल ऑफर है।

अब छत्तीसगढ़ के हर युवा का डॉक्टर बनने का सपना होगा पूरा

रायपुर। अगर आपका सपना डॉक्टर बनने का है और नीट का अंक किसी भी कारण से कम हो, जिससे आपको शासकीय महाविद्यालय में प्रवेश नहीं मिल रहा हो और प्राइवेट कॉलेज की फीस भरने में भी असमर्थ हो तो आईएसएम एडुटेक (छ.ग.) आपके सपनों को साकार करने में सहयोगी होगा। जिसके माध्यम से किर्गिस्तान, कजाकिस्तान और जॉर्जिया में शीर्ष सरकारी विश्वविद्यालयों के मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश पाना अब बहुत ही आसान हो गया है। जहां आपको भारत जैसी मेडिकल शिक्षा, भारतीय भोजन, भारतीय प्रोफेसरों द्वारा प्रथम वर्ष से ही नेस्ट की कोचिंग सुविधा मिलती है। 5000 से अधिक इंडियन स्टूडेंट यहां के मेडिकल कॉलेजों में अध्यनरत है। छत्तीसगढ़ के 600 से अधिक छात्र छात्राए अध्ययन करके प्रदेश के निजी व सरकारी अस्पतालों में सेवाएं दे रहे हैं। यहां मेडिकल की पढाई अंग्रेजी माध्यम में 5.5 वर्षो में पूरी होती है। इसमें एक वर्ष का इंटर्नशिप भी शामिल है। जिसकी फीस 1.57 लाख प्रति सेमेस्टर है। छात्र और छात्राओं के लिए अलग-अलग हॉस्टल की सुविधा उपलब्ध है। आईएसएम एडुटेक के संचालक शादाब एहमद नें बताया की संस्था शिक्षा पर बहुत ज्यादा फोकस करती है। विदेशों में मेडिकल कॉलेज का यह कोर्स नेशनल मेडिकल काउंसिल (एनएमसी) से प्रमाणित एवं सभी दिशा निर्देशों के तहत संचालित किए जाते हैं, ताकि युवा अच्छे डॉक्टर बन सके। आईएसएम कॉलेज से छत्तीसगढ़ के 80 से 90 प्रतिशत छात्रों ने पहले प्रयास में एफएमजीई की परीक्षा में सफलता प्राप्त की है। इन सभी ने किर्गिस्तान के आईएसएम से एमबीबीएस की पढ़ाई की है।

खिताब के लिए भिड़ेंगे मेदवेदेव और जोकोविच

नोवाक जोकोविच

यूएस ओपनः बेन शेल्टन और गत चैंपियन कार्लोस अल्कराज सेमीफाइनल में हारकर बाहर

न्यूयार्क,(एजेंसी)। अमेरिकी ओपन के खिताब के लिए पुरुष एकल वर्ग में विश्व के नंबर तीन खिलाड़ी रूस के डेनिल मेदवेदेव की भिड़ंत 23 ग्रैंडस्लैम जीत चुके सर्बियाई खिलाड़ी नोवाक जोकोविच से होगी।

जोकोविच ने शुक्रवार को अमेरिकी ओपन के सेमीफाइनल में गैर वरीयता प्राप्त अमेरिका के बेन शेल्टन को 6-3, 6-2, 7-6 (4) से हरा दिया। इससे पहले डेनिल मेदवेदेव ने गत चैंपियन स्पेनिश खिलाड़ी कार्लोस अल्कराज को 7-6(3), 6-1, 3-6, 6-3 से हराया। 36 वर्षीय जोकोविच 36वीं बार ग्रैंडस्लैम के फाइनल में पहुंचे है और अगर वह अमेरिकी ओपन का खिताब अपने नाम करते हैं तो यह पेशेवर युग में अमेरिकी ओपन जीतने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन जायेंगे। जोकोविच इसी साल जनवरी में आस्ट्रेलियन ओपन और जून में फ्रेंच ओपन में ट्राफी जीतने में सफल रहे थे। रविवार को जोकोविच का सामना 2021 अमेरिकी ओपन चैम्पियन डेनिल मेदवेदेव से होगा। मेदवेदेव ने 2021 में फ्लशिंग मिडोज के फाइनल में जोकोविच को हराकर उनकी कैलेंडर वर्ष ग्रैंडस्लैम पूरा करने की उम्मीद पर पानी फेर दिया था। जोकोविच को अमेरिकी ओपन में दूसरी वरीयता दी गयी थी और रविवार को जो भी नतीजा निकले वह अल्काराज को नंबर एक रैंकिंग से हटा देंगे। अगर जोकोविच खिताब जीत लेते हैं तो वह ओपन युग में सबसे ज्यादा एकल मेजर चैम्पियनशिप जीतने के मामले में सेरेना विलियम्स को पीछे छोड़ देंगे। जोकोविच ने कहा, यह इतिहास बनाने के लिए एक और मौका होगा।

24वीं ग्रैंडस्लैम ट्रॉफी से महज एक जीत दूर नोवाक जोकोविच

जोकोविच 10वीं बार यूएस ओपन के फाइनल में पहुंचे। कोविड-19 टीकाकरण नहीं कराने के कारण वह पिछले साल अमेरिका की यात्रा नहीं कर सके थे लेकिन अब यह 36 वर्षीय खिलाड़ी न्यूयॉर्क में अपना चौथा खिताब और कुल 24वीं ग्रैंडस्लैम ट्रॉफी से महज एक जीत दूर है।

जोकोविच बोले, ग्रैंडस्लैम जीतने के मौके को अब ज्यादा महत्व देता हूं...

जोकोविच ने जीत के बाद कह, सच यह है कि 36 की उम्र, प्रत्येक ग्रैंडस्लैम के फाइनल में पहुंचना, यह अंतिम हो सकता है। इसलिए मुझे लगता है कि 10 साल पहले की तुलना में मैं एक और ग्रैंडस्लैम जीतने के मौके को अब ज्यादा महत्व देता हूं। उन्होंने कहा, नहीं जानता कि अब कितने और ग्रैंडस्लैम फाइनल होंगे।

मेदवेदेव बोले, अल्कराज को हराना सुखद अनुभव रहा...

मेदवेदेव ने अपने ऑन-कोर्ट साक्षात्कार में कहा, अलकराज को हराना सुखद अनुभव रहा। वह युवा है और पहले से ही दो ग्रैंड स्लैम जीत चुका है, कई हफ्तों तक दुनिया का नंबर एक खिलाड़ी रहा है, ईमानदारी से कहूं तो यह काफी अविश्वसनीय है और मुझे लगता है कि उससे पहले किसी ने भी ऐसा नहीं किया है। इसलिए उसे हराने के लिए आपको खुद से बेहतर होने की जरूरत है और मैं ऐसा करने में कामयाब रहा। जोकोविच को रिकॉर्ड 24वें एकल खिताब का दावा करने से रोकने के लिए मेदवेदेव को पता है कि उन्हें एक और अलौकिक प्रदर्शन की आवश्यकता होगी। उन्होंने मैचअप के बारे में कहा, चुनौती यह है कि आप एक ऐसे व्यक्ति के रूप में खेलें जिसने 23 ग्रैंड स्लैम जीते हैं और मेरे पास केवल एक है। जब मैंने उसे यहां 2021 फाइनल में हराया, तो मैं खुद से बेहतर खेलने में कामयाब रहा और मैं इसे दोबारा करने की जरूरत है। और कोई रास्ता नहीं है।

डेनिल मेदवेदेव

भारत-पाक के बीच होगी कांटे की टक्कर

एशिया कपः सुपर-4 में भारतीय बल्लेबाजों के सामने पाक तेज गेंदबाजों की चुनौती

कोलंबो, (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच रविवार दोपहर 03:00 बजे से आर. प्रेमदासा स्टेडियम कोलंबो में होने वाले एशिया कप के सुपर-4 चरण के मुकाबले में भारतीय बल्लेबाजी क्रम के लिए पाकिस्तान की तेज गेंदबाजी का सामना करना एक बड़ी चुनौती होगी।

भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ पिछले मैच में अपने सभी 10 विकेट तेज गेंदबाजों के कारण गंवाए। इस दौरान शाहीन ने चार विकेट जबकि नसीम शाह और हारिस रऊफ ने तीन-तीन विकेट लिए थे। भारतीय टीम प्रबंधन के लिए इस मैच से पहले केएल राहुल और ईशान किशन में से किसी एक को चुनने की दुविधा का हल निकालना अहम होगा। भारतीय टीम प्रबंधन का ध्यान टीम के लक्ष्यों पर तो लगा हुआ है लेकिन साथ ही वह पाकिस्तान के खिलाफ मैदान पर अपने सर्वश्रेष्ठ 11 खिलाड़ियों को उतारना चाहेगा। इसके लिए उन्हें राहुल-किशन के चयन की पहेली का जवाब ढूंढने की जरूरत होगी। राहुल की टीम में वापसी से चयन के लिए खिलाड़ियों के पूल में इजाफा हो गया है लेकिन यह भारत के लिए सुखद सरदर्द भी होगा।

दोपहर 03:00 बजे से शुरू होगा मैच

शीर्षक्रम में रोहित शर्मा, विराट कोहली और शुभमन गिल को तेज गेंदबाजों का डाटकर सामना कर रन बनाने होंगे। जिससे मध्यक्रम पर दबाव कम आए। पिछले मैच में तीनों बल्लेबाज बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे थे। हार्दिक पंड्या और इशान किशन से एक बार फिर शानदार प्रदर्शन की उम्मीद होगी। जसप्रीत बुमराह की वापसी से भारतीय गेंदबाजी मजबूत होगी। मोहम्मद सिराज और शार्दुल ठाकुर सहयोगी गेंदबाज की भूमिका कुशलता से निभा सकते हैं। इसके अलावा रवींद्र जडेजा और कुलदीप यादव बतौर स्पिनर अपना योगदान देंगे।

किशन शानदार फॉर्म में, केएल को नजरअंदाज करना भी मुश्किल

इशान किशन ने पिछले लगभग एक महीने में सभी को अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया है जिसमें उन्होंने चार मैचों में चार अर्धशतक जड़े हैं। बेंगलुरु के क्रिकेटर केएल राहुल के पांचवें नंबर पर दावे को नजरअंदाज करना भी मुश्किल है जबकि वह जांघ की चोट और सर्जरी के बाद की रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया के कारण इस साल मार्च के बाद से कोई वनडे मुकाबला नहीं खेले हैं। इसके पीछे यह कारण है कि राहुल 31 वर्ष 2019 के बाद से भारत के सबसे मजबूत वनडे बल्लेबाजों में से एक हैं। पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए राहुल ने 18 मैचों में 53 के औसत से 742 रन जुटाए हैं जिसमें एक शतक और सात अर्धशतक भी शामिल हैं। इसके अलावा उनकी विकेटकीपिंग भी तरकश में एक अतिरिक्त तीर शामिल करती है। वह विकेटकीपिंग का कड़ा अभ्यास करते दिखे जिससे उनकी वापसी की तैयारी का संकेत मिलता है।

दोनों टीमें...

भारत

रोहित शर्मा (कप्तान), विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, शुभमन गिल, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, ईशान किशन, हार्दिक पंड्या (उप कप्तान), रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव, प्रसिद्ध कृष्णा।

पाक

अंतिम एकादश घोषितः बाबर आजम (कप्तान), शादाब खान (उप-कप्तान), इमाम-उल-हक, फखर जमां, सलमान आगा, इफ्तिखार अहमद, मोहम्मद रिजवान (विकेटकीपर), फहीम अशरफ, नसीम शाह, शाहीन शाह अफरीदी, हारिस रऊफ।

पिच रिपोर्टः आर प्रेमदासा स्टेडियम की पिच बेहतरीन बल्लेबाजी के लिए मशहूर है, जो अपनी अनुकूल परिस्थितियों के कारण बल्लेबाजों के लिए अनुकूल है। यह तेज गेंदबाजों को अधिक सहायता प्रदान नहीं करता है। जैसे ही बल्लेबाज अपनी लय हासिल कर लेते हैं और स्थिर हो जाते हैं, वे अक्सर स्कोरिंग अवसरों का फायदा उठाते हैं.। इसके अलावा, जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ता है, पिच स्पिन के अनुकूल हो जाती है। जिससे स्पिन गेंदबाजों को फायदा मिलता है। ऐसे में टॉस जीतने वाले कप्तान परिस्थितियों का लाभ उठाने चाहेंगे।

भारत-पाक मैच में कमेन्ट्री करेंगे दामोदर

भोपाल,(खेसं)। संचालनालय, नगरीय प्रशासन एवं विकास, मप्र में कार्यरत दामोदर प्रसाद आर्य एशिया कप सुपर-4 चरण के भारत-पाकिस्तान मैच में डीडी स्पोर्ट्स चैनल पर कमेन्ट्री करेंगे। उल्लेखनीय है कि दामोदर ने पिछले एशिया कप में भी भारत-पाकिस्तान मैच में कमेन्ट्री की थी। वह ओलंपिक, एशियन गेम्स, कॉमनवेल्थ गेम्स, साउथ एशियन गेम्स, वर्ल्ड कप जैसे विश्व स्तरीय आयोजनों में कमेन्ट्री कर चुके हैं।

भारी बारिश के आसार, रिजर्व-डे का प्रावधान

रविवार होने वाले भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबले में बारिश का खेल करोड़ों क्रिकेट प्रेमियों की उम्मीदों पर पानी फेर सकता है। मौसम विभाग ने कोलंबो में रविवार को भारी बारिश के आसार व्यक्त किए हैं। रिपोर्ट के अनुसार मैच वाले दिन 70 प्रतिशत बारिश की संभावना है। बारिश की वजह से तापमान भी गिर सकता है। दिन की शुरुआत हल्कीबारिश के साथ हो सकती है। मौसम पूर्वानुमान के मद्देनजर आयोजकों ने पहली बार सुपर-4 चरण के इस मुकाबले के लिए रिजर्व डे का प्राविधान किया है, लेकिन मैच अधिकारियों की कोशिश होगी कि मैच को उसी दिन समाप्त किया जाए।

एशिया कप हेड-टू-हेड	
कुल मैच	18
भारत जीता	09
पाक जीता	06
रद्द	03

सुपर-4 में बांग्लादेश की लगातार दूसरी हार

21 रन से मैच जीती श्रीलंकाई टीम

कोलंबो, (एजेंसी)। कुसल मेंडिस (50) और पथुम निसंका (40) के बीच 74 रनो की साझीदारी के बाद सदीरा समराविक्रमा (93) की साहसिक पारी के बाद गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन की बदौलत श्रीलंका ने एशिया कप 2023 बांग्लादेश को 21 रन से हराकर सुपर-4 राउंड में विजयी शुरुआत की।

वहीं बांग्लदेश की यह सुपर-4 राउंड में लगातार दूसरी हार है। श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 257 रन बनाए। जबाव में बांग्लादेश को 48.1 ओवर में 238 रन पर ढेर हो गया। बांग्लदेश के लिए तौहीद हृदय ने सर्वाधिक 82 रन बनाए। इसके अलावा मुश्फिुर रहीम 29, मेहदी हसन मिराज 28 और मोहम्मद नईम 21 रन ही बना सके। इससे पहले, श्रीलंका के लिए समरविक्रमा ने 72 गेंदों में 93 रन की पारी खेली। इसके अलावा कुसल मेंडिस ने 50 रन, पथुम निसांका ने 40 रन और कप्तान दासुना शनाका ने 24 रन का योगदान दिया।

स्कोर बोर्ड

श्रीलंका	रन	गेंद	4/6
पथुम निसंका पगबाधा इस्लाम	40	60	5/0
करुणारत्ने कै. मुशफिकुर बो. महमूद	18	17	3/0
कुसल मेंडिस कै. तस्किन बो. इस्लाम	50	73	6/1
समराविक्रमा कै. ध्रुबो बो. तस्किन	93	72	8/2
असलंका कै. शाकिब बो. तस्किन	10	23	1/0
डीसिल्वा कै. मुशफिकुर बो. महमूद	6	16	0/0
दसून शानका बो. महमूद	24	32	1/0
दुनिथ वेल्लालगे रन आउट	03	03	0/0
थीक्षणा कै. मुशफिकुर बो. तस्किन	02	03	0/0
कसुन रजिता नाबाद	01	01	0/0

अतिरिक्तः 10, **कुलः** 50 ओवर में नौ विकेट पर 257 रन **विकेट पतनः** 1-34, 2-108, 3-117, 4-144, 5-164, 6-224, 7-243, 8-246, 9-257 **गेंदबाजीः** तस्किन अहमद 10-0-62-3, शोरिफुल इस्लाम 8-0-48-2, हसन महमूद 9-0-57-3, शाकिब अल हसन 10-0-44-0, नासुम अहमद 10-1-31-0, मेहदी हसन मिराज 3-0-14-0.

बांग्लादेश	रन	गेंद	4/6
नईम शेख कै. मेंडिस बो. दसून	21	46	1/0
हसन मिराज कै. हेमंता बो. दसून	28	29	4/0
लिटन दास कै. मेंडिस बो. वेल्लालगे	15	24	1/0
शाकिब कै. मेंडिस बो. पथिराना	03	07	0/0
रहीम कै. रजिता बो. दसून	29	48	0/0
तौहीद हृदोय पगबाधा थीक्षणा	82	97	7/1
शमीम हुसैन पगबाधा थीक्षणा	05	10	0/0
नासुम अहमद बो. पथिराना	15	15	0/1
तस्किन अहमद पगबाधा थीक्षणा	01	03	0/0
शोरिफुल इस्लाम बो. पथिराना	07	07	0/0
हसन महमूद नाबाद	10	07	2/0

अतिरिक्तः 20, **कुलः** 48.1 ओवर में 236 रन पर ऑलआउट, **विकेट पतनः** 1-55, 2-60, 3-70, 4-83, 5-155, 6-181, 7-197, 8-200, 9-216, 10-236 **गेंदबाजीः** कसुन रजिता 7-0-29-0, महीश थीक्षणा 9-0-69-3, दसून शानका 9-0-28-3, मथीशा पथिराना 9.1-1-58-3, दुनिथ वेल्लालगे 10-1-26-1, धनंजय डीसिल्वा 4-0-18-0.

डायमंड लीग में सातवें स्थान पर रहीं अन्नू रानी

ब्रुसेल्स,(एजेंसी)। भारत की भाला फेंक खिलाड़ी अन्नू रानी ने ब्रुसेल्स डायमंड लीग 2023 एथलेटिक्स मीट में सातवें स्थान पर संतोष किया। बेल्जियम के किंग बॉडोइन स्टेडियम में अन्नू का सर्वश्रेष्ठ थ्रो 57.74 मीटर का रहा, जो उनके तीसरे प्रयास में आया। यह उनके व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 63.82 मीटर से काफी कम था, जो एक राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी है। अन्नू का सीजन का सर्वश्रेष्ठ प्रयास 59.24 मीटर है।

किंग्स कपः लेबनान को मात देने के लिए भारत तैयार

चियांग माई (एजेंसी)। इराक से पेनल्टी पर करारी हार के बाद भारतीय सीनियर पुरुष टीम रविवार को 49वें किंग्स कप के तीसरे स्थान के लिए प्ले-ऑफ में लेबनान से भिड़ने के लिए तैयार है। भारतीय टीम पिछले तीन महीने में चौथी बार लेबनान से भिड़ेगी। भारत ने लेबनान के खिलाफ तीन मुकाबलों में एक भी गोल नहीं खाया है। इंटरकांटिनेंटल कप में 0-0 से ड्रा के बाद भारत ने फाइनल में 2-0 से जीत दर्ज की थी।

श्रीराम एलएसजी के सहायक कोच नियुक्त

लखनऊ, (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाट के जस्टिन लैंगर के लखनऊ सुपर जायंट्स में मुख्य कोच के तौर पर शामिल होने के बाद श्रीधरन श्रीराम को आईपीएल के आगामी सीजन के लिए सहायक कोच नियुक्त किया गया है। श्रीधरन श्रीराम बांग्लादेश की टी-20 टीम के तकनीकी सलाहकार रह चुके हैं। उनके नेतृत्व में टीम ने पिछले साल आस्ट्रेलिया में आईसीसी टी20 विश्व कप के सुपर 12 चरण में दो जीत हासिल की थी।

कजाकिस्तान की महिला हॉकी टीम मध्य प्रदेश अकादमी में कर रही एशियन गेम्स की तैयारी

भोपाल,(खेसं)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में संचालित महिला हॉकी अकादमी ने कई भारतीय महिला हॉकी सितारों को तराशा है। बेहतरीन इंफ्रास्ट्रक्चर और सर्व सुविधायुक्त व्यवस्थाओं ने दूसरे देशों के खिलाड़ियों को भी मजबूर कर दिया है कि वे मध्य प्रदेश महिला हॉकी अकादमी में आकर अपनी तैयारी करें। कजाकिस्तान की महिला हॉकी टीम ग्वालियर की अकादमी में एशियन गेम्स की तैयारियों के लिए कैंप लगाकर प्रशिक्षण कर रही है। कजाकिस्तान महिला हॉकी टीम के प्रशिक्षक बेबीतोव नूरजहान का कहना है कि ग्वालियर स्थित मध्य प्रदेश हॉकी अकादमी बेहतरीन है। हमारी टीम ने पहले भी यहां कैंप लगाकर प्रशिक्षण लिया है। उन्होंने कहा कि सितंबर में चीन में होने वाले एशियन गेम्स की तैयारियों के लिए 4-13 सितंबर तक हमने ट्रेनिंग कैंप लगाया है।

पारमी, वैभवी, हर्षित, संस्कार व मुदित फाइनल में

स्व. दयाकुमार एवं रंभा चतुर्वेदी टेटे स्पर्धा

भोपाल,(खेसं)। टीटी नगर स्टेडियम, भोपाल के टेटे हॉल में प्रारंभ हुई स्व. दयाकुमार एवं रंभा चतुर्वेदी स्मृति जिला रैंकिंग टेबल टेनिस स्पर्धा में खेले गए विभिन्न आयु वर्ग के सेमीफाइनल मैचों में जीत दर्ज कर पारमी, वैभवी, हर्षित, संस्कार, विआन व मुदित ने फाइनल में जगह बनाई। आयु-19 बालिका वर्ग के सेमीफाइनल में पारमी ने युविका को 3-0 से और वैभवी ने गुनिका को 3-0 से मात दी। बालक आयु-11 वर्ग में मुदित ने शुभराज को 2-0 से, विआन ने अदभ्य को 2-0 से हराया। आयु -13 वर्ग में हर्षित ने विआन को 2-0 व दक्ष ने मुदित को 2-1 से शिकस्त दी। आयु-15 वर्ग में हर्षित ने दक्ष को 3-1 से, मुदित ने आरव को 3-1 से पराजित किया। आयु-17 वर्ग में हर्षित ने यश को 3-0 से व संस्कार ने ध्रुव को 3-1 से शिकस्त दी। इससे पहले कार्यक्रम का उद्घाटन जिला संघ के अध्यक्ष संतोष अग्रवाल द्वारा किया गया।

फुटबॉल पेले को पछाड़ ब्राजील के लिए सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी बने

नेमार ने रचा इतिहास

साओ पाउलो, (एजेंसी) स्टार फुटबॉलर नेमार जूनियर तीन बार के विश्व कप विजेता और महान फुटबॉलर पेले को पछाड़कर ब्राजील के लिए सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए हैं।

नेमार ने यह उपलब्धित बोलिविया के खिलाफ विश्व कप क्वॉलीफाइंग मैच में 61वें मिनट में गोल करके हासिल की। ब्राजील ने इस विश्व कप क्वालीफाइंग मैच में 5-1 से जीत दर्ज की। अमेजन शहर के बेलेम में इस 31 वर्षीय खिलाड़ी ने 78वां गोल दागा जिससे वह पेले के 77 गोल के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ने में सफल रहे नेमार ने मैच में टीम के लिए चौथा और पांचवां गोल दागा। अब उनके कुल 79 गोल हो गए हैं। अल हिलाल का यह स्ट्राइकर 17वें मिनट में एक पेनल्टी से भी चूक गया था। नेमार ने यह रिकॉर्ड गोल करने के बाद हवा में मुक्का लगाकर जश्न मनाया जैसा कि आमतौर पर पेले किया करते थे। पिछले साल दिसंबर में पेले का निधन हो गया था जिन्होंने ब्राजील के लिए 92 मैच में 77 गोल दागे थे।

नेमार बोले, मैं बहुत खुश हूं...

नेमार ने इतिहास रचने के बाद कहा, मैं बहुत खुश हूं, इसके लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं इस रिकॉर्ड तक पहुंचूंगा। नेमार का रिकॉर्ड तोड़ने वाला गोल पेनल्टी बॉक्स में एक कम क्रॉस के बाद आया, जिसे स्ट्राइकर ने पूरा किया। उन्होंने हवा में मुक्का मारकर जश्न मनाया, जैसा कि पेले आमतौर पर करते थे।

अल हिलाल के साथ जुड़े

पीएसजी के बाद नेमार ने हाल ही में सऊदी प्रो लीग क्लब अल हिलाल के लिए साइन किया है। रिपोर्टस के अनुसार, अल हिलाल के इस दो साल के कॉन्ट्रेक्ट से नेमार को लगभग 300 मिलियन यूएसडी डॉलर मिलेगें।

कॉन्वे व मिशेल के शतकों से न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड को हराया

कार्डिफ, (एजेंसी)। डेवोन कॉन्वे और डेरिल मिशेल के नाबाद शतकों और दोनों के बीच 180 रन की साझेदारी के मदद से न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड को आठ विकेट से हराकर चार मैचों की वनडे सीरीज में 1-0 की बढ़त बनाई। इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट पर 291 रन बनाए। जबाव में न्यूजीलैंड ने 26 गेंद रहते दो विकेट खोकर जीत हासिल की। न्यूजीलैंड के लिए कॉन्वे (नाबाद 111 रन) और मिशेल (118 रन) ने वनडे में अपने चौथे शतक लगाए। इसके अलावा न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज विल यंग ने 29 और हेनरी निकोल्स ने 26 रन बनाए। कॉन्वे और मिशेल ने फिर इंग्लैंड के गेंदबाजी आक्रमण की धज्जियां उड़ाते हुए अटूट साझेदारी निभायी। वर्ष 2019 में लार्ड्स पर हुए क्रिकेट विश्व कप फाइनल के बाद दोनों देशों के बीच यह पहली भिड़ंत थी। न्यूजीलैंड की टीम बेहतरीन फॉर्म में दिख रही है, उसने इंग्लैंड के खिलाफ मंगलवार को 2-2 की बराबरी पर समाप्त हुई ट्वेंटी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के अंतिम दो मैच जीते थे।

इराक के खिलाफ दूसरी पेनल्टी संदिग्ध थीः गुरप्रीत

भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान गुरप्रीत सिंह संधू ने यहां किंग्स कप सेमीफाइनल में शूटआउट में 4-5 से मिली हार के बाद इराक को मिली दूसरी पेनल्टी को संदिग्ध करार दिया। करिश्माई खिलाड़ी सुनील छेत्री के बिना खेल रही भारतीय टीम ने विवादास्पद पेनल्टी पर एक गोल गंवाया और अपनी से ऊंची रैंकिंग वाली इराक पर पहली जीत दर्ज करने से चूक गयी। भारतीय टीम 79वें मिनट तक 2 - 1 से आगे थी जब रेफरी ने इराक को पेनल्टी दी। इराक के स्ट्राइकर ऐमेन गाधबान बाक्स में दो डिफेंडरों से भिड़ गए थे। यह पेनल्टी नहीं लग रही थी लेकिन ऐमेन ने इस पर गोल दागकर स्कोर 2 - 2 से बराबर कर दिया। इराक ने शूटआउट में 5 - 4 से जीत दर्ज की। शूटआउट में भारत के लिये ब्रेंडन फर्नांडिस गोल नहीं कर सके। फीफा रैंकिंग में इराक 70वें स्थान पर है जबकि भारतीय टीम 99वें स्थान पर है। संधू ने एआईएफएफ (अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ) से कहा, जाहिर तौर पर, इस हार को पचाना कठिन है। मैं मानता हूं कि हम मैच जीतने की स्थिति में थे। दुर्भाग्य से, जो दूसरी पेनल्टी दी गयी, वह संदिग्ध थी। संधू ने छेत्री की अनुपस्थिति के बावजूद टीम के समग्र प्रदर्शन पर संतोष व्यक्त किया। छेत्री की गैरमौजूदगी में टीम का नेतृत्व कर रहे संधू ने कहा, मैंने जो सोचा था टीम ने उससे कहीं ज्यादा बेहतर किया है। हमें बस खुद पर विश्वास करने की जरूरत है। हमें थोड़ा और धैर्यवान और सकारात्मक होना होगा। इस मुकाबले में हमने धैर्य दिखाया। उन्होंने कहा, हमें विनम्र होने की जरूरत है और यह भी सुनिश्चित करना होगा कि हम उस तरह से मौके नहीं गंवायें। दुर्भाग्य से, इराक को वापसी करने और मैच जीतने का मौका मिला। भारतीय कप्तान ने कहा, बड़ी टीमों के खिलाफ जीत दर्ज करने के लिए हमें उन्हें मौका देने से बचना होगा। टीम को इस प्रदर्शन को आगे बढ़ाने की जरूरत है क्योंकि हमारे पास एक और मैच है। हमें यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि हम अच्छे से आराम करें और उस मुकाबले के लिए तैयार रहे। इस हार के साथ भारत का इस साल 12 मैचों का विजय अभियान भी थम गया। भारत का सामना अब कांस्य पदक के प्लेऑफ मुकाबले में लेबनान से होगा। फाइनल इराक और थाईलैंड के बीच खेला जायेगा।

मधुमेह रोगी को प्रतिदिन कितने कदम चलना चाहिए?

टाइप 2 मधुमेह का प्रबंधन करना और नियमित रूप से व्यायाम करना एक साथ चलता है। चलते रहें। टाइप 2 मधुमेह वाले किसी भी व्यक्ति के लिए एक मंत्र है, और ऐसा करने का सबसे अच्छा तरीका पैदल चलना और हर दिन आपके द्वारा उठाए जाने वाले कदमों पर नजर रखना है।

कई स्वास्थ्य समर्थक, साथ ही कई फिटनेस ऐप्स और डिवाइस, लोगों से प्रतिदिन 10,000 कदम चलने का लक्ष्य रखने का आग्रह करते हैं।

क्या अकेले घूमना एक प्रकार का वर्कआउट माना जा सकता है?

पैदल चलने के स्वास्थ्य लाभ

-बेहतर रक्त शर्करा नियंत्रण। जब आप चलते हैं तो आपका शरीर ग्लूकोज (चीनी) के रूप में ऊर्जा का उपयोग करता है। टाइप 2 मधुमेह के साथ, शरीर का रक्त शर्करा बहुत अधिक हो जाता है, लेकिन व्यायाम आपको उस शर्करा का उपयोग करने में मदद करता है और इसलिए, इसे कम करने में मदद करता है। वास्तव में, नियमित रूप से टहलना आपके AvC को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है।

डॉ. अशोक झिंगन

-वजन प्रबंधन

वजन कम करने के लिए आपको उपभोग की तुलना में अधिक कैलोरी जलाने की आवश्यकता होती है, और ऐसा करने के लिए स्वस्थ आहार उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि व्यायाम। वजन घटाने को बनाए रखने में मदद के लिए पैदल चलना एक बेहतरीन उपकरण है।

हृदय स्वास्थ्य में सुधार-मधुमेह से पीड़ित लोगों में हृदय रोग विकसित होने की संभावना उन लोगों की तुलना में दो से चार गुना अधिक होती है जिन्हें मधुमेह नहीं है। पैदल चलने से रक्तचाप को कम करने और खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करने में भी मदद मिल सकती है।

मूड में सुधार और तनाव से राहत

चलने से एंडोर्फिन, फील-गुड हार्मोन रिलीज होता है जो आपके मूड को अच्छा कर सकता है और तनाव से राहत दे सकता है। मधुमेह वाले लोगों में उदास होने का खतरा अधिक होता है, और चलना आपके भावनात्मक स्वास्थ्य की देखभाल के लिए एक उपकरण हो सकता है।

सहनशक्ति बढ़ाता है

पैदल चलना आपके फिटनेस स्तर और सहनशक्ति को बढ़ाता है।

-हड्डियों और मांसपेशियों को मजबूत बनाता है। नियमित रूप से चलने से आपकी मांसपेशियों और हड्डियों की ताकत में सुधार होता है, जो चोटों को रोकने में भी मदद करता है और एथलेटिक प्रदर्शन को बढ़ाता है।

-करता है, नहीं। अलग-अलग आयु समूहों के लिए चरण अलग-अलग होते हैं।

-प्रतिदिन 10,000 कदम चलने को लंबे समय से वयस्कों के लिए एक स्वस्थ और प्राप्त करने योग्य लक्ष्य के रूप में प्रचारित किया गया है। यह संख्या सभी के लिए उपयुक्त नहीं हो सकती, विशेषकर विभिन्न आयु समूहों के लिए।

-हालांकि, जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती है, हमारा शरीर बदलता है और इस लक्ष्य को पूरा करने की हमारी क्षमता अधिक चुनौतीपूर्ण हो सकती है। ऐसा कोई सख्त नियम नहीं है कि आपको ठीक 10,000 कदम पूरे करने होंगे। यह चलने के लाभों को प्राप्त करने के लिए पर्याप्त मात्रा में कदमों को दर्शाता है।

-आदर्श कदमों की संख्या व्यक्ति की उम्र, लिंग और शारीरिक फिटनेस स्तर के आधार पर अलग-अलग होगी। यथार्थवादी लक्ष्य निर्धारित करना और अपने शरीर की बात सुनना महत्वपूर्ण है।

रॉन्ग फिटिंग ब्रा से हो सकते हैं कई साइड इफेक्ट्स

कई महिलाएं जहां ब्रा पहनना पसंद करती हैं, तो वहीं कुछ के लिए यह परेशानी की वजह होती है। यह आपके ब्रेस्ट को सपोर्ट करने में मदद करती है। हालांकि, महिलाओं और उनकी ब्रा के बीच का रिश्ता काफी उलझा हुआ है। जहां एक ओर लंबे दिन के बाद ब्रा उतारकर काफी राहत मिलती है, तो वहीं दूसरी ओर ब्रेस्ट मैनेज करने के लिए इसे पहनने की जरूरत भी होती है। वजह जो भी हो, आपकी ब्रा पहले आरामदायक होनी चाहिए और फिर अगर आपको यह पसंद है, तो फैंसी होना चाहिए।

आरामदायक और फैंसी होने के साथ ही आपकी ब्रा का साइज भी काफी मायने रखता है। दरअसल, गलत साइज की ब्रा न सिर्फ आपके लिए परेशानी का सबब बन सकती है, बल्कि इसकी वजह से आपको कई सारी समस्याएं भी हो सकती हैं। अगर आप भी उन लोगों में से हैं, जो कई बार गलत साइज की ब्रा का इस्तेमाल करती हैं, तो आज हम आपको बताएंगे गलत साइज की ब्रा पहनने के कुछ नुकसानों के बारे में-

ब्रेस्ट और पीठ में दर्द

अगर आपकी ब्रा जरूरत से छोटी है, तो आपको बार-बार ब्रेस्ट, पीठ और पसलियों में दर्द का अनुभव हो सकता है। छोटे साइज की ब्रा आपके ब्रेस्ट और पीठ के आसपास बहुत कसकर फिट होती हैं, जिससे आपके स्तनों पर बहुत अधिक दबाव बनता है, जो अंत में दर्द और परेशानी का कारण बनता है। दूसरी ओर, अगर आप बड़े साइज की ब्रा पहन रही हैं, तो यह आपके स्तनों को सहारा नहीं देगी। इसकी वजह आपको दिनभर अपने ब्रेस्ट को संभालने में दिक्कत होगी, जो परेशानी भरा हो सकता है।

ब्रेस्ट का लटकना

खराब फिटिंग वाली ब्रा पहनने से स्तनों को पर्याप्त सहारा नहीं मिलता, जिससे स्तन ढीले पड़ सकते हैं और उनकी त्वचा डैमेड हो सकती है या खिंचाव के निशान हो सकते हैं।

अक्सर महिलाएं ऐसी ब्रा पहनती हैं, जो इतनी बड़ी होती हैं कि ब्रेस्ट को को ऊपर उठाने और सपोर्ट करने में कारगर नहीं होती और इसकी वजह से स्तन ढीले होकर लटकने लगते हैं। स्तनों का ढीला होना आमतौर पर कुछ महिलाओं के लिए सामान्य बात है या उम्र और हार्मोन के कारण भी ऐसा हो सकता है। हालांकि, अगर यह उम्र में बहुत कम उम्र में होता है, तो काफी संभावना है यह ब्रा के कारण होता है। यह ब्रा के गलत साइज और खराब शारीरिक मुद्रा का एक वॉर्निंग साइन हो सकता है।

कंधे पर झनझनाहट

टाइट ब्रा पहनने ये इसकी स्ट्रेप्स की वजह से आपके कंधों पर खरोंच और चकत्ते हो सकते हैं। ब्रा की स्ट्रेप्स आमतौर पर ब्रेस्ट के वजन को कैरी करने में मदद करती हैं, जो इन्हें लटकने से रोकता है। लेकिन अगर आपकी ब्रा आपके स्तनों के लिए बहुत छोटी है, तो आपके स्तन के वजन के कारण ब्रा की स्ट्रेप्स बहुत अधिक खिंच जाती हैं, जिससे त्वचा रगड़ती रहती हैं, जो खरोंज और चकत्ते की वजह बनते हैं। इससे कंधे,गर्दन और पीठ में दर्द का कारण बन सकता है। इसके अलावा, अगर आप टाइट तार वाली ब्रा पहनती हैं, तो तार आपके स्तन के नीचे की त्वचा में धंस सकता है, जिससे दर्दनाक चकत्ते पड़ सकते हैं।

खराब शारीरिक मुद्रा

स्तनों का ढीला होना और गर्दन, कंधे और पीठ में दर्द आपके शरीर की मुद्रा को प्रभावित कर सकता है, क्योंकि इसकी वजह से आपके कंधे झुक सकते हैं और पीठ मुड़ सकती है। खराब शारीरिक मुद्रा आपके पूरे शरीर को प्रभावित करती है। इससे चेहरे की मांसपेशियां सख्त हो जाती है, जिससे जबड़े में दर्द और सिरदर्द होता है। साथ ही इसकी वजह से सांस लेने में तकलीफ भी होती है। इसके अलावा खराब शारीरिक मुद्रा आपके आत्मविश्वास पर भी असर डालती है।

ब्रेस्ट कैंसर को ट्रिगर करे

गलत साइज की ब्रा पहनने का सबसे बड़ा नुकसान ब्रेस्ट कैंसर का ट्रिगर होना है। दरअसल, छोटा साइज की ब्रा पहनने से ब्रेस्ट में ब्लड फ्लो कम हो सकता है, जिसका गंभीर परिणाम स्तन कैंसर है। हालांकि, गलत आकार की ब्रा शायद ही कभी स्तन कैंसर का कारण बनती है, फिर भी हमें जोखिम क्यों लेना चाहिए?

सोने का गलत तरीका बिगाड़ सकता है आपकी सेहत

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए हर रात को 7-9 घंटे की नींद लेना सभी के लिए जरूरी है। यह आपको शारीरिक और मानसिक दोनों तरह से स्वस्थ रखने के लिए आवश्यक है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, सोने के समय के साथ इसके सही तरीके का ध्यान रखना भी सभी लोगों के लिए आवश्यक हो जाता है। सोने की अलग-अलग स्थिति आपके कंधों, गर्दन और रीढ़ की हड्डी पर प्रभाव डालती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, गलत तरीके से सोने के कई दुष्प्रभाव हो सकते हैं, इसलिए जरूरी है कि हम सभी सोने के सही तरीके के बारे में जानें और इसका पालन करें।

सोने के सही तरीके का मतलब उस मुद्रा से है जो आपके मांसपेशियों, तंत्रिकाओं को आराम देती है। इतना ही नहीं अध्ययनकर्ताओं ने यहां तक बताया कि अगर आप सही तरीके से सोते हैं तो यह स्लीप एपनिया और खर्राटे आने की समस्या को भी कम कर सकती है।

खराब मुद्रा

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, सोने-बैठने के गलत तरीके के कारण पूरी सेहत पर कई प्रकार से नकारात्मक असर हो सकता है। यह शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बाधित करने वाली समस्या भी हो सकती है। खराब मुद्रा के कारण तनाव की समस्या से लेकर, मांसपेशियों में कमजोरी और लचीलापन, गर्भावस्था और मोटापे की भी दिक्कत हो सकती है।

-खराब मुद्रा के कारण मांसपेशियों या लिगामेंट में खिंचाव भी आ जाता है जो गंभीर दर्द और असहजता की स्थिति का कारण बनती है।

सोने का सही तरीका बहुत जरूरी

स्वास्थ्य विशेषज्ञ के अनुसार औसतन हम अपने जीवन का लगभग एक तिहाई हिस्सा लेटकर या सोते हुए बिताते हैं। जैसे-जैसे आपकी उम्र बढ़ती है, रोजमर्रा के दर्द और तकलीफों को कम करने के लिए सोने के सही तरीके के बारे में जानना बहुत आवश्यक हो जाता है। आइए जानते हैं कि किस तरीके से सोने का आपके शारीरिक स्थिति पर क्या असर हो सकता है?

करवट लेकर सोना

अधिकांश लोग करवट लेकर सोना पसंद करते हैं। अध्ययनों से पता चलता है कि वयस्क अपना आधे से अधिक समय करवट लेकर सोने में बिताते हैं। ऐसा माना जाता है कि उम्र बढ़ने के साथ-साथ यह अधिक सामान्य हो जाता है क्योंकि आपकी रीढ़ की हड्डी में लचीलापन कम हो जाता है। करवट लेकर या अपने पैरों को मोड़कर सोने से आपके वायुमार्ग को खुला रखने में मदद मिलती है। इससे खर्राटों और हल्के स्लीप एपनिया को भी कम किया जा सकता है।

पीठ के बल सोना

आपकी नींद की मुद्रा को बेहतर बनाने के लिए पीठ के बल सोना सबसे अच्छी स्थिति मानी जाती है। यह बेहतर संरेखण को बढ़ावा देने के साथ बाहों और पैरों पर दबाव कम करता है। गर्दन या पीठ दर्द से पीड़ित लोगों को विशेषकर पीठ के निचले हिस्से में दर्द की समस्या को कम करने के लिए पीठ के बल सोना सबसे लाभकारी माना जाता है।

नीम की पत्तियों में मौजूद मिनिरल्स दिलाएंगे एनीमिया से राहत

नीम के पूरे पेड़ को ही आयुर्वेद का खजाना माना जाता है, इसकी पत्तियां, तना, फल और फूल सभी सेहत के लिए काफी फैयदेमंद है, लेकिन आज हम बात करेंगे इसकी पत्तियों के बारे में, बता दें कि नीम की पत्तियों में कई ऐसे औषधीय गुण पाए जाते हैं जो सेहत को कई समस्याओं से दूर रख सकते हैं। नीम स्वाद में तीखा और कड़वा होता है, लेकिन अगर नीम का रोज खाली पेट सेवन किया जाए तो कई समस्याओं को दूर किया जा सकता है।

नीम के पत्तियां चबाने के बड़े फायदे

क्या आप जानते हैं कि अगर हर सुबह नीम की 5 से 6 पत्तियों को चबाया जाए तो सेहत के लिए बहुत से फायदे हो सकते हैं। नीम की पत्तियां शरीर के अंदरूनी और बाहरी दोनों हिस्सों के लिए लाभदायक है।

खून की कमी होगी दूर

खाली पेट नीम के पत्ते खाने से सेहत को कई फायदे हो सकते हैं। बता दें कि जो लोग खून की समस्या से परेशान रहते हैं वो अपनी दिन की शुरुआत नीम के साथ करें। ऐसा करने से एनीमिया की समस्या से राहत मिल सकती है। दरअसल इन पत्तियों में आयरन, जिंक , मैग्निशियम, जैसे मिनरल्स पाए जाते हैं, जो हीमोग्लोबिन के निर्माण में अहम रोल अदा करते हैं।

स्किन के लिए फायदेमंद

स्किन में नेचुरल ग्लो बढ़ाने में नीम की पत्तियां आपके बेहद काम आ सकती हैं। ऐसे में आप खाली पेट नीम की पत्तियों को अच्छे से धोकर चबाएं। ऐसा करने से न सिर्फ त्वचा की समस्या से राहत मिल सकती है बल्कि कील-मुंहासे और दाग धब्बों भी दूर सकते हैं।

इम्यूनिटी होगी बूस्ट

आज के समय में इम्यूनिटी का मजबूत होना बेहद जरूरी है। ऐसे में आप खाली पेट नीम के पत्तों को खाएं। ऐसा करने से न सिर्फ रोग प्रतिरोधक को बढ़ाया जा सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि एंटी-ऑक्सीडेंट, एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-इंफ्लेमेट्री, एंटी-फंगल आदि गुण पाए जाते हैं, जिससे शरीर को कई संक्रमण से दूर रखा जा सकता है।

गोदावरी के किनारे बसा है खूबसूरत पंचवटी जहां भगवान राम बिताये थे कई साल

ब्रह्मपुराण में गोदावरी की महिमा के बारे में बताया गया है। महर्षि गौतम ने शंकर जी की कृपा से पृथ्वी पर इन्हें अवतरित किया। एक पुराण के अनुसार एक ब्रह्माणी योगाभ्यास करते-करते गोदावरी बन गई। गोदावरी पश्चिम घाट त्र्यम्बक पर्वत से निकल कर बंगाल की खाड़ी में मिल जाती है। आयुर्वेद के अनुसार इसका जल औषधि है। ब्रह्मपुराण में कहा गया है कि गोदावरी के तट पर हर चार अंगुल पर तीर्थ हैं। गोदावरी की सात धाराएं निकलती हैं जिनके नाम हैं- वशिष्ठा, कौषिकी, बृद्ध, गौतमी, भारतद्वाजी, आत्रेयी और तुल्या। गोदावरी के प्रमुख तीर्थों में नासिक की महिमा बहुत मानी जाती है। यहां पर त्र्यम्बकेश्वर की गणना द्वादश-ज्योतिर्लिंग में की जाती है। भगवान राम ने यहीं पंचवटी में वनवास के कई साल बिताये थे। यहीं से सीता का हरण हुआ था। प्रत्येक बारह वर्ष पर जब बृहस्पति सिंह राशि में होते हैं तो नासिक में कुम्भ पर्व होता है। मुंबई से दिल्ली जाने वाले मार्ग पर नासिक रोड़ प्रसिद्ध स्टेशन है। नासिक और पंचवटी वास्तव में दोनों एक नगर हैं। गोदावरी दोनों के बीच से बहती है। दोनों ही तटों पर तीर्थों की भरमार है। गोदावरी त्र्यम्बक के पास से निकलती है। वर्षा के बाद यहां बहुत अधिक जल नहीं रहता। गोदावरी पर कई पुल बने हैं। गोदवरी में रामकुण्ड, सीताकुण्ड, लक्ष्मणकुण्ड, धनुषकुण्ड आदि अनेक तीर्थ हैं। स्नान का मुख्य स्थान रामकुण्ड है। रामकुण्ड में कुछ दूरी पर अरुणा की धारा गोदावरी में गिरती है। इसे अरुणा संगम कहते हैं। इसके पास सूर्य, चंद्र, अश्विनी तीर्थ हैं। लोग यहां कपड़े पहनकर स्नान करते हैं। रामकुण्ड के पीछे सीताकुण्ड है। पास में द्विमुखी हनुमान की प्रतिमा है। वहीं हनुमान कुण्ड, दशाश्वमेध तीर्थ हैं। पास में नारो शंकर मंदिर है। उसके आगे पेशवा कुण्ड, खण्डोवा कुण्ड, ओक कुण्ड, वैशम्पायन कुण्ड, इन्द्र कुण्ड, मुक्तेश्वर कुण्ड हैं। इसी गोदावरी में अहिल्या संगम तीर्थ है। सभी कुण्डों पर स्नान-ध्यान, पिण्डदान और तर्पण किये जाते हैं। रामकुण्ड के ऊपर गंगाजी का मंदिर है। पास में गोदावरी मंदिर है। यह बारह वर्ष में केवल एक बार खुलता है। मंदिर के सामने बाणेश्वर शिवलिंग है। पास ही राम मंदिर है जिसे अहिल्याबाई ने स्थापित किया था। वहीं कुछ सीढ़ी ऊपर कपालेश्वर शिव मंदिर है। कपालेश्वर से दो फर्लांग की दूरी पर विशाल राम मंदिर काले पत्थर से निर्मित है। वहीं पंचवटी है जहां पांच बरगद के वृक्ष हैं। बरगद के वृक्ष के पास सीता गुफा है। सीता गुफा के पास ही भगवान नटराज की मूर्ति है। पास में ही राम गया तीर्थ है। पंचवटी के पुल के पास सुन्दरनारायण भगवान की मूर्ति है। यहां के प्रसिद्ध अन्य मंदिर निम्न हैं- उमा महेश्वर, नील कण्ठेश्वर, पंचरत्नेश्वर, गोराराम मंदिर, मुरलीधर, तिलभाण्डेश्वर, भद्रकाली, एकमुखदन्त एवं मुक्तेश्वर की अत्यन्त सुंदर कलापूर्ण मंदिर हैं। जहां गोदावरी में कपिला नामक नदी मिलती है वही तपोवन है। यहीं शूर्पणखा की नाक लक्ष्मण ने काटी थी। यहां आठ तीर्थ हैं- ब्रह्म तीर्थ, शिव तीर्थ, विष्णु तीर्थ, अग्नि तीर्थ, मुक्ति तीर्थ, कपिला तीर्थ और संगम तीर्थ। इन तीर्थों के पास कई मंदिर हैं। नासिक से दस किमी की दूरी पर गंगापुर प्रपात है लेकिन अब यह प्रप्रात लुप्त हो गया है लेकिन यहां अनेक छोटे-छोटे तीर्थ हैं। थोड़ी दूरी पर सीता सरोवर है जहां चार-पांच कुण्ड हैं। नासिक से कुछ दूरी पर हाकली गांव में समर्थ रामदास द्वारा स्थापित हनुमान जी की मूर्ति है जो गोबर द्वारा निर्मित है। थोड़ी दूर पहाड़ी पर रामशैय्या है। वहां दो-तीन गुफाएं हैं। पाण्डव गुफा नासिक से कुछ दूरी पर है। यहां कुल 23 गुफाएं हैं। यहां हर गुफा में बुद्ध की मूर्ति है। तीफाड़ तहसील में मृगव्याधेश्वर शिव मंदिर हैं। कहते हैं भगवान राम ने मारीच को यहीं मारा था। नासिक से 40 किमी की दूरी पर जटायु क्षेत्र है जहां जटायु का अंतिम संस्कार किया गया था।

पर्यटकों को आकर्षित करती हैं दिल्ली के ऐतिहासिक स्मारक और लजीज व्यंजन

भारत की राजधानी दिल्ली, उत्तर भारत में स्थित एक शानदार शहर है जो अपनी ऐतिहासिक महत्वपूर्णता, सांस्कृतिक धरोहर और विविधता के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ पर्यटन स्थलों का अद्वितीय संगम है जो आपको भारतीय संस्कृति और इतिहास की गहराईयों में ले जाता है। यहाँ की विविधता, धरोहर और खानपान का संगम आपके पर्यटन अनुभव को एक यादगार बना देगा। इस पर्यटन स्थल का आनंद लें और दिल्ली की खासियत को महसूस करें।

पुरानी दिल्ली का ऐतिहासिक महत्व- पुरानी दिल्ली दुनिया भर में अपने ऐतिहासिक स्मारकों के लिए प्रसिद्ध है। लाल किला, जो भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के समय के महत्वपूर्ण संदर्भों के लिए जाना जाता है, यहाँ के प्रमुख आकर्षणों में से एक है। जामा मस्जिद भी दर्शनीय है, जो मुगल साम्राज्य के दौरान बनाई गई थी। इसके अलावा पुरानी दिल्ली के बाजार और खानपान की मशहूर दुकानों वाली गलियां भी पर्यटकों को आकर्षित करती हैं।

राष्ट्रीय संग्रहालय: सांस्कृतिक धरोहर का खजाना- दिल्ली के राष्ट्रीय संग्रहालय में आपको भारतीय सभ्यता की विविधता का अद्वितीय प्रस्तुतिकरण मिलेगा। यहाँ आपको चित्रकला, मूर्तिकला, वस्त्रकला और शिल्पकला की श्रेष्ठता का पता चलेगा, जिससे आपको भारतीय सांस्कृतिक धरोहर की समृद्धि का अनुभव होगा।

खानपान का स्वाद: दिल्ली की मिठास और विविधता- दिल्ली की गलियों में घूमकर आपको लजीज व्यंजनों का अद्वितीय अनुभव होगा। यहाँ आपको स्थानीय के अलावा राजस्थानी, पंजाबी, मुगलई और दक्षिण भारतीय व्यंजनों का आनंद लेने का मौका मिलेगा। इसके अलावा अनुमति मिलने पर आप राष्ट्रपति भवन और संसद भवन भी देख सकते हैं। साथ ही कर्तव्य पथ, इंडिया गेट, प्रधानमंत्री संग्रहालय, संसद संग्रहालय आदि के अलावा भी दिल्ली में काफी दर्शनीय स्थल हैं। दिल्ली में करोल बाग, सरोजिनी नगर, लाजपत नगर आदि बाजार भी आपको नया ही अनुभव कराएंगे।

बदरंग हुई गंगा घाटों की स्थिति, वाराणसी नगर निगम के भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रही नमामि गंगे परियोजना!

जब से गंगा घाटों की सफाई की जिम्मेदारी नगर निगम ने उठाई तब से स्थिति बद से बदतर

प्रखर वाराणसी। प्रधानमंत्री के ड्रीम प्रोजेक्ट नमामि गंगे परियोजना के तहत गंगा घाटों की सफाई होती है। वही जब से गंगा घाटों की सफाई की जिम्मेदारी वाराणसी नगर निगम ने उठाया है, तब से अब तक गंगा घाटों की स्थिति और भी बद से बदतर होती जा रही है। इन दिनों वाराणसी के खूबसूरत घाटों पर गंदगी का धब्बा लग गया है। बाढ़ का पानी उतरने के कई दिन बाद भी वाराणसी के लगभग सभी घाटों पर हर तरफ सिल्ट का अंबार देखने को मिल रहा है। घाटों पर जमे इस सिल्ट के कारण पर्यटकों को भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं गंगा स्नान करने वाले श्रद्धालु भी परेशान है। वाराणसी के अस्सी घाट से सटे रीवा घाट, तुलसी घाट, जैन घाट, निरंजनी घाट, चेतसिंह घाट, शिवाला घाट सहित दूसरे घाटों पर भारी मात्रा में सिल्ट के अंबार देखने को मिल रहे है। घाटों की सीढ़ियों पर जमे इन सिल्ट के कारण पर्यटकों के साथ श्रद्धालुओं को भी खासी परेशानी हो रही है। नगर निगम के अधिकारी एन पी सिंह का कहना है कि कि वाराणसी में गंगा का जलस्तर अभी कम हुआ है। लेकिन अनुमान है कि फिर से पानी का जलस्तर बढ़ सकता है। जिसके कारण अभी युद्ध स्तर पर सफाई अभियान नहीं चलाया जा रहा है। हालांकि जिन घाटों पर पर्यटकों की आवाजाही है वहां सफाई का काम जारी है। गंगा का जलस्तर नहीं बढ़ा तो सभी घाटों पर सफाई का काम तेजी से कराया जाएगा। वहीं स्थानीय लोगो का कहना है कि घाटों पर जमे सिल्ट के कारण आये दिन पर्यटकों को परेशानी हो रही है और लोग इस सिल्ट में धंस जा रहें है। घाटों पर जमे सिल्ट के कारण स्नान करने वाले श्रद्धालुओं ने भी दूरी बनाई है। बता दें कि वर्तमान में गंगा घाटों की सफाई की जिम्मेदारी नगर निगम ने खुद उठाई है, लेकिन जब से नगर निगम ने गंगा घाटों की सफाई की जिम्मेदारी उठाई है। तब से गंगा के सभी घाट बदहाल नजर आ रहे हैं। श्रद्धालु आए दिन इन घाटों पर फिसल कर गिरते हैं या फिर उस सिल्ट में धंस जाते हैं, जो हटाई नहीं गई। सवाल यह है कि आखिरकार गंगा घाटों की सफाई की जिम्मेदारी नगर निगम द्वारा उठाने के बाद भी गंगा घाटों की स्थिति इस तरह क्यों है? इसके पूर्व गंगा घाटों की सफाई के लिए टेंडर निकलकर किसी प्राइवेट संस्था को सफाई की जिम्मेदारी दी गई थी। लेकिन उस संस्था को इसलिए हटा दिया गया कि वह ठीक से गंगा घाटों की सफाई नहीं कर पा रही थी। वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि जब से गंगा घाटों की सफाई की जिम्मेदारी नगर निगम ने उठाया है, तब से घाटों की स्थिति और भी बदतर होती जा रही है। सूत्रों का कहना है कि सफाई सिर्फ कागजों में होती है और पैसे का बंदरबांट कर लिया जाता है। प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र के ड्रीम प्रोजेक्ट नमामि गंगे परियोजना का यह हश्र चिंतनीय है। अब देखना यह है कि यह गंभीर मामला उच्च अधिकारियों के संज्ञान में आता है या फिर उनके भी कान बंद ही रहते है।

अजय प्रताप सिंह के नेतृत्व में सभी वार्डो में आजादी के 75 वर्ष अमृत महोत्सव के अंतर्गत मेरी माटी मेरा देश अभियान का कार्यक्रम किया गया

प्रखर रामनगर वाराणसी। भारतीय जनता पार्टी मंडल रामनगर आज दिनांक 9 सितम्बर 2023 दिन शानिवार को सुबह 10 बजे से मंडल अध्यक्ष अजय प्रताप सिंह के नेतृत्व में सभी वार्डो में में आजादी के 75 वर्ष अमृत महोत्सव के अंतर्गत मेरी माटी मेरा देशै अभियान का कार्यक्रम किया गया जिसमें घर घर जाकर देश की आजादी में शहीद उन सभी जवानों के शौर्य, साहस और वीरता को नमन वंदन करते हुए। संकल्पित अक्षत (कच्चा चावल) चुटकी भर कलश में एकत्रित किया गया। कलश यात्रा के दौरान मंडल अध्यक्ष अजय प्रताप सिंह ने कहा 'अमृत वाटिका' बनाने के लिए 7500 कलशों में देश के कोने-कोने से मिट्टी व अक्षत लेकर 'अमृत कलश यात्रा' निकाली जा रही है।यह 'अमृत वाटिका' 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक होगी। कलश यात्रा के दौरान एक पंचप्रण का संकल्प जिसमे भारत को एक विकसित देश बनाने, गुलामी की मानसिकता को खत्म करने, हमारी समृद्ध विरासत पर गर्व करने, एकता एवं एकजुटता बनाए रखने, नागरिक के रूप में कर्तव्यों को पूरा करने और देश की रक्षा करने वालों का सम्मान करने पर ध्यान केन्द्रित करते हुए पंच प्रण का संकल्प भी लेंगे। अभियान में उपस्थित मंडल अध्यक्ष अजय प्रताप सिंह महानगर मंत्री अनुपम गुप्ता, पार्षद अमित सिंह 'चिंटू' पार्षद लल्लन सोनकर पार्षद श्रीमती मोनिका यादव , अशोक जायसवाल, पंकज बारी बबलू साहनी धीरेन्द्र प्रताप सिंह कंचन निषाद सूचित पाठक अभिषेक सिंह, संजय बाल्मिकी अमृता दुबे राजाराम खरवार, विशाल आनंद दीपक श्रीवास्तव, गोपाल शर्मा, प्रमोद बघेल आकाश साहनी सनोज साहनी आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

मंडुवाडीह थाने के मड़ौली चौकी प्रभारी अजय यादव रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार

प्रखर वाराणसी। एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने शनिवार को मंडुवाडीह थाने के मड़ौली चौकी प्रभारी अजय कुमार को रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार किया। एक मुकदमे में धारा बढ़ाने के नाम पर दरोगा अपनी ही चौकी में 25 हजार रुपये रिश्वत ले रहे थे। टीम ने कैंट थाने में दरोगा के खिलाफ केस दर्ज किया है। रविवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा। भेलूपुर थाना क्षेत्र के संत गोपालनगर निवासी किशनदास खन्ना ने अपने साथ हुई धोखाधड़ी का मुकदमा मंडुवाडीह थाने में दर्ज कराया था। मामला मड़ौली चौकी क्षेत्र का होने के कारण चौकी प्रभारी अजय यादव को केस की विवेचना दी गई। अजय यादव ने विवेचना में आरोपी के खिलाफ धारा बढ़ाने और केस को मजबूत करने के नाम पर 25 हजार की मांग की थी। वादी ने रुपये देने से इंकार तो चौकी प्रभारी अजय यादव ने फाइनल रिपोर्ट लगाने की बात कही। इस पर किशनदास ने भ्रष्टाचार निवारण संगठन की वाराणसी यूनिट से संपर्क किया और पूरी बात बताई। भ्रष्टाचार निवारण संगठन की टीम ने किशनदास को केमिकल लगे हुए 25 हजार रुपये के नोट दिए। चौकी प्रभारी अजय यादव ने नोट पकड़ा ही था कि भ्रष्टाचार निवारण संगठन की वाराणसी यूनिट के प्रभारी नीरज कुमार सिंह की टीम ने उसे दबोच लिया। कैंट थाने में मुकदमा दर्ज कर आरोपी दरोगा के हवालात में डाला गया है। रविवार को उसे कोर्ट में पेश किया जाएगा।

टीके से वंचित हर बच्चों और गर्भवती का टीकाकरण कराएं : सीएमओ

प्रखर कुशीनगर। नियमित टीकाकरण से वंचित बच्चों और गर्भवती को टीका लगाने के लिए 11 सितम्बर से विशेष अभियान का शुभारंभ होगा। जो 16 सितम्बर तक चलेगा. मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.सुरेश पटारिया ने कहा कि टीकाकरण से वंचित बच्चों और गर्भवती को प्रतिरक्षित करने के उद्देश्य से ' सघन मिशन इन्द्र धनुष-5-0' का आयोजन किया जा रहा है। जिसके तहत दूसरे चरण का अभियान 11 सितम्बर दिन सोमवार से चलेगा। इस अभियान के माध्यम से गर्भवती तथा 0-5 वर्ष तक के बच्चों को 12 विभिन्न बीमारियों से जैसे- तपेदिक, गलागोटू, टिटनेस, काली-खांसी, इन्फ्लूएंजा, हेपेटाइटिस बी, खसरा, रूबेला, दिमागी बुखार(जापानी इंसेफलाटिस) निमोनिया, पोलियो एवं रोटा वायरस जनित डायरिया से बचाव के लिए पूर्णतः प्रतिरक्षित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उक्त बारह बीमारियों से बच्चों को बचाने के लिए पांच साल में सात बार टीकाकरण जरूरी है। यह टीकाकरण पूरी तरह से सुरक्षित और असरदार है। गर्भवती तथा बच्चों में प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाला है। इस लिए टीकाकरण को अपनाने की जरुरत है। प्रत्येक बच्चे को सभी टीकों की सभी खुराकें सही समय पर दी जानी आवश्यक है। मिजिल्स रूबेला जैसी गंभीर बीमारियों के दिसम्बर 2023 तक उन्मूलन के लक्ष्य के दृष्टिगत टीकाकरण और भी आवश्यक हो जाता है। सीएमओ ने जन सामान्य से अपील कि है कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा बच्चों और गर्भवती के उत्तम स्वास्थ्य के लिए चलाए जाने वाले लाभकारी अभियान ' सघन मिशन इन्द्रधनुष 5-0 ' की सफलता के लिए पूर्ण मनोयोग से सहयोग करें। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से भी अनुरोध किया है कि इस अभियान में अपनी सक्रिय सहभागिता से इसे जनान्दोलन का स्वरूप प्रदान करें। शत प्रतिशत टीकाकरण के लिए सरकारी विभागों, गैर सरकारी संस्थाओं, स्वयं सेवी संगठनों, प्रबुद्धजनों, धर्मगुरूओं, युवाओं और अभिभावकों से भी सहयोग लिया जाए। ताकि प्रदेश के हर बच्चे को जानलेवा बीमारियों से बचाया जा सके। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ.संजय गुप्ता ने बताया कि इस समय डिप्थीरिया नाम की बीमारी जिले में पांव पसार रही है। कुछ बड़े बच्चो में डिफ्थीरिया के लक्षण पाए गए इन बच्चो को 5 साल की उम्र, 10 साल की उम्र और 16 साल की उम्र पर लगने वाला डीपीटी /टीडी टीका नही लगा था। डिप्थीरिया और खसरा एक जानलेवा बीमारी है, जिससे बचने के लिए एक मात्र उपाय टीकाकरण है। डिप्थीरिया के लिए पेंटा और डीपीटी लगाते है। खसरा के लिए मिजिल्स रूबेला (एमआर)। शत प्रतिशत नियमित टीकाकरण के लिए 11 से 16 सितम्बर तक चलने वाले सघन मिशन इन्द्रधनुष अभियान में टीके से वंचित बच्चों का टीका नजदीक के स्वास्थ्य उपकेन्द्र पर जाकर जरूर लगवा लें। अगर टीकाकरण से एक भी बच्चा छूट जाएगा तो सुरक्षा चक्र टूट जाएगा। यह टीका सरकारी प्रावधान के तहत लगाया जाता है।

29 नवम्बर से होगा रजवटिया में श्री महा विष्णु यज्ञ, हुआ निर्णय

आचार्य धर्मेंद्र शास्त्री की देखरेख में यज्ञ समिति का हुआ गठन, 7 दिसम्बर को पूणार्हुति के साथ होगा यज्ञ का विसर्जन

प्रखर कुशीनगर। रजवटिया के ग्रामीणों की हुई बैठक में श्री महा विष्णु यज्ञ कराने पर आम सहमति बनी। जिसके बाद 29 नवम्बर से कलश यात्रा के साथ 7 दिसंबर को पूणार्हुति के बाद यज्ञ का विसर्जन कार्यक्रम निर्धारित किया गया और बाद यज्ञ समिति का गठन किया गया। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत रविवार को सुबह 10 बजे रजवटिया शिव हनुमान मंदिर पर अयोध्या धाम से पधारे आचार्य धर्मेंद्र शास्त्री की देखरेख में ग्रामीणों की बैठक हुई, जिसमे आचार्य के द्वारा मन्दिर पर श्री महाविष्णु यज्ञ कराने का प्रस्ताव किया गया । ग्रामीणों की सहमति के बाद 29 नवम्बर से कलश यात्रा के साथ यज्ञ का शुभारंभ व 7 दिसंबर को पूणार्हुति के साथ विसर्जन कार्यक्रम निर्धारित किया गया। बाद में सर्वसम्मति से यज्ञ समिति का गठन कर ग्राम प्रधान श्री राम पासवान को अध्यक्ष व शिवनरायन सिंह को कोषाध्यक्ष, विनोद सिंह, रणजीत सिंह, मदन प्रसाद, विजय सिंह, शिवजी कुशवाहा, प्रभुनाथ राव, रविन्द्र राव, मैनेजर सिंह, रामजी सिंह, प्रेमशंकर सिंह, सुभाषचंद्र चौहान आदि ग्रामीणों को महत्वपूर्ण पदों की जिम्मेदारी दी गयी। इस दौरान रमाशंकर सिंह, राजेंद्र सिंह, तुलसी गुप्ता, संदीप सिंह, शम्भू सिंह, जगरनाथ प्रसाद, रजई गुप्ता, विद्धु शर्मा, मोहन प्रसाद, पारस चौहान, नूरहसन, अमीरुल्लाह आदि ग्रामीण मौजूद रहे।

किसान संघर्ष समिति द्वारा किया गया किसान महापंचायत का आयोजन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। किसान संघर्ष समिति के तत्वाधान में किसान महा पंचायत का आयोजन 10 सितम्बर 2023 रविवार कों बाझियाबारी-हरहुआ वाराणसी में किया गया वर्ल्ड एक्सपो सिटी योजना के लिए किसानों ने कहा नहीं देंगे एक इंच जमीन ` किसान महापंचायत को संबोधित करते हुए किसान नेता अशोक प्रजापति ने कहा की वर्ड एक्सपो सिटी योजना के तहत जो 10 गांव की जमीन का अधिग्रहण आवास विकास परिषद 1965 अधिनियम के तहत ले रही है किसान भाई इसका विरोध कर रहे हैं एक इंच भी जमीन किसान भाई किसी भी कीमत पर देने को तैयार नहीं है वह शासन- प्रशासन से हर तरह से लड़ने के लिए तैयार हैं अभी तक इस योजना के तहत जिलाधिकारी को पत्रक दिया जा चुका है कि इस योजना योजना को रद्द किया जाए` इस योजना को रद्द करने के लिए ढाई से 3000 आपत्तियां आवास विकास परिषद को दिया जा चुका है आगे भी आपत्ति देने का क्रम चलता रहेगा ऐसे ही वैदिक सिटी योजना, काशी द्वारा योजना , वरुणा विहार जोन व लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा विस्तार योजना के तहत किसानो की जमीन का अधिग्रहण औने- पौने दाम पर करना चाह रही है सरकार जिसका किसान भाई पुरजोर विरोध कर रहे हैं सभा को संबोधित करते हुए नीलू सिंह ने कहा कि सड़क से लेकर सदन तक इस लड़ाई को लड़ेंगे हम किसान भाई अपनी जमीन नहीं देंगे` उक्त बैठक की अध्यक्षता धर्मेंद्र सिंह ने किया वाजिदपुर के प्रधान लालमन यादव ने कहा कि वर्ल्ड एक्सपो सिटी से प्रभावित सभी किसानों को हर गांव में एकत्रित कर-के इस योजना को रद्द करने के लिए एकत्रित किया जाएगा और संगोष्ठी किया जाएगा` उक्त बैठक में दिनेश पटेल, बाबूलाल यादव, विनोद यादव , संजय पटेल, राजकुमार गुप्ता, आकाश पटेल, गीता पटेल, संगीता पटेल, लालमणि देवी इत्यादि लोक उपस्थित रहे ` कार्यक्रम का संचालन मोदी यादव ने किया।

सपा नगर इकाई की मासिक बैठक संपन्न

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। सपा जिला अध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी के निर्देश पर नगर के कैंप कार्यालय सत्यानगंज पुराने पोखरा के पास सपा कार्यकताओं ने नगर अध्यक्ष मुमताज अहमद के नेतृत्व में बैठक की। जिसमे नगर के विभिन्न समस्याओं पर चर्चा हुई। मतदाता सूची में नाम जोड़ने व कटवाने का कार्य , बुथ कमेटी का गठन करने पर चर्चा, जोनल प्रभारी व सेक्टर प्रभारी बूथ अध्यक्षों के साथ जन चौपाल लगाने का कार्य पर चर्चा, सभी पदाधिकारी घर पर पार्टी का झंडा व नेम प्लेट लगाने का कार्य ,पशुओं में फैल रहे लंबी रोग के रोकथाम के लिए टीकाकरण पर चर्चा, नगर संगठन को वार्ड तक खड़ा करने पर चर्चा ,मांग पत्र सौपने पर चर्चा किया गया इस दौरान प्रशांत अग्रहरि नगर प्रभारी ,सदानंद यादव, प्रदीप कसेरा, रंजीत यादव, इरफान अंसारी, शिवकुमार भारती, हाफिज रौशन ,मो.इस्लाम, राजेश मौर्या, इरफान टेलर ,अनिल केसरी, जावेद अनवर, विजय यादव ,कमलेश श्रीवास्तव ,सफीक अहमद, शमशेर ,किस्मत कुशवाहा, अब्दुल समद ,शौकत अली, मो.अजीम, इमरान अहमद ,साबिर अली ,साहिल, रमजान अली, गुलाम मुस्तफा ,बरकत अली, मुस्तेहसन, आदि रहे।

संक्षिप्त खबरें

पर्यटन मंत्री ने की जनसुनवाई, कैण्ट विधायक सौरभ श्रीवास्तव ने किया स्वागत

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। विधायक कैन्ट सौरभ श्रीवास्तव ने संसदीय जनसंपर्क कार्यालय पहुंचने पर प्रदेश के पर्यटन मंत्री व काशी के प्रभारी मंत्री जयवीर सिंह का स्वागत किया प्रत्येक बुधवार को स्वयं जनसुनवाई करने वाले विधायक आज फरियादी की भूमिका में थे विधायक ने फरियादी की भांति पर्यटन मंत्री से भेंट की और अपने क्षेत्र की पर्यटन विकास की परियोजनाओं के लिए लिखित निवेदन दिया` विधायक के साथ आए भगवानपुर के पार्षद अमित सिंह चिंटू व भगवानपुर के अन्य लोगों ने सामनेघाट पर पक्का घाट स्वीकृत करने के लिए मंत्री जी का अभिनंदन किया और उनके प्रति जताया आभार।

इनरव्हील क्लब ऑफ वाराणसी स्पार्कलिंग स्टार की महिलाओं ने धूमधाम से मनाया तिजोत्स्व जमकर की मस्ती

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। इनरव्हील क्लब ऑफ वाराणसी स्पार्कलिंग स्टार की महिलाओं द्वारा कैण्टोनमेण्ट स्थित होटल कम्फर्ट इन में मनाया गया तिजोत्स्व का कार्यक्रम। तिजोत्स्व कार्यक्रम के दौरान एंकरिंग अरम्बिका और आरुषि ने किया` संजना और आरसी ने महिलाओं के लिये गेम का किया आयोजन और क्लब की महिलाओं ने संगीत पर किया डांस और जमकर की मस्ती जिसमें महिलाओं ने झुमका गाना पर रुपिका और रितिका ने डांस किया वहीं डोलना ने गाना पर वर्तिका ,नेहा ,दीप्ती और दिव्या ने ढिंढोरा बाजे रे और प्रिया ,गुंजा , वन्झिता ,अनुजा ने डांस किया`वहां कई सारे गेम्स भी खेले गये और महिलाओं ने मौज मस्ती के साथ तिजोत्स्व का किया कार्यक्रम` तिजोत्स्व कार्यक्रम में भव्या नंदिता ,जूही ,रिदमा ,सोनाही सहित इत्यादि महिलाएं सम्मिलित रही` इनरव्हील क्लब आफ वाराणसी स्पार्कलिंग स्टार की अध्यक्षा वर्तिका अग्रवाल ,सेक्रेटरी दिव्या अग्रवाल ,एडिटर मानसी अग्रवाल सहित सैकड़ों महिलाएं उपस्थित रहीं।

मोनिका यादव नेतृत्व में घर-घर जन-संपर्क कर अमृत कलश में अक्षत चावल संग्रहित किया

प्रखर रामनगर वाराणसी। द्वितीय दिवस आज मेरी माटी, मेरा देश अभियान के अंतर्गत रामनगर गोलाघाट वार्ड नं 12 भारतीय जनता पार्टी के पार्षद श्री मती मोनिका यादव जी नेतृत्व में बघेली टोला नयी बस्ती सिहाबीर कनोजिया बस्ती क्षेत्र में घर-घर जन-संपर्क कर अमृत कलश में अक्षत [चावल] संग्रहित किया। जिसमें मनोज यादव पार्षद प्रतिनिधि मुकेश कुमार कसेरा पुर्व उपाध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी राजेश गुप्ता बुथ अध्यक्ष दुर्गा सहानी आइटी सेल संयोजक गुलाब बिन्द जी राकेश यादव अंशुल गुप्ता एवं वरिष्ठ समाजसेवी उपस्थित रहे अमर बलिदानियों को समर्पित इस अभियान से देश की जनता जुड़कर उन्हें नमन कर रही है।

असि घाट पर सुबह ए बनारस के मंच पर सायंकाल काशी सांसद सांस्कृतिक महोत्सव के विशेष चरण के अंतर्गत सांस्कृतिक आयोजन सम्पन्न हुआ

प्रखर वाराणसी। जिला प्रशासन वाराणसी के तत्वावधान में असि घाट पर सुबह ए बनारस के मंच पर सायंकाल काशी सांसद सांस्कृतिक महोत्सव के विशेष चरण के अंतर्गत सांस्कृतिक आयोजन सम्पन्न हुआ जिसमें भरतनाट्यम कलाकार श्रीमती ईशा नागर सेठ, डॉ गरिमा टंडन, सुश्री रूपम रघुवंशी, श्रीमती नागरजिज्ता एस ने सामूहिक प्रस्तुति कर दर्शक गण के हृदय को मंत्र मुग्ध कर दिया।नाट्य निर्देशन नृत्य गुरु प्रेमचंद होम्बल का रहा। अंत मे काशी जोन के डीसीपी आर एस गौतम जी के करकमलों से कलाकारो का सम्मान करते हुए प्रमाणपत्र प्रदान किया गया।सुबह ए बनारस परिसर में महोत्सव का संयोजन डॉक्टर रत्नेश वर्मा ,सचिव सुबह ए बनारस तथा समन्वय डॉक्टर सुभाष चंद्र यादव क्षेत्रीय सांस्कृतिक अधिकारी द्वारा किया गया।कार्यक्रम का कुशल संचालन सीमा केसरी ने किया। इस अवसर पर श्री श्याम कुमार केशरी एवम बड़ी संख्या में कलाप्रेमीयो की गरिमामयी उपस्थिति रही।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001
सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं